Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Sunday, 19 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 299 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

अवकाश की सूचना

छठ महापर्व के अवसर पर 19 नवंबर को **द फोटोन न्यूज** कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 21 नवंबर को बाजार में आएगा। पाठकों, हॉकर बंधुओं और विज्ञापनदाताओं को छठ महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं। इस दौरान देश-दुनिया की खबरों में अपडेट रहने लिए बने रहें thephotonnews.com पर

SHARE

संसेक्स	:	62,622.24
निफ्टी	:	18,534.40

SARAFA

सोना	:	5,740
चांदी	:	76.08

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

शहीद हुए जवान की अंतिम यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

GUMLA : चाईबासा में हुए आईईडी ब्लास्ट में बलिदान हुए सीआरपीएफ के जवान संतोष उरांव (32) का पार्थिव शरीर शनिवार को उनके पैतृक गांव तुरियाडीह लाया गया। घाघरा में सुबह से ही शहीद देवनारायण स्मारक स्थल के समीप ग्रामवासी हाथों में तिरंगा एवं पुष्प लिए पार्थिव शरीर का इंतजार करते रहे। इस दौरान देशभक्ति के गाने लगातार बजते रहे। ग्रामीणों में गुस्सा एवं गर्व दोनों का भाव था। शव वाहन पहुंचते ही लाउडस्पीकर से शहीद संतोष उरांव अमर रहें के नारे लगाते हुए दर्जनों बाइक से अगुवाई करते लोग घाघरा चांदनी चौक पहुंचे। लोगों ने नम आंखों से उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। बाइक एवं प्रशासन के वाहनों की लंबी कतार के साथ गम्हरिया से उनके घर करीब 17 किलोमीटर दूर संतोष उरांव का पार्थिव शरीर तुरियाडीह पहुंचा। गांव का माहौल गमगीन हो गया। लोगों की आंखों से लगातार आंसू बह रहे थे। संतोष की पत्नी का सबसे बुरा हाल था। रोते-रोते वह बेहोश हो जा रही थी। संतोष उरांव के दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। दो माह पूर्व ही वह 10 दिन की छुट्टी पर घर आए थे। दशहरा में फिर आने की बात उन्होंने कही थी लेकिन छुट्टी नहीं मिलने के कारण वह नहीं आ पाए।

मस्क के सबसे ताकतवर रॉकेट का दूसरा टेस्ट फेल

TEXAS : दुनिया के सबसे ताकतवर स्टारशिप व्हीकल का दूसरा टेस्ट भी फेल हो गया। इसे भारतीय समय अनुसार शाम करीब 6:30 बजे लॉन्च किया गया था। यह मिशन 1:30 घंटे का था। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट और सुपर हैवी रॉकेट को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। लॉन्चिंग के करीब 2.4 मिनट बाद सुपर हैवी बूस्टर और स्टारशिप का सेपरेशन हुआ। बूस्टर को वापस पृथ्वी पर लैंड होना था, लेकिन 3.2 मिनट बाद 90 किलोमीटर ऊपर यह फट गया। वहीं स्टारशिप तय प्लान के अनुसार आगे बढ़ गया। करीब 8 मिनट बाद पृथ्वी से 148 के ऊपर स्टारशिप में भी खराबी आ गई, जिस कारण उसे नष्ट करना पड़ा। लॉन्च के बाद स्पेसएक्स ने एक्स पर लिखा- 'स्टारशिप की दूसरे एक्साइटिंग फ्लाइट टेस्ट के लिए पूरी स्पेसएक्स टीम को बधाई! सुपर हेवी बूस्टर पर लगे 33 रैप्टर इंजनों की पावर से स्टारशिप ने सफलतापूर्वक उड़ान भरी और स्टेज सेपरेशन को पार किया।'

किसके सिर होगा वर्ल्डकप 2023 का ताज, फैसला आज

रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में क्रिकेट वर्ल्डकप फाइनल होगा। फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें भिड़ेंगी। भारत अपना तीसरा विश्वकप खिताब हासिल करने उतरेगी। भारत 2013 के बाद से आईसीसी टूर्नामेंट में एक भी खिताब हासिल नहीं कर पाई है ऐसे में टीम 10 साल का सूखा खत्म करने की तलाश में होगी। दोनों ही टीमें शानदार फॉर्म में हैं, टीम इंडिया लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंची है, देशभर में फाइनल मैच को लेकर अलग ही जोश है। इस मुकाबले के लिए लगभग सभी तैयारियां हो चुकी हैं। टीम इंडिया अहमदाबाद पहुंच चुकी है। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कई बड़े दिग्गज पहुंचने वाले हैं।

10 साल का सूखा खत्म करने की तलाश में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उतरेगा भारत

जैसे पूरा टूर्नामेंट खेले वैसे फाइनल भी खेलेंगे : रोहित

टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा- फाइनल मुकाबले में ठीक वैसे ही खेलेंगे, जैसे इस टूर्नामेंट में खेलते आए हैं। हमारी अप्रोच में बदलाव नहीं होगा। हमने अभी फाइनल की प्लेइंग इलेवन पर फैसला नहीं लिया है। हम टॉस के समय पिच कंडीशन के हिसाब से तय करेंगे कि हमारी स्ट्रेंथ क्या हो और ऑस्ट्रेलिया की कमजोरी क्या हो सकती है। रोहित ने ये बातें शनिवार को प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं। क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाएगा। एक सवाल पर रोहित ने कहा कि कोई संदेह नहीं कि यह एक बहुत बड़ा मौका है। प्रोफेशनल खिलाड़ियों के लिए यह चुनौतीपूर्ण है। हमने जो सपने देखे है, हम वहां है। यह हमारे करियर का सबसे बड़ा मौका है और हमें अपनी स्ट्रैटजी को बेहतर रूप से अपनाना होगा। आपको रोज-रोज वर्ल्ड कप फाइनल खेलने का मौका नहीं मिलता। मैं वनडे वर्ल्ड कप देखकर बड़ा हुआ हूं, इसलिए मेरे लिए यह सबसे बड़ा अवसर है। टॉस पर रोहित कहा कि पिच पर थोड़ी घास है। भारत-पाकिस्तान का विकेट काफी सूखा था। मेरी समझ से, विकेट स्लो होने वाला है।

- विश्वकप में भारत ने अब तक सभी 10 मुकाबला जीता
- 2013 के बाद से आईसीसी टूर्नामेंट में एक भी खिताब हासिल नहीं कर पाई है टीम इंडिया
- ऑस्ट्रेलिया की टीम शुरूआती दो मैचों में हार के बाद लगातार आठ जीत दर्ज की
- 5 बार विश्व कप का खिताब जीत चुकी है ऑस्ट्रेलिया, 2 बार बनी उपविजेता

मोदी रहेंगे मौजूद, 8 राज्यों के सीएम और रिजर्व बैंक के गवर्नर भी आमंत्रित

भारत और आस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप फाइनल मैच का रोमांच लोगों के सिर चढ़कर बोलने लगा है। गुजरात और देश-विदेश से दर्शकों का अहमदबाद पहुंचना शुरू हो गया है। वीवीआईपी अतिथियों से भी दर्शक दीर्घा रविवार को भर जाएगी, ऐसी सूचनाएं भी मिल रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, आस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और देश के गृह मंत्र अमित शाह के मैच में उपस्थित रहने की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। इसके तहत प्रशासन ने जी-तोड़ तैयारी शुरू की है। मैच में रिलायन्स इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी के परिवार के साथ उपस्थित रहने की सूचना है। इसके अलावा 8 राज्यों के मुख्यमंत्री और रिजर्व बैंक के गर्वनर शक्तिकांत दास के भी मैच देखने आने की सूचना मिली है। मैच में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स के आने की जानकारी मिली है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज को भी निमंत्रण दिया गया है, उनके आने की अभी पुष्टि होनी बाकी है। हालांकि ऑस्ट्रेलिया का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी भारत आएगा और अहमदाबाद में मैच के दौरान मौजूद रहेगा। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के अलावा असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा भी अहमदाबाद फाइनल मैच देखने आएंगे।

बाराती गाड़ी पेड़ से टकराई, 6 की मौत

गिरिडीह में हादसा, मातम में बदली शादी की खुशी

PHOTON NEWS GIRIDIH : झारखंड के गिरिडीह में शनिवार की सुबह सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गयी। बिरनी थाना क्षेत्र के बाघमारा लुकैया गांव में सुबह 3 बजे एक बाराती गाड़ी स्कॉरपियो पेड़ से टकरा गयी। इससे छह लोगों की मौत हो गयी है, जबकि 1 गंभीर रूप से घायल है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन के परखच्चे उड़ गए। सूचना मिलने के बाद स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंचे और वाहन में फंसे शवों को बाहर निकाला। मृतकों में मो यूसुफ मियां (72 वर्ष), इम्तियाज मियां (40 वर्ष), सुभान अंसारी (35 वर्ष) और चालक सगीर अंसारी व दो अन्य शामिल हैं। घायलों का नाम याकुफ अंसारी (75 वर्ष) और आफताब अंसारी 35 वर्ष है। बता दें कि गजोडीह निवासी डॉ फारूक अंसारी के पुत्र की शादी थी।

पेड़ से टकराने के बाद दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो।

> गिरिडीह में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मृत्यु की दु:खद खबर से मन आहत है। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दे। जिला प्रशासन द्वारा दुर्घटना में घायल व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया गया है। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। - **हेमंत सोरेन, सीएम।**

निकाह के बाद लौट रहे थे बाराती

शुक्रवार को टिकोडीह में बिरनी के थोरिया गांव से बारात आई थी। रात में निकाह और भोजन के बाद बाराती वापस लौट रहे थे। इस दौरान बाघमारा गांव के पास इनकी तेज रफ्तार गाड़ी पेड़ से टकरा गई। जिसमें पांच लोगों की मौत मौके पर ही हो गई जबकि एक की मौत इलाज के दौरान हो गई। हादसे में बच्चों को मामूली चोटें लगी हैं जिन्हें प्राथमिक इलाज के बाद घर जाने की इजाजत दे दी गई। तीन घायलों को मुफ्फसिल थाना प्रभारी कमलेश पासवान ने अस्पताल भिजवाया। यहां से एक व्यक्ति को धनबाद भेजा गया जिसकी मौत हो गई। टिकोडीह निवासी पप्पू अंसारी के घर बारात आयी थी।

पलामू में शनिवार को खीर प्रसाद के पहले छठव्रतियों कोयल नदी तट पर पहुंचीं। यहां छठव्रतियों ने दिया भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया।

महापर्व छठ आज
डूबते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

शनिवार को खरना संपन्न हो गया। लोगों ने संध्या प्रसाद ग्रहण किया। घरों में इसको लेकर उत्साह रहा। इसके साथ ही छठ पर्व की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई। पूरे शहर में छठ पर्व का माहौल है। घाट सज चुके हैं। गलियां छठ गीतों से गुलजार हैं। शहर के करीब सत्तर से ऊपर छठ घाटों पर तैयारी की गई है। वहीं, चडरी तालाब, बड़ा तालाब, कांके डैम, धुर्वा डैम, हटनिया तालाब आदि में विशेष व्यवस्था की गई है। छठ को लेकर चारों ओर उल्लास है।

पाकिस्तान में भारत के 7 मोस्ट वांटेड ढेर

PAKISTAN : पाकिस्तान में पिछले 3 महीने में 7 आतंकी मारे गए हैं। ये वो आतंकी हैं, जो भारत की मोस्ट वांटेड लिस्ट में शामिल थे। हालांकि, अब तक पाकिस्तान और वहां के आतंकी संगठन इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। मारे गए सभी आतंकी लश्कर ए तैयबा यानी एलईटी, हिजबुल मुजाहिद्दीन, जैश-ए-मुहम्मद यानी जेईएम और खालिस्तान मूवमेंट से जुड़े थे। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर के शुरूआती 15 दिनों के भीतर एलईटी/जेईएम के 3 बड़े आतंकी मारे गए हैं। इनमें से एक मौलाना मसूद अजहर का करीबी और एक लश्कर-ए-तैयबा में भर्ती का काम करने वाला आतंकी भी शामिल है।

एटीएस को आतंकियों की मिली रिमांड

गोड्डा-हजारीबाग से धराए दो आतंकियों से चार दिन होगी पूछताछ

CRIME REPORTER RANCHI : गोड्डा और हजारीबाग जिले से आठ नवंबर को गिरफ्तार दो आतंकियों को एटीएस ने पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया है। आतंकी संगठन आईएसआईएस के संदिग्ध आतंकी मो. आरिज हसनैन और मो. नसीम उर्फ मोहसिन को झारखंड एटीएस ने इसी महीने गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार दोनों आतंकियों से पूछताछ करने के लिए एंटी टेररिस्ट स्क्वायड ने अदालत में अर्जी दी थी, जिसके बाद अदालत ने गोड्डा के रहने वाले आतंकी आरिज और हजारीबाग के रहने वाले मोहम्मद नसीम से एटीएस को अगले चार दिनों तक पूछताछ की इजाजत दी। एटीएस की टीम शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों आतंकियों को लेकर एटीएस मुख्यालय पहुंची, जहां उनसे पूछताछ की जा रही है। एटीएस को यह सूचना मिली है कि दोनों आतंकियों के पास कई ऐसे राज हैं, जिनके खुलासे के बाद झारखंड में छिपे हुए स्लीपर सेल के कई एजेंट गिरफ्तार किया जा सकते हैं।

- मोहम्मद नसीम और आरिज से पूछताछ में सामने आएंगे कई राज, स्लीपर सेल के कई एजेंट हो सकते हैं गिरफ्तार

उत्तरकाशी टनल में 40 नहीं 41 मजदूर फंसे

12 नवंबर से फंसे हैं श्रामिक, अब टनल की दोनों साइड वर्टिकल व परपेंडिकुलर ड्रिलिंग होगी

AGENCY UTTARKASHI : उत्तराखंड के उत्तरकाशी में दीपावली के दिन (12 नवंबर) सुबह 4 बजे एक निमार्णाधीन टनल का 60 मीटर का हिस्सा धंस गया। इसमें 41 मजदूर फंस गए। छह दिन तक अंदर फंसे लोगों की संख्या 40 बताई जा रही थी, लेकिन शनिवार सुबह एक मजदूर की संख्या बढ़ गई। संभव है कि अंदर और भी मजदूर फंसे हों। प्रधानमंत्री के पूर्व सलाहकार भास्कर खुल्बे ने शनिवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि एनएचआईडीसीएल, बीआरओ, आरवीएनएल, ओएनजीसी, पीडब्ल्यूडी और आईटीबीपी के एक्सपर्ट ने एकमत होकर राय जताई है कि हम एकसाथ पांच योजनाओं पर काम करें। जिस तरफ से पहले लोगों तक पहुंच सकेंगे, उन्हें बचाया जाएगा। इस काम में मिलकर काम कर रहे हैं। हमारे पास टनल के अंदर जाने के लिए ज्यादा जगहें नहीं हैं, क्योंकि ज्यादातर टनल स्टील से कवर्ड हो चुकी है। इसलिए टनल में परपेंडिकुलर ड्रिलिंग भी की जाएगी। जिस जगह से वर्टिकल ड्रिलिंग होनी है, उसे चिह्नित कर लिया गया है। बीआरओ ने पहाड़ के ऊपर मशीन ले जाने के लिए सड़क बनाने का काम शुरू कर दिया है।

इसी टनल के अंदर फंसे हैं मजदूर।

डीपफेक मुद्दा : सोशल मीडिया मंचों पर नकेल कसेगी सरकार

NEW DELHI : केंद्र सरकार डीपफेक (वीडियो में किसी व्यक्ति के चेहरे या शरीर को डिजिटल रूप से बदलने को डीपफेक कहते हैं) मुद्दे को लेकर गंभीर हैं। इसको लेकर केन्द्र सरकार ने सोशल मीडिया मंचों को सावधानी बरतने को कहा है। इस संबंध में शनिवार को केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार जल्द ही डीपफेक मुद्दे पर सोशल मीडिया मंचों से चर्चा करने जा रही है। जो सोशल मीडिया मंच इस संबंध में पर्याप्त कदम नहीं उठाएंगे, उन्हें आईटी अधिनियम के 'सेफ हार्बर' प्रतिरक्षा खंड के तहत संरक्षण नहीं मिलेगा। वैष्णव ने कहा कि सरकार ने हाल ही में डीपफेक मुद्दे पर कंपनियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। उन्होंने कहा कि अब सोशल मीडिया मंचों को डीपफेक के मुद्दों कों गंभीरता से लेना होगा। वैष्णव ने कहा कि अगले 3-4 दिनों में वह सभी सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर मुद्दे पर संवाद करेंगे। इस दौरान सुनिश्चित करेंगे कि मंच इसे (डीपफेक) रोकने के लिए पर्याप्त प्रयास करें और अपने तंत्र को ठीक करें। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीपफेक के मुद्दे को गंभीर बताते हुए आगाह किया था। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हाल ही में उनका एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह गरबा कर रहे थे लेकिन असल में वह उस वीडियो में नहीं थे।

- फिलिस्तीनी महिला का दावा- इजराइली सेना ने कपड़े उतरवाकर तलाशी ली

अल-शिफा अस्पताल से सफेद झंडे लेकर पैदल निकल रहे मरीज

AGENCY TEL AVIV : इजराइली सेना की कार्रवाई के बीच मरीजों और स्टाफ ने गाजा के अल-शिफा अस्पताल को खाली करना शुरू कर दिया है। कतरी मीडिया हाउस अलजजीरा के मुताबिक मरीज और स्टाफ पैदल ही सफेद झंडे लेकर उत्तरी गाजा छोड़कर निकल रहे हैं। इसी बीच एक फिलिस्तीनी महिला अबु शनाब ने अलजजीरा को बताया कि अस्पताल छोड़ रही महिलाओं की कपड़े उतरवाकर तलाशी ली जा रही है। शनाब के मुताबिक इजराइली सेना ने कई लोगों को बंधक भी बनाया है। उन्हें न तो पानी दिया जा रहा है और न ही खाना। इजराइली सेना ने अल-शिफा अस्पताल खाली करने के लिए समय दिया है।

नागरिकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाना जरूरी

यूएन के मानवीय मामलों के चीफ मार्टिन ग्रिफिथ ने कहा- हमारी मांग बहुत ही सरल है। जंग को रोक दें ताकि आम नागरिक सुरक्षित जगहों पर जा सकें। आप चाहें इसे जो समझें, लेकिन ये सिर्फ मानवीय कारणों से कहा जा रहा है। हम चांद नहीं मांग रहे हैं। हम सिर्फ कुछ बुनियादी बदलावों की मांग कर रहे हैं, जिससे नागरिकों की जान बचाई जा सके। इससे पहले शुक्रवार रात इजराइली कैबिनेट ने अहम फैसला किया। इसके तहत गाजा में हर दिन 2 फ्यूल टैंकर भेजे जाएंगे। इजराइल की नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के चेयरमैन जाची हांगेबी ने कहा- अमेरिका ने फ्यूल को लेकर यह अपील की थी। इसका इस्तेमाल यूएन के कामों, पानी और सीवेज सिस्टम को बनाए रखने के लिए किया जाएगा।

भरतपुर और नागौर में कांग्रेस पर बरसे मोदी, कहा- मोदी की गारंटी कार्ड पर पूरे देश को भरोसा

कांग्रेस की कोने-कोने से सफाई कर दीजिए : प्रधानमंत्री

AGENCY RAJASTHAN : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को राजस्थान में चुनावी अभियान पर रहे। इस दौरान मोदी ने भरतपुर के कॉलेज ग्राउंड और नागौर में भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा समेत जिले की 10 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि मोदी के गारंटी कार्ड पर पूरे देश को भरोसा है। कांग्रेस की देश के कोने-कोने से सफाई कर दीजिए। उन्होंने वादा किया कि भाजपा सरकार बनते ही राजस्थान में पेट्रोल-डीजल के रेट की समीक्षा की जाएगी।

मेरे पिताजी को कांग्रेस अध्यक्ष ने गाली दी

कांग्रेस वाले मेरे ऊपर बौखलाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मेरे पिताजी को गाली दी। उन्हें गुजरे हुए 40 साल हो गए हैं। खड़गे जी, आप तो ऐसे नहीं थे, आपका हाल ऐसा-कैसे हो गया। मुझे कितनी ही गाली क्यों न पड़े, मेरे लिए कितना ही बुरा क्यों न सोचा जाए, मैंने गारंटी दी है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ता रहूंगा। हर भ्रष्टाचारी का हिसाब होगा।

हमारे बनाये कॉलेजों में पढ़कर हमें ही दे रहे गालियां : खड़गे

RAJASTHAN : कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि गरीब और दलितों के लिए झूठा वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गिर्राज सिंह मलिंगा को टिकट दिया। वो एक तरफ गरीबों और दलितों की बात करते हैं और दूसरी तरफ दलितों को मारने और पीटने वालों को टिकट देने के लिए बुला लेते हैं। मोदी जी आपका क्या जा सकता था, यदि एक टिकट उसे नहीं देते तो? एक आदमी ऐसी विचारधारा का हो तो उसे जगह नहीं देनी चाहिए। यहां मारो और पीटो और जाकर भाजपा से टिकट लो। खड़गे शनिवार को भरतपुर के वैर और अलवर के तिजारा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। खड़गे ने कहा कि ये सभी लोग (भाजपा) मिलकर मारने और पीटने वालों को प्रोत्साहित कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में जाओ, जहां एक आदिवासी बच्चे के मुंह में पेशाब कर दिया। वहां के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान पैर धोते हैं और कहते हैं मुझे माफ कर दो। भाजपा के लोग हमारे बनाए कॉलेजों में ही पढ़े और हमको ही गालियां देते हैं।

THE PHOTON NEWS

कला-साहित्य

कविता

संजना
शिक्षिका व साहित्यकार
कोलकाता

1
ढूंढ लेना

ढूंढ लेना तुम मुझे, मेरे खोने से पहले
खेल के इस रेल में अब समय का चक्र छूट चुका है
लुका छिपी के बीच छलिया, निगोड़ा, मुआं माधव
उतर आया है
देखो......

फिर कातर नजरों से कात रहा है सूर्य से सूत
आज फिर दिन में रात का साया है
भेड़िये अब भौंकते हैं शेरों पर
कुत्ते ने सांप की बांबी में सिर छुपाया है

ध्यान रहे की अब युद्ध तीरों से नहीं लड़े जाते
ये भी की अब नाकाफी है जमीं शत्रु को पाटने की
खातिर
आकाश-जल-पर्वत-हिम सबमें आक्रोश समाया है

तुम ढूढ़ लेना मुझे, मेरे खोने से पहले
और सहेज लेना गमछी के छोर में
फेंक देना गमछिया किसी गुप्त गन्दी नाली में
और करना इन्तजार फिर प्रलय की शान्ति का

इस बार जीवन का अंकुर गन्दी नाली से फूटेगा
आदम के प्रेम और हउआ की कोख से नही
फिर मिट जाएंगे सभी ऊंच नीच के भेद
धर्म कर्म भी ना अपने मुंह खोलेगा

पर तुम ढूंढ लेना मुझे, मेरे खोने से पहले

2

बस यूं ही बच्चों को देखते हुए दिल ने कुछ कहा
मेरे हाथो में रखकर
अपनी नन्ही उंगलियां
तुमने नाप लिया बामन से भी अधिक
मेरे हृदय तल का त्रिलोक

रेंगते हुए हथेली से
कपोलों तक का सफर
तुमने वास्कोडिगामा से भी अधिक
चतुराई और धैर्य से
संपन्न किया

छिन ली कुछ ही क्षणों में
आँखों से दुःख की हर बदरी
और पराजित कर दिया
इंद्रदेव को

तुम्हारी देह की रंगत
जैसे चिकने मक्खन में
एक चुटकी केसर
कान्हा के हर रूप की
स्मृति धरे तुमने
वृंदावन को जीवित कर दिया

इतना मोहक रूप
इतनी चंचलता
और इतना प्रेम
अब मैंने सुंदरता के एक
और चरण को पूर्ण कर लिया

तुम्हें जन्म देकर....
ईश्वर से पाए
हर रूप गुण को
एक नया आयाम दे दिया

• • •

चित्र प्रदर्शनी

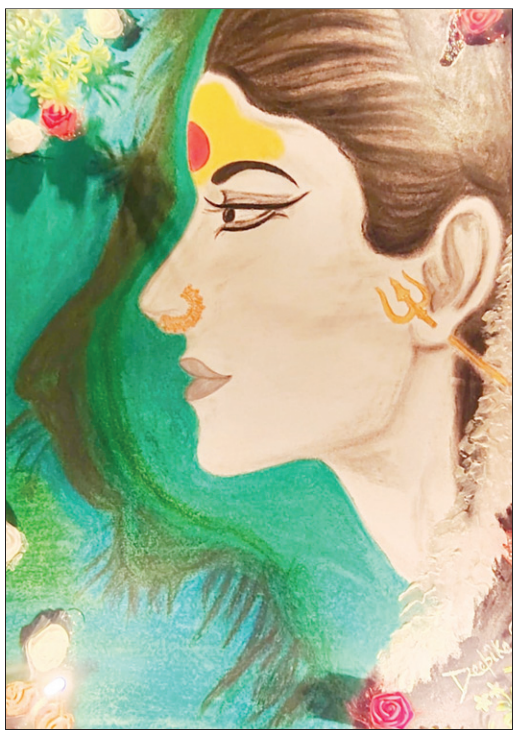

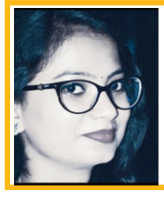

दीपिका सिंह
गोरखपुर

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।
SCAN ME
Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सांस्कृतिक परम्परा और पर्यटन का समागम

घुमक्कड़ की पाती

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

“ माचल की सबसे खास जगहों में शुमार डलहौजी देश का एक जाना माना पर्यटन स्थल है। जिसकी वजह से घूमने टहलने की इच्छा रखने वाला हर व्यक्ति इस जगह पर आना और अपनी छुट्टियां बिताना चाहता है। इस जगह पर पूरे साल पर्यटकों की आवाजाही रहती है। यहां पर देश दुनिया के कोने कोने से लोग आते हैं। यह जगह अपनी शांत सुंदर वादियों, प्राचीन सांस्कृतिक परम्परा और पर्यटन स्थलों की वजह से पूरी दुनिया में मशहूर है। इस जगह के बारे में मुझे पहले से पता था पर कभी जाना नहीं हो पाया था। इसलिए सोचा क्यों ना इस बार हम डलहौजी ही घूम आएं। फिर क्या था मैंने अपना बैकपैक तैयार किया और सड़क मार्ग से होते हुए डलहौजी पहुंच गए। इस जगह पर रेलमार्ग अथवा हवाई मार्ग से भी आया जा सकता है।

हिमाचल की सबसे खास जगहों में शुमार डलहौजी देश का एक जाना माना पर्यटन स्थल है। जिसकी वजह से घूमने टहलने की इच्छा रखने वाला हर व्यक्ति इस जगह पर आना और अपनी छुट्टियां बिताना चाहता है। इस जगह पर पूरे साल पर्यटकों की आवाजाही रहती है। यहां पर देश दुनिया के कोने कोने से लोग आते हैं। यह जगह अपनी शांत सुंदर वादियों, प्राचीन सांस्कृतिक परम्परा और पर्यटन स्थलों की वजह से पूरी दुनिया में मशहूर है।

इस जगह के बारे में मुझे पहले से पता था पर कभी जाना नहीं हो पाया था। इसलिए सोचा क्यों ना इस बार हम डलहौजी ही घूम आएं। फिर क्या था मैंने अपना बैकपैक तैयार किया और सड़क मार्ग से होते हुए डलहौजी पहुंच गए। इस जगह पर रेलमार्ग अथवा हवाई मार्ग से भी आया जा सकता है।

आप भी अगर इस जगह पर जाना चाहते हैं तो आपको बता दूं कि डलहौजी पहुंचना काफी आसान है। इस जगह पर आप अपनी सुविधानुसार सड़क मार्ग, रेलमार्ग अथवां हवाई मार्ग का विकल्प चुन सकते हैं। यह सड़क मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। इस जगह पर पहुंचने के लिए नजदीकी रेलवे स्टेशन पठानकोट और हवाई अड्डा कांगड़ा है।

डलहौजी घूमने के लिए सही समय की बात की जाए तो इस जगह पर वैसे तो कभी भी जा सकते हैं परंतु जनवरी से मार्च तक का महीना सबसे सही रहता है। इस समय यहाँ पर चारो तरफ बर्फ. ही बर्फ. दिखाई देती है। पूरा दृश्य ऐसा लगता है कि किसी ने पूरे पहाड़ पर सफेद चादर बिछा दिया हो। आसपास की चोटियां और पहाड़ बहुत ही मनोरम दिखाई देते हैं। इस जगह पर घूमने और देखने के लिए काफी कुछ है। साथ ही साथ रहने और खाने पीने के लिए होटल और रेस्टोरेंट की भी बहुत अच्छी सुविधा है, लेकिन हमारी इच्छा किसी होमस्टे में रुकने की थी क्योंकि हमें स्थानीय खानपान और संस्कृति को जानना समझना था इच्छानुरूप हमें गांव में ही एक घर मिल भी गया।

सबसे पहले हमने घूमने की जगहों के बारे में पता किया फिर ब्रेकफास्ट करके अनजान पहाड़ी रास्तों के सफर पर निकल गए। पहाड़ी रास्तों की सबसे खास बात यह कि ये हमें भटकने और खुद में खो जाने का मौका देते हैं। हम भी चलते चलते उन्हीं पहाड़ी रास्तों और खुबसूरत वादियों के बीच खो गए। हरे भरे पेड़ पौधे, तरह तरह के जीव जंतु व खूबसूरत मौसम और भला एक यात्री को क्या ही चाहिए।

हम आपको बता दें कि इस जगह की स्थापना ब्रिटिश गवर्नर लार्ड डलहौजी ने 1854 में किया था ताकि वह यहाँ की शांत सुन्दर वादियों में अच्छा समय व्यतीत कर सके। धीरे धीरे यह जगह अपने खूबसूरत मौसम और भौगोलिक स्थिति की वजह से प्रसिद्धि पाती गई। इस वजह से अन्य ब्रिटिश अधिकारी भी अपनी छुट्टियां बिताने के लिए यहां आने लगे साथ ही इसका आकर्षण बढ़ता ही गया।

यह जगह उस समय से भी कहीं ज्यादा आज फेमस है। यहां पहुँचकर हमारा परिचय जिस पर्यटन स्थल से हुआ वह है खाज्जिअर।

आपको बता दूं कि जितना फेमस डलहौजी है उतना ही कहीं खाज्जिअर, इसीलिए जो लोग भी डलहौजी घूमने आते हैं उनका अगला पड़ाव खाज्जिअर होता है और हो भी क्यों नहीं जब यह जगह डलहौजी से महज बाइस किमी की दूरी पर स्थित है। हम पहले दिन डलहौजी की संस्कृति और खानपान को एक्सप्लोर करने के पश्चात खाज्जिअर घूमने के लिए निकल पड़े।

डलहौजी से खाज्जिअर तक जाने का रास्ता बहुत ही खूबसूरत और विविधतापूर्ण है। इस रास्ते की खूबसूरती में हम इस कदर खो गए कि कब खाज्जिअर आ गया हमें पता भी नहीं चला। खाज्जिअर में हमारा सबसे पहला परिचय खाज्जिअर झील और खज्जी नाग मंदिर से हुआ। यह दोनों ही जगहें मुझे काफी अच्छी लगीं। लोग कहते हैं कि इस जगह पर आकर इन दो जगहों को नहीं देखा तो कुछ भी नहीं देखा। हमें भी यह जगह काफी अच्छी लगी। अंत में हमारी इच्छा इस जगह पर मौजूद गोल्फ कोर्स देखने की हुई तो फिर हम गोल्फ कोर्स भी गए जहां बहुत ही मजा आया।

हम एक दिन खाज्जिअर में ही ठहरे और उसके बाद हमने वापस डलहौजी की तरफ अपना रूख किया और डैनकुंड पीक देखने गए। डैनकुंड पीक को कुछ लोग सिंगिंग हिल के नाम से भी जानते हैं। इस पीक से आसपास का दृश्य बहुत ही खूबसूरत नजर आता है।

इस जगह से एलओसी की दूरी महज दस किमी है और सिंगिंग हिल की ऊंचाई समुन्द्र तल से 2750 मीटर है इसलिए इस चोटी को एलओसी का उच्चतम शिखर भी कहा जाता है। इस चोटी पर पहुँचकर आसपास की जगहों की खूबसूरत को हम देर तक निहारते रहे। कुछ लोगों ने हमें कलातोप वन्यजीवन अभयारण्य देखने का भी सुझाव दिया क्योंकि यह जगह गाँधी चौक से भी नजदीक है।

मैंने इस जगह के बारे में पहले से सुन रखा था इसलिए कलातोप वन्यजीवन अभयारण्य जैसी जगह पर जाने से खुदको नहीं रोक सका। बीस किमी के दायरे में फैले इस अभयारण्य में हमने तरह तरह के जीव और वनस्पतियाँ देखीं और देवदार के ऊँचे और घने जंगलों से घिरी इस जगह की खूबसूरती को पहरों तक निहारते रहे।

इस जगह से एलओसी की दूरी महज छह किमी ही रह जाती है, जो लोग इस जगह पर आते हैं उनके मन में एलओसी देखने की भी गजब की चाह रहती है। हमारी भी कुछ ऐसी ही चाह थी लेकिन हम समय के अभाव के चलते नहीं जा सके। शाम हो गई और हम अपने होमस्टे लौट आए।

हमारे पास अब बस एक और दिन बचा था। अपनी डलहौजी यात्रा के आखिरी दिन हम पंचपुला, संत जॉन चर्च, चमेरा झील भी देखने के लिए गए। यह सभी जगहें घूमने और छुट्टियां व्यतीत करने के लिहाज से मुझे काफी अच्छी लगी और मैंने खूब लुत्फ उठाया। सही मायने में डलहौजी और खाज्जिअर को घूमने और देखने का जो अनुभव हुआ वह हमेशा के लिए हमारी स्मृतियों में शामिल हो गया।

पक्षी ■ पुराण

प्रकृति, प्रतिकूलता और प्रवास

डॉ. राहुल सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, विश्व भारती
शांति निकेतन

ग्रे लेग गूज पक्षी

पक्षियों की दुनिया कई मामलों में अद्भुत है। प्रकृति की प्रतिकूलता से लड़ने का उनका जो तरीका है, वह मनुष्यों के लिए पर्याप्त प्रेरक साबित हो सकता है। प्रकृति की प्रतिकूलता से निबटने के लिए पक्षी भिड़ने की बजाय वहाँ से हटने की रणनीति अपनाते हैं और प्रतीक्षा करते हैं, परिवेश के अनुकूल होने का। प्रतिकूलता से लड़ कर वे अपनी ऊर्जा खर्च नहीं करते बल्कि अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल वे अनुकूलता की तलाश में करते हैं। हर साल लाख नहीं करोड़ों की संख्या में पक्षी प्रवास के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं। यह परिघटना अपने आप में इतनी विलक्षण है कि इस पूरी प्रक्रिया से परिचित होना आपको चमत्कृत कर सकता है। क्या आप यकीन करेंगे की सर्दियों में अलास्का, मंगोलिया, चीन, साइबेरिया, हिमालय लांघ कर पक्षी भारत के न केवल मैदानी भागों में बल्कि झारखंड के अलग-अलग हिस्सों में हजारों की संख्या में आते हैं। इसमें गौरेया के आकार के पक्षी से लेकर हंस और बत्तख की अनेक प्रजातियाँ शामिल है। किसी भी पक्षी प्रेमी के लिए सर्दी सर्वाधिक मूल्यवान ऋतु है। यह अपने आप में कितनी खूबसूरत बात है कि संसार के अलग-अलग हिस्सों से कयामत की खूबसूरती उड़ कर आपके इर्द-गिर्द के जलाशयों में आ उतरती है। जिन जलाशयों में वे आते हैं, वे सच में बहुत खुशकिस्मत हैं। पक्षियों के इस माइग्रेशन को गौर से देखे तो वह कुछ हैरतंगेज तथ्य को रेखांकित करते हैं। इनमें से सब कुछ अलग विशेषताओं को धारण करते हैं। कोई इतनी ऊँचाई में उड़ने की काबिलियत रखता है जहां मनुष्य के फेफड़े साँस लेने की योग्यता नहीं रखते हैं। किसी के पंखो का विन्यास इतनी लंबी और ऊँची उड़ान के लिए मानो खास तरीके से डिजायन किया गया हो। कोई एक बार में 1000 से 1200 किमी की दूरी एक उड़ान में तय करने की कूबत रखता है। सुन कर यह अविश्वसनीय लग सकता है, लेकिन यह सत्य है। इस प्रवास का सबसे दुखद पहलू है इन प्रवासी पक्षियों का शिकार। आप सोचिये जो 1000 से 6000 किमी की दूरी तय करके सकुशल आपके जलाशयों तक तमाम विपदाओं को लाँघ कर आते हैं, उनके शिकार से बड़ा अनैतिक अपराध और क्या हो सकता है? हड्डी जमाने वाली कड़ाके ठंड से बचने के लिए और बर्फ हो चुके पानी के कारण मजबूरन अपेक्षाकृत कम सर्द जगहों की ओर पक्षी अपने सर्वाइवल के लिए माइग्रेट करते हैं। यह माइग्रेशन कोई मामूली परिघटना नहीं है। हमें ठीक-ठीक मालूम नहीं है कि पक्षियों का यह माइग्रेशन कब से चला आ रहा है। लेकिन पक्षियों के अध्येता जब माइग्रेशन के अलग-अलग पहलुओं को सामने लाते हैं तब जाकर इसकी विलक्षणता का हम थोड़ा अनुमान कर पाते हैं। मसलन आप केवल इस बिन्दु पर विचार करके देखिये कि आखिर हर साल में यह हजार से पाँच हजार किलोमीटर की दूरी तय करने वे एक सुनिश्चित पोखर, आहर, डैम, नदी तक कैसे पहुँचते हैं? आखिर कैसे पक्षियों की एक पीढ़ी अपनी दूसरी पीढ़ी तक यात्रा के मार्ग का सूचना साझा करती होगी? और कैसे सदियों से यह प्रैक्टिस इसी रूप में जारी है? इसके बकायदा आँकड़े और प्रमाण उपलब्ध हैं कैसे यह अविश्वसनीय-सी लगनेवाली परिघटना हर साल बिना नागा इसी रुप में घटित होती है। उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों की साझेदारी की जो समझदारी इनमें दिखती है, वह सीखने की चीज है। देश के कई हिस्सों में ऐसे जलाशय है जिसकी इकोलॉजी बहुत विभिन्नता लिए हुए है, ऐसी जगहों में सर्दियों में स्वर्ग उतर आता है। राजस्थान का भरतपुर हो या ओड़िशा का मंगलाजोड़ी या फिर गुजरात का नाल सरोवर, यह सभी कुछ ऐसी चुनिंदा जगहें हैं, जहाँ माइग्रेशन के जादू को महसूस किया जा सकता है।

मौसम सर्दियों का है इसलिए सर्दियों के माइग्रेशन की बात कर रहा हूँ, पर पक्षियों के संसार में यह प्रवासन साल भर चलने वाली गतिविधि है। हर ऋतु के माइग्रेशन का अपना सौंदर्य होता है, समय होता है। जंगल, पोखर और मैदान वही होते हैं बस उसमें दिखने और रहने वाले परिन्दे बदल जाते हैं। कुछ पक्षी होते हैं जो साल भर आपको दिखते हैं लेकिन पक्षियों की एक बड़ी दुनिया है जो ऋतुओं के अनुसार आबाद होती है और अदृश्य होती है। फरवरी-मार्च के आस-पास जब तापमान बढ़ना आरंभ होता है तो वह वापसी की तैयारी में जुट जाते हैं। लौटने के क्रम में देवघर में पिछले साल मैं ऐसी घटना का साक्षी बना जो इससे पहले नहीं आब्जर्व कर सका था। इनका लौटना ह्यरिवर्स माइग्रेशनह्व कहलाता है। इस रिवर्स माइग्रेशन की शुरूआत के पहले बार हेडेड गूज और ग्रे लेग गूज एक ही आहर में तकरीबन साढ़े तीन हजार से चार हजार की संख्या में दिखे। और फिर दो-तीन सौ की संख्या में उनका लौटना आरंभ हुआ। तीन से पाँच दिन के भीतर वह पोखर नौ-दस महीने के लिए सूना हो चुका था। उनका लौटना भी एकबारगी नहीं होता है मतलब सारे प्रवासी पक्षी एक साथ नहीं लौट जाते हैं। सर्दियों के इन अतिथियों में सबसे आखिरी तक टिके रहने का रिकार्ड इस ओर तो रुडी शेल्डक (सुर्खाब या ब्राह्मणी बत्तख) के नाम है जो मई तक टिकी दिख जाती है। पक्षियों के बारे में जानकारी के अभाव में एशियन ओपन बिल या स्टार्क (जांघिल या घोंघिल) तक को लोग साइबेरियन पक्षी के तौर पर बोलते देखे जा सकते हैं। आम लोगों के बीच इन माइग्रेटरी बर्डस के लिए साइबेरियन पक्षी अब लगभग स्वीकृत और प्रचलित हो चुका है। सर्दियों के इन प्रवासियों में से हर का संबंध साइबेरिया से नहीं होता है। वे दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से अलग-अलग हिस्सों की दूरी तय किया करते हैं। कई संस्थायें हैं जो उनके माइग्रेशन की पूरी अवधि का रिकार्ड रखती हैं इसके लिए उनके पैर में रिंग डाल दिया जाता है जिसके रंग और अंकों से उसकी टैगिंग का पता चलता है। वह कहाँ से चला और दुनिया के किन-किन हिस्सों में गया? एक दिन में कितनी दूरी तय की? उसने रास्ता कौन सा चुना? उसके पड़ाव कौन-कौन से रहे? सोशल मीडिया पर ऐसे प्लेटफार्म हैं जहाँ ऐसे रिंग्ड और टैग किये हुए पक्षियों की तस्वीर डाल कर उसके ब्यौरे पाये जा सकते हैं। बर्डर और बर्ड वार्चर की एक ऐसी बड़ी दुनिया है जो अपने साल भर के आब्जर्वेशन को कई मंचों पर साझा करते हैं यह फ्री डाटा शेयरिंग प्लेटफार्म पक्षियों की दुनिया के बारे में जरूरी और प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराने का काम करते हैं। भारत में केरल, बंगाल और महाराष्ट्र इस फ्री डाटा शेयरिंग के मामले में अन्य राज्यों से काफी आगे हैं। इधर कोरोना काल में झारखंड ने भी इस दिशा में पहल की है। धीरे-धीरे यह कारवां भी चल निकला है। राँची, जमशेदपुर और धनबाद इस मामले में अव्वल हैं, जहाँ बर्ड फोटोग्राफर्स और बर्ड वाचर्स की एक नयी पीढ़ी बहुत शानदार काम कर रही है। जरुरत है उन्हें जरूरी संसाधन और प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की। वन विभाग इस दिशा में उनके सुझावों के साथ सहयोग करना आरंभ करें तो झारखंड में पक्षियों की जो विविधता है उसका ना सिर्फ प्रामाणिक दस्तावेजीकरण किया जा सकता है बल्कि पक्षियों के संरक्षण और संवर्द्धन की दिशा में भी ऐतिहासिक काम किया जा सकता है।

BRIEF NEWS

गिरिडीह सड़क हादसे पर मुख्यमंत्री ने जताया दुःख

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि गिरिडीह में सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत की दुःखद खबर से मन आहत है। परमात्मा दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की यह घड़ी सहन करने की शक्ति दें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने दुर्घटना में घायल व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराया है। उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं। उल्लेखनीय है कि गिरिडीह जिले के बिरनी और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके सिंधवारिया के बाघमारा गांव में शनिवार तड़के सड़क हादसे में छह बारातियों की मौत हो गई।

हिंदुओं की भावना के साथ खेल रही है सरकार : आशा लकड़ा

RANCHI : रांची की पूर्व मेयर डा. आशा लकड़ा ने मांडर में एक साथ चार मंदिरों में स्थापित देवी-देवताओं की प्रतिमाओं को खंडित किए जाने की घटना को निंदनीय बताया है। शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। हिंदुओं की भावना के साथ राज्य सरकार खिलवाड़ कर रही है। फिलहाल हिंदुओं के महापर्व छठ पूजा के दौरान इस प्रकार की घटना होना राज्य सरकार की कमजोर कानून व्यवस्था को दर्शा रही है। इससे पूर्व पांच नवम्बर को बोकारो में एक मंदिर पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। मूर्तियों को तोड़ने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल किया गया था।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति ने छठ व्रतियों के बीच बांटी पूजन सामग्री

RANCHI : श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति की ओर से शनिवार को छठव्रतियों के बीच पूजा सामग्री बांटी । इस अवसर पर 101 छठ व्रतियों को छठ पूजन सामग्री के साथ दौरा, सूप, नारियल, गुड़, पूजा सामग्री, आटा, रिफाइन, घी और मिठाई प्रदान की गयी। श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू ने कहा कि इस बार लोग पूरे उल्लास के साथ छठ महापर्व मनाने में लगे है। कुछ ऐसे लोग भी है, जिन्हें महंगाई के कारण पूजा सामग्री को खरीदने में मुश्किलें आ रही हैं, इसलिए वैसे जरुरतमंद छठ व्रतियों के बीच हम पूजा सामग्री का वितरण कर रहे हैं, ताकी वैसे लोग छठ को उल्लासपूर्वक मना सकें।

राज्यपाल से मिले हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस और विधायक सीपी सिंह

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शनिवार को झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा ने राजभवन में मुलाकात की। राजभवन के आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मुख्य न्यायाधीश और राज्यपाल की यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट थी। उन्होंने राज्यपाल को छठ पूजा की शुभकामनाएं दी। इनके अलावा राज्यपाल से भाजपा विधायक सीपी सिंह ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की और छठ पूजा की शुभकामनाएं दी।

छठ महापर्व को लेकर शहर में भारी माल वाहक वाहनों का प्रवेश रहेगा वर्जित

RANCHI : रांची शहर में छठ महापर्व को लेकर भारी माल वाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। एसपी ट्रैफिक कुमार गौरव ने बताया कि 19 नवम्बर को सुबह आठ बजे से रात 11 बजे और 20 नवम्बर को सुबह दो बजे से रात 10 बजे तक बड़े वाहनों का प्रवेश पर रोक रहेगा। मालवाहक वाहन रिंग रोड होकर अपने गंतव्य तक परिचालन कर सकेंगे।

atom美 ATOMY INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

लोक आस्था का महापर्व छठ का पहला अर्घ्य आज

सुरक्षा के रहेंगे कड़े इंतजाम, ड्रोन से होगी निगरानी, 1200 जवान रहेंगे तैनात

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची में लोक आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर हर तरफ उत्साह है। 19 और 20 नवम्बर को अर्घ्य के लिए विभिन्न तालाबों, झील, नदियों और डैमों को भव्य रूप से सजाया गया है। कोकर तिरिल तालाब, चडरी तालाब, करमटोली तालाब, कांके डैम सहित अन्य सभी घाटों की साफ-सफाई कर प्रकाश की व्यवस्था की गयी है। घाटों को फूलों और बिजली के रंगबिरंगी लाइट से सजाया गया। छठ महापर्व पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये हैं। सुरक्षा के लिए 1200 जवानों को अलग से घाटों पर तैनात किया गया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शनिवार को बताया कि सुरक्षा को लेकर सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में विशेष नजर रखने को कहा गया है। पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गयी है। एनडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों एवं बोट को भी सुरक्षा के लिहाज से तैनात किया गया है। साथ ही ड्रोन से सभी प्रमुख छठ घाटों की निगरानी की जायेगी। सादे लिबास में महिला और पुरुष बल की तैनाती की गयी है। ट्रैफिक में बदलाव किया गया है। उन्होंने बताया कि छठ व्रतियों को किसी प्रकार के कोई परेशानी ना हो इसका ध्यान रखने को तैनात पुलिसकर्मियों को कहा गया है। साथ ही दंडाधिकारियों की भी तैनाती की गयी है।

उल्लेखनीय है कि चार दिवसीय अनुष्ठान के दूसरे दिन शनिवार को खरना को लेकर लोग एक दूसरे के यहां जाकर प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। छठ व्रती दिनभर उपवास रखने के बाद शाम को पूजा-अर्चना कर खरना का प्रसाद ग्रहण किये।

छठ पर मिनी बिहार जैसा हो जाता है हटिया डैम का नजारा

RANCHI : महापर्व छठ के लिए रांची का हटिया तालाब पूरी तरह से सज कर तैयार है। तालाब में गहराई अधिक होने की वजह से इसकी बैरिकेडिंग की गई है। इसके अलावा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम तैनात रहेगी। व्रती रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देंगे। इसके लिए छठ घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।

रांची के हटिया डैम में भी काफी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। एचईसी परिसर में 1960 के दशक में बने हटिया डैम में छठ के दिन का नजारा बेहद खास होता है। धुर्वा इलाके में बिहार से आकर बसे लोगों की संख्या काफी है। इसलिए हटिया डैम में छठ पूजा के दौरान का नजारा मिनी बिहार जैसा हो जाता है। महापर्व छठ पर्व से जुड़ी भोजपुरी गीतों, व्रतियों के परिजनों खासकर महिलाओं द्वारा पारंपरिक छठ गीतों से पूरा हटिया डैम क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो जाता है।

हटिया डैम राजधानी रांची के सबसे साफ पानी वाला डैम माना जाता है। यहां छठ व्रत करने की एक अलग खासियत भी है। यहां छठ व्रत के दौरान सावधानी बरतने की भी जरूरत है। यह डैम 38 फीट गहरा है और अभी करीब 28 फीट पानी है। पानी में उतरने ही थोड़ी दूरी पर ही काफी गहराई है। ऐसे में स्थानीय छठ पूजा समिति और नगर निगम ने किसी अनहोनी से बचने के लिए बांस की बैरिकेडिंग की है। पूजा समिति ने अपील की है कि किसी भी परिस्थिति में बैरिकेडिंग के आगे श्रद्धालु नहीं जाएं।

19 और 20 नवंबर को हटिया डैम में किसी अनहोनी घटना से निपटने और आपात समय में सहायता पहुंचाने के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम लगातार डैम में गश्त करेंगी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग ने एम्बुलेंस के साथ डॉक्टर और दवाओं की व्यवस्था भी की है। रांची नगर निगम ने यहां भी कई अस्थाई चेंजिंग रूम बनाये हैं। साथ ही घाट तक पहुंचने वाले रास्ते पर लाइटिंग की व्यवस्था की है।

जमीन घोटाला मामले में भरत प्रसाद की जमानत याचिका पर सुनवाई 22 को

RANCHI : जमीन घोटाला मामले के आरोपी भरत प्रसाद की जमानत याचिका पर शनिवार को कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश कुमार राय की अदालत ने जमानत याचिका पर सुनवाई की अगली तिथि 22 नवंबर निर्धारित की है। इससे पूर्व 17 नवंबर को भरत प्रसाद की ओर से जमानत याचिका दाखिल की गयी थी। यह मामला बरियातू के सेना के कब्जे वाली भूमि और रांची के चेशायर होम रोड स्थित भूमि की फर्जी कागजात के सहारे जमीन की खरीद-बिक्री करने से जुड़ा है। इस मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, व्यवसायी विष्णु अग्रवाल, प्रेम प्रकाश सहित कई आरोपी जेल में है।

LEGENDS LEAGUE CRICKET 2023

पठान की आंधी में उड़ी गंभीर की टीम

इरफान ने 19 गेंदों में 9 छक्कों की मदद से बनाए नाबाद 65 रन

PHOTON NEWS RANCHI : लीजेंड लिग क्रिकेट सीजन-2 का पहला मुकाबला भीलवाड़ा किंग्स की टीम ने जीती। रांची के जेएसएसीए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में इरफान पठान की टीम ने रोमांचक मुकाबले में इंडिया कैपिटल्स की टीम को 3 विकेट से हराया। कप्तान इरफान पठान ने अकेले मैच का पासा पलट दिया। इरफान ने अपनी पारी के दौरान 19 गेंदों का सामना कर 1 चौके व 9 छक्के के सहारे नाबाद 65 रन बनाए। इंडिया कैपिटल्स से मिले जीत के लिए 229 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भीलवाड़ा किंग्स की टीम ने 19.2 ओवर में 7 विकेट खोकर 229 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। टीम के लिए जिम्बाब्वे के सोलोमोन मिरे ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 70 रनों की पारी खेली। युसूफ पठान आते ही छक्का मारकर विपक्षी टीम को डराना चाहा, लेकिन 16 रन बनाकर आउट हो गए। रॉबिन बिष्ट ने 30 रनों का योगदान दिया। इंडिया कैपिटल्स की ओर से श्रीलंका के इसूरू उडाना ने घातक गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए।

दूसरे विकेट के लिए 107 रनों की हुई बड़ी साझेदारी : इससे पहले भीलवाड़ा की टीम ने टॉस जीतकर पहले इंडिया कैपिटल्स की टीम को बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। इंडिया कैपिटल्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 228 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया। इंडिया कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। दक्षिण अफ्रीका के धाकड़ बल्लेबाज रहे हाशिम अमला 3 रन बनाकर अनुरित की गेंद पर विकेटकीपर दिलशान को आसान सा कैच दे बैठे। इसके बाद टीम के कप्तान व सांसद गौतम गंभीर ने क्रिश एडवर्डस के साथ दूसरे विकेट के लिए 107 रनों की बड़ी साझेदारी कर टीम को मजबूत कर दिया।

कप्तान ने 63 व एडवर्डस ने बनाए 59 रन

इंडिया कैपिटल्स के कप्तान गौतम गंभीर ने दे दनादन स्टाइल में बल्लेबाजी शुरू की। गंभीर ने अपने 63 रनों के दौरान 35 गेंदों का सामना कर 8 चौके व 2 छक्के लगाए। गंभीर को राहुल शर्मा ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद क्रिश एडवर्डस ने भी अर्धशतक जड़ा। एडवर्डस ने 31 गेंदों का सामना कर 5 चौके व 4 छक्के जड़े। एडवर्डस 59 रन बनाकर राहुल शर्मा के गेंद पर आउट हुए। आस्ट्रेलिया के बेन डंक ने तेजी से 16 गेंदों में 3 चौके व 3 छक्के के सहारे 37 रनों का योगदान दिया। एश्ले नर्स ने 34 रन बनाए। अनुरीत सिंह ने 4 व राहुल शर्मा ने 2 विकेट लिए।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा बुंडू सूर्य मंदिर में आज देंगे अर्घ्य

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के बुंडू स्थित प्रसिद्ध सूर्य मंदिर में छठ महापर्व को लेकर तैयारी कर ली गई है। संस्कृति विहार के संयोजक प्रमोद कुमार ने शनिवार को बताया कि 19 नवम्बर को केन्द्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा व्रतियों के साथ अर्घ्यदान करेंगे और देश और प्रदेश के लिए आशीर्वाद मांगेंगे। उन्होंने बताया कि छठपूजा की तैयारी को लेकर पुलिस-प्रशासन के साथ शिव शक्ति क्लब एवं स्थानीय लोगों का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

मंदिर परिसर से लेकर सूर्य सरोवर तक की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, भक्तों के रात्रि विश्राम के लिए आवास और अन्य व्यवस्थाएं अपने अंतिम चरण में हैं।

अलेप्पी कल से 26 तक चलेगी बदले मार्ग से

RANCHI : धनबाद से चलने वाली अलेप्पी एक्सप्रेस सहित दक्षिण भारत जानेवाली ज्यादातर ट्रेनें छठ के बाद अलग-अलग दिनों में परिवर्तित मार्ग से चलेंगी। रेलवे के आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे के गुंताकल और विजयवाड़ा रेल मंडल में होनेवाले रोलिंग कॉरिडोर ब्लाक के कारण ट्रेनों के मार्ग अस्थायी रूप से बदले गए हैं।

मुरी रेल रोको आंदोलन के छह आंदोलनकारियों को मिली बेल

PHOTON NEWS RANCHI : मुरी रेल टेका आंदोलन की अगुवाई करने वाले छह कुड़मी आंदोलनकारियों को शनिवार को रांची की रेल अदालत से जमानत मिली गयी। 20 सितम्बर को टोटेमिक कुरमी/ कुड़मी विकास मोर्चा के बैनर तले कुरमी/कुड़मी जाति को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने की मांग को लेकर 12 घंटे तक रेल परिचालन रोका गया था। इसके बाद मुरी आरपीएफ ने 1561/2023 के तहत केस दर्ज किया था। प्राथमिकी में रेलवे एक्ट की विभिन्न धाराएं लगाई गई थी। इस मामले में शीतल ओहदार, हरमोहन महतो, सखीचंद महतो, दानिसिंह महतो, सपन कुमार महतो और सोनालाल महतो को नामजद आरोपित बनाया गया था। आरोपितों की ओर से अधिवक्ता शशिरंजन महतो ने रेलवे कोर्ट में जमानत फाइल किया था। इसपर सुनवाई के बाद रेलवे न्यायालय ने सभी आरोपितों को जमानत दे दी है।

आईईडी विस्फोट में घायल कांस्टेबल को एयर एंबुलेंस से भेजा गया दिल्ली

PHOTON NEWS RANCHI : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में आईईडी विस्फोट में घायल कांस्टेबल जयंता नाथ को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शनिवार को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ले जाया गया। इस दौरान रांची पुलिस ने आर्किड अस्पताल से लेकर एयरपोर्ट तक के रास्ते को ट्रैफिक मुक्त रखा था। एयरपोर्ट पहुंचने पर एयर एम्बुलेंस की टीम जयंता नाथ को लेकर दिल्ली के लिए रवाना हो गई।

घायल कांस्टेबल को दिल्ली ले जाते अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

उल्लेखनीय है कि चाईबासा में गोइलकेरा थाना क्षेत्र स्थित हाथीबुरु के जंगल में सीआरपीएफ की टीम नक्सल अभियान पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट कर दिया। इस घटना में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हुए थे, जिसमें संतोष उरांव शहीद का बलिदान हो गया।

चेक बाउंस मामले में पत्रकार को भेजा गया जेल

RANCHI : रांची के राहे थाना पुलिस ने एक इलेक्ट्रॉनिक चैनल के पत्रकार दिनेश हजाम को शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार दिनेश हजाम पर चार लाख के चेक बाउंस के मामले में सिल्ली थाना में 2018 में मामला दर्ज किया गया था। निचली अदालत से उसे जमानत मिली थी। केस के ट्रायल के बाद पुनः गिरफ्तारी के लिये अदालत से वारंट जारी किया गया था। वारंट जारी होने के बाद पुलिस ने पत्रकार को गिरफ्तार किया और जेल भेज दिया।

आदित्य साहू ने उत्तराखंड में सुरंग के बीच फंसे झारखंड के मजदूरों के परिजनों से की मुलाकात

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू शनिवार को ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत चुटुपालु के खिराबेड़ा गांव पहुंचे। इस गांव के नौ लोग उत्तराखंड में मजदूरी करने गए हैं, जिसमें तीन मजदूर उत्तराखंड में खनन के दौरान सुरंग में फंसे हैं।

आदित्य साहू ने मजदूर चरकू बेदिया की पत्नी रंजो देवी और उसके लड़के अनिल बेदिया से तथा राजेंद्र बेदिया के पिता श्रवण बेदिया और शुकाम बेदिया के पिता बढ़न बेदिया से मुलाकात कर उनका हाल चाल। साथ ही ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि सुरंग से फंसे मजदूरों को बाहर निकालने के लिए हरसंभव कोशिश जारी है। सभी सुरंग में सुरक्षित हैं और शीघ्र बाहर आकर घर लौटेंगे। उन्होंने कहा कि घटना के चार दिन से ज्यादा हो जाने के बाद भी राज्य सरकार का कोई प्रतिनिधि या पदाधिकारी मजदूर के परिजनों की सुध लेने नहीं आया। साहू ने प्रखंड के अंचल पदाधिकारी से बात की तथा परिजनों को हरसंभव सहायता दिलाने की बात कही।

मजदूरों के परिजनों से मुलाकात करते भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता ने धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने के घटना की निंदा की, कहा-

मंदिरों पर लगातार हो रहे हमलों की सीबीआई जांच कराए सरकार

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने शनिवार को हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में लगातार हिंदुओं के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने की घटना की कड़ी निंदा की। प्रतुल ने पिछले चार सालों में जितने भी ऐसी घटनाएं हुई है सबकी सीबीआई जांच करने की अनुशंसा करने को राज्य सरकार से मांग की है। प्रतुल ने कहा कि इस सरकार में तुष्टिकरण करने वाली शक्तियों को अपना-अपना सरकार वाली फीलिंग आ रही है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव।

प्रतुल ने कहा कि मांडर में मुड़मा में पांच मंदिरों में प्रतिमाओं को क्षतिग्रस्त करने की घटना कोई पहली घटना नहीं है। इसके पूर्व जमशेदपुर में 8 अप्रैल, 2023 को हिंदुओं के धार्मिक झंडे में प्रतिबंधित मांस को बांधकर टांगा गया था और उसके बाद एक भीड़ ने एक मंदिर पर हमला किया था। पलामू के पांकी में सरकार ने शिव बारात पर रोक लगा दी थी। 27 सितंबर, 2023 को समुदाय विशेष के एक व्यक्ति ने हिंदपीढ़ी थाना क्षेत्र में हनुमान के मंदिर में मूर्ति को खंडित किया था।

बोकारो में भी लगातार मंदिरों को निशाना बनाया गया। मारापारी थाना क्षेत्र के चंचली मंदिर और कासियाटांड़ में दो मंदिरों की मूर्तियों को खंडित किया गया। बोकारो के सेक्टर 4 थाना क्षेत्र के सूर्य मंदिर में भी असामाजिक तत्वों ने उत्पात मचाया था। पलामू के मेदिनीनगर शहर के नवाटोली में ललित श्रीराम मंदिर से 12 मुकुट चोरी हो गए और भगवान शंकर का त्रिशूल तोड़ दिया गया।

प्रतुल ने कहा कि इसके अतिरिक्त भी इस प्रदेश में कई दर्जन ऐसी घटनाएं हुई है, जिसमें मंदिरों को असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया है। इससे एक सुनियोजित साजिश की बू आती है। प्रतुल ने हेमंत सरकार से मांग कि इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच हो ताकि साजिश का पर्दाफाश हो सके।

देवठान जतरा के उपलक्ष्य में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

PHOTON NEWS RANCHI : कांके प्रखण्ड के चैड़ी गांव में देवठान जतरा के उपलक्ष्य में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। कांके प्रखंड उप प्रमुख अंजय बैठा और आजसू जिला सचिव सत्रुधन महतो ने शनिवार को बतौर मुख्य अतिथि इसकी शुभारंभ की। मौके पर अतिथियों के द्वारा खिलाड़ियों से परिचित प्राप्त कर और फुटबॉल पर किक मारकर टूर्नामेंट का आगाज किया गया। उद्घाटन मैच एमएफसी और मुंडा बरोर्दा सुकुरहुटु के बीच खेला गया। जिसमें मुंडा बरोर्दा सुकुरहुटु की टीम एक गोल से विजय रही। फाइनल मैच 26 नवंबर को देवठान जतरा के दिन खेला जाएगा इसके उपरांत संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा। टूर्नामेंट के आयोजन में अध्यक्ष राजु महतो, सचिव भोलानाथ महतो, कोषाध्यक्ष महावीर महतो, राहुल का मुख्य योगदान है।

BRIEF NEWS

छठ पूजा पर खरीददारी के लिए बाजार में उमड़ी भीड़

ROURKELA : आस्था के महापर्व छठ को लेकर राउरकेला इस्पात नगरी पूरे चहल पहल है। छठ पर्व के दौरान सूर्य देव और छठी माता की पूजा की जाती है। कल रविवार को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को पहला अर्घ्य देंगी। सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ पूजा संपन्न होगी। बाजार में छठ पूजा के लिए पूजा सामग्री, फल कंद-मूल खरीदने के लिए आज भारी भीड़ देखी गयी। इस त्योहार के दौरान फलों प्रसाद के लिए डेली मार्केट में विभिन्न फलों के स्टॉल लगाए जाते हैं। लोग खासकर महिलाएं पूजा का सामान खरीदती नजर आ रही हैं।

छठ को लेकर गोपोबोंधु तालाब और नदी तट की हुई सफाई

ROURKELA : महापर्व छठ पूजा को लेकर राउरकेला में जोरदार तैयारी चल रही है। गोपोबोंधु तलाओ, ब्राह्मणी नदी बालू घाट, रूपटोला बस्ती घाट में सफाई का काम लगभग पूरा हो चुकी है। छठ पूजा समिति द्वारा पूजा स्थल को समतल कार्य कर रही है।वहीं छठ पूजा को विधिपूर्वक करने के लिए विभिन्न संस्थाएं महिलाओं को साड़ी, नारियल और अन्य पूजा सामग्री का वितरण कर रही हैं। भाजपा की ओर से रेलवे कॉलोनी में महिलाओं को पूजन सामग्री वितरित की गई। इस कार्यक्रम में बीजेपी नेता निहार राय शामिल हुए।

शहर को हरा-भरा और सुंदर बनाने के लिए मैराथन आयोजित

ROURKELA : ग्रीन राउरकेला, ब्यूटीफुल राउरकेला की अवधारणा पर मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन सेक्टर 6 टेलीफोन भवन से शुरू होकर सेक्टर 2 दुगार्पूजा चौक तक पहुंची। राउरकेला महानगर पालिका के उपायुक्त सुधांशू शेखर भोई और हॉकी स्टार लाजरस बारला ने मशाल जलाकर मैराथन का उद्घाटन किया। राउरकेला को हरा-भरा करने का संदेश देने के लिए प्रमेय समाचार पत्र द्वारा आयोजित इस मैराथन में शहर के कई संस्थानों, व्यक्तियों और छात्रों ने भाग लिया।

जंगल से बरामद पांच किलो के तीन आइईडी को पुलिस ने किया निष्क्रिय

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले में शनिवार को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने टोंटो थाना क्षेत्र से तीन आईईडी बरामद किया, जिसे बम निरोधक दस्ते के सहयोग से मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। बताया जाता है कि पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित टोंटो थाना क्षेत्र अंतर्गत चिड़ियाबेड़ा एवं पाटातोरब जंगली व पहाड़ी रास्ते में सुरक्षाबलों ने पांच किलोग्राम के तीन आईईडी बमों को बरामद किया।

कोल्हान विश्वविद्यालय : शिक्षकों की कमी बनी DUAL DEGREE कोर्स में रोड़ा

आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों की बहाली फिलहाल संभव नहीं

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय में नयी शिक्षा नीति-2020 लागू हो चुकी है। इसके अनुसार ठीक से पठन-पाठन व्यवस्थित करने को लेकर विश्वविद्यालय और इसके अंगीभूत कॉलेजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वजह यह है कि विश्वविद्यालय समेत अंगीभूत कॉलेजों में शिक्षकों का भारी कमी है। करीब 300 पद रिक्त हैं। शिक्षकों की कमी की समस्या से विश्वविद्यालय व कॉलेज पहले ही जूझ रहे हैं, इसी क्रम में सरकार की ओर से विश्वविद्यालय को नयी शिक्षा नीति के दूसरे चरण के तहत ड्यूएल डिग्री की पढ़ाई शुरू करने का भी निर्देश दिया गया है। इस संबंध में कोल्हान विश्वविद्यालय के अधिकारियों का कहना है कि शिक्षकों की कमी दूर किये बगैर नयी शिक्षा नीति के द्वितीय चरण को लागू किया जाना संभव नहीं है।

फिलहाल कोल्हान विश्वविद्यालय अथवा इसके अंगीभूत कॉलेजों के लिए आवश्यकता आधारित सहायक शिक्षकों की बहाली संभव नहीं है। इसकी वजह विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति अथवा प्रतिकुलपति का नहीं होना है। करीब छह महीने से विश्वविद्यालय में कुलपति और प्रतिकुलपति का पद रिक्त है। बावजूद अभी तक नियुक्ति नहीं हो सकी है। यदि इनमें से किसी एक पद पर भी नियुक्ति हो जाती है, तो विश्वविद्यालय समेत अंगीभूत कॉलेजों में शिक्षकों के रिक्त पदों पर आवश्यकता आधारित सहायक शिक्षकों की नियुक्ति संभव हो सकती है। उसके बाद विश्वविद्यालय में नयी शिक्षा नीति के द्वितीय चरण के तहत ड्यूएल डिग्री कोर्स आरंभ करने का रास्ता भी साफ हो जायेगा।

क्या है व्यवस्था : हालांकि विश्वविद्यालय से लेकर अंगीभूत कॉलेजों तक में स्वीकृत पदों पर तब तक के लिए आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों की बहाली करने की व्यवस्था गयी है, जबतक जेपीएससी से बहाली नहीं हो जाती है। इसके तहत जैसे-जैसे जेपीएससी की ओर से स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति होती जायेगी, वरीयता में निचले क्रम के आधार पर आवश्यकता आधारित सहायक प्राध्यापकों को हाटाया जायेगा।

क्या है ड्यूएल डिग्री कोर्स : ड्यूएल डिग्री कोर्स के तहत विश्वविद्यालय के विद्यार्थी एक साथ दो डिग्री हासिल कर सकेंगे। इसके अनुसार वे साइंस की पढ़ाई के साथ ही कॉमर्स अथवा आर्ट्स के विषयों की भी पढ़ाई कर सकेंगे। इसके लिए पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की आवश्यकता होगी। सूत्र बताते हैं कि इसे लेकर हाल ही में राजभवन में संपन्न दो दिवसीय बैठक में कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से शिक्षकों की कमी का हवाला देते हुए फिलहाल ड्यूएल डिग्री कोर्स शुरू करने में असमर्थता जतायी गयी थी।

छठ को लेकर डीसी-एसएसपी ने विभिन्न घाटों का किया निरीक्षण

घाटों का निरीक्षण करते डीसी-एसएसपी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : महापर्व छठ पूजा की पूर्व संध्या पर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से जिला उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं एसएसपी किशोर कौशल ने शहरी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। मौके पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा, अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राजीव रंजन, डीसीएलआर रविन्द्र गागराई, उप नगर आयुक्त जेएनएसी, जुस्को के प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के क्रम में जिले के वरीय पदाधिकारियों द्वारा स्वर्णरेखा घाट मानगो पुल, दो मुहानी घाट, बेली बोधनवाला घाट बिष्टुपुर, बड़ौदा घाट बागबेड़ा, घाटों की साफ-सफाई और व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए दिए गए निर्देशों के अनुपालन का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने छठ घाटों की साफ-सफाई, महिलाओं के लिए चेंजिंग रूम की व्यवस्था, सभी छठ घाट में चिन्हित किए गए डेंजर जोन एवं बेरिकेडिंग, गोताखोर, समुचित प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने नगर निकाय, पुलिस, यातायात, विद्युत, आपदा प्रबंधन सहित सभी संबद्ध पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आपस में समन्वय सुनिश्चित करते हुए घाट पर आने वाले सभी छठव्रती को किसी भी तरह की कोई असुविधा का सामना न करना पड़े यह सुनिश्चित किया जाए।

छठ के अवसर पर सूर्य मंदिर समिति ने ग्यारह सौ व्रतधारियों को भेंट की संपूर्ण पूजन सामग्री

पूजन सामग्री वितरण करते समिति के लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सूर्य उपासना का महापर्व छठ के अवसर पर सूर्य मंदिर समिति के द्वारा विभिन्न क्षेत्र के जरुरतमंद छठ व्रतधारियों के बीच निःशुल्क पूजन सामग्री का वितरण किया गया। शनिवार को सिदगोड़ा स्थित सूर्य मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की धर्मपत्नी रुक्मणि देवी, अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह समेत कई वरीय सदस्यगण एवं पदाधिकारी मुख्यरूप से शामिल हुए एवं ग्यारह सौ व्रतधारियों व उनके परिजनों के बीच फल सामग्री व पूजन सामग्री का वितरण किया। सूर्य मंदिर समिति द्वारा व्रतधारियों के बीच पूजन सामग्री का कूपन पूर्व में ही आवंटित किया गया था। कूपन के अतिरिक्त मंदिर में आये दर्जनों जरूरतमंद व्रतधारियों को सम्पूर्ण पूजन सामग्री प्रदान की गई।

पूजन सामग्री का वितरण करते समिति के पदाधिकारी : लोक आस्था एवं सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा पर होने वाले छठ महोत्सव के आयोजन को लेकर सूर्य मंदिर समिति ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। शनिवार को मंदिर परिसर में आयोजन की तैयारी को लेकर सूर्य मंदिर समिति की बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान आयोजन की सफलता एवं भव्यता को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की गई।

जमशेदपुर : बर्मामाइंस फायरिंग मामले में बाप-बेटे और भतीजे को पुलिस ने भेजा जेल

आरोपियों को जेल ले जाती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के बमार्माइंस थाना अंतर्गत ईस्ट प्लांट बस्ती में फायरिंग के मामले में पुलिस ने जेएमएम नेता सत्यनारायण गौड़ उर्फ सत्तू गौड़, उसके बेटे मोहित गौड़ और भतिजे हरिकिशन गौड़ को पुलिस ने शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त लाइसेंसी 12 बोर की दो नाली बंदूक, 5 जिंदा कारतूस, 7 खोखा, दो तरवार और दो कार भी जब्त की है। मामले में आरोपी ऋषिराज सिंह फरार चल रहा है। इस मामले में पुलिस ने दो अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज की है जिसमें एक प्राथमिकी प्रदीप मल्लिक के बयान पर सत्यनारायण गौड़, मोहित गौड़, हरिकिशन गौड़ और ऋषिराज सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है जबकि दुसरी प्राथमिकी सुरेश साहू के बयान पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए दर्ज कराया है।

इधर, घटना के बाद से पुलिस ने लाईसेंसी हथियार के लाइसेंस को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है वहीं घायल प्रवेश की भी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। टीएमएच के आईसीयू वार्ड में उसका इलाज चल रहा है। बता दे कि शुक्रवार दोपहर ईस्ट प्लांट बस्ती में रैश ड्राइविंग को लेकर सत्यनारयण गौड़ के बेटे मोहित को स्थानीय लोगों ने रोक लिया था। यहां से विवाद शुरू हुआ जिसके बाद सत्यनारायण गौड़ ने दो नाली बंदूक निकाली और फायरिंग शुरू कर दी। गोली प्रवेश के सिर पर जा लगी। घटना के बाद लोगों ने उसे टीएमएम में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है।

सामाजिक संस्था ने बांटी पूजा सामग्री

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोशिश एक मुस्कान लाने की सामाजिक संस्था के संरक्षक शिव शंकर सिंह के नेतृत्व में छठ व्रतियों के बीच सूप, फल और पूजा सामग्री का वितरण किया गया। सामग्री का वितरण बागुन नगर स्थिति श्रीश्री ओमेश्वर नाथ मंदिर प्रांगण में किया गया।

इस पुण्य कार्य में समिति के देवानंद झा, संजय सिंह, रितेश मिश्रा, गोविंद झा, मुकेश चौधरी, शशिकांत, संजय गुप्ता, जितेन पांडे, कन्हैया प्रसाद श्रीवास्तव, अनिल पांडे, रामनाथ सिंह, रामदुलार मौर्या, राजीव झा, अंकित झा एवं मंदिर कमेटी के गणमान्य लोग शामिल थे।

युवा समाजसेवी ने स्कूल को दिया कंप्यूटर

PHOTON NEWS BAHRAGORA : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के चौरंगी में अवस्थित भवानी देवी उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों को जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो के पुत्र समाजसेवी कुणाल महतो ने एक कंप्यूटर उपलब्ध कराया है। समाजसेवी कुणाल महतो ने बताया कि विद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या के अनुपात में बहुत जल्द और एक कंप्यूटर उपलब्ध कराया जाएगा।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा में पीछे ना रह जाएं इसलिए वे आगे भी इस प्रकार के कार्य करते रहेंगे। वहीं कंप्यूटर पाकर विद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने सांसद पुत्र के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर सांसद प्रतिनिधि गौरव पुष्टि, मिंटू पाल, तपन पैड़ा सहित विद्यालय के शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित थे।

ग्रामीण एसपी ने किया छठ घाट का निरीक्षण

PHOTON NEWS BAHRAGORA : बहरागोड़ा प्रखंड क्षेत्र में छठ महापर्व को लेकर वर्णिपाल अवस्थित स्वर्णरेखा नदी तट पर छठ घाट का साफ-सफाई , पेयजल, नदी का जलस्तर तथा आने जाने की मार्ग का ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग सह पुलिस निरीक्षक तरुण कुमार व थाना प्रभारी संतन तिवारी ने किया निरीक्षण।

वहीं इस महापर्व को लेकर उन्होंने कई सारे दिशा निर्देश दिए। इस मौके पर गुड्डू पांडे, पिंटू महतो, प्रदीप ठाकुर, रहित सिंह, सुजन मन्ना, छोटन पांडे, राहुल सिंह, प्रदीप पांडे, रामस्वरूप सिंह, आकाश ठाकुर, सुजीत ठाकुर

ऋण प्रक्रिया सुव्यवस्थित करने के लिए कार्यशाला आयोजित

मिशन शक्ति से जुड़ी महिलाओं को मिल रहा 5 लाख रुपए तक का ब्याजमुक्त ऋण

कार्यशाला में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS ROURKELA : ओड़िशा सरकार मिशन शक्ति से जुड़ी महिलाओं को 5 लाख रुपये का ब्याज मुक्त ऋण दे रही है, जिसका लक्ष्य उन्हें स्वयं सहायता समूहों से लघु और मध्यम उद्यमों में स्थानांतरित करना है। यह पहल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को आगे बढ़ाने के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। इस प्रयास के तहत, राउरकेला शहरी क्षेत्र में एसएचजी के लिए बैंक ऋण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए एक जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।

राउरकेला एडीएम-सह-आरएमसी आयुक्त डॉ. शुभंकर महापात्र ने कार्यशाला में भाग लेने वाले बैंक प्रबंधक, सीडीपीओ, ब्लॉक-स्तरीय यूनियन सदस्यों, ब्लॉक परियोजना समन्वयकों और एसएचजी महिलाओं को जमीनी स्तर पर एसएचजी महिलाओं से उचित दस्तावेज एकत्र करने, जमा करने में सतर्क रहने की सलाह दी। ये दस्तावेज तुरंत बैंक को भेजे जाएं, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि महिलाएं नवंबर और दिसंबर के लिए निर्धारित विशेष अभियान के माध्यम से समय पर ऋण प्राप्त कर सकें।

एसआर रूंगटा ग्रुप को पराजित कर प्रताप क्रिकेट क्लब चाईबासा सेमीफाईनल में

प्रताप क्रिकेट क्लब चाईबासा की टीम। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रहे एसआर रूंगटा बी डिविजन लीग के अंतर्गत शनिवार को खेले गए पहले क्वार्टर फाईनल मैच में प्रताप क्रिकेट क्लब चाईबासा ने एसआर रूंगटा ग्रुप को 20 रनों से पराजित कर सेमीफाईनल में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया।

स्थानीय बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रताप क्रिकेट क्लब की टीम ने निर्धारित तीस ओवर में सात विकेट खोकर 188 रनों का स्कोर खड़ा किया। इस टीम की ओर से धर्मेंद्र यादव ने 43, नीतेश कुमार ने 29, ललित सिंह ने 28 तथा चंदन कुमार ने 23 रन बनाए। एस आर रूंगटा ग्रुप की ओर से अभिषेक कुमार ने 36 रन देकर दो विकेट हासिल किए। अमित कुमार सिंह, सलालुद्दीन युसुफ, अभिषेक कच्छप एवं रियांश ने एक-एक विकेट अपने नाम किए।

जीत के लिए निर्धारित तीस ओवर में 189 रनों का पीछा करने उतरी एसआर रूंगटा ग्रुप की टीम 28.3 ओवर में 168 रन बनाकर आल आउट हो गई। एसआर रूंगटा ग्रुप की ओर से सबसे अच्छी बल्लेबाजी विजय रोहित ने की जिसने नौ चौकों एवं चार छक्कों की मदद से 77 रन बनाए। विवेक पासवान ने भी 45 रनों की अच्छी पारी खेली पर अन्य बल्लेबाजों का साथ न मिल पाने के कारण टीम लक्ष्य से 20 रन दूर रह गयी। प्रताप क्रिकेट क्लब की ओर से सुधांशु पाल ने 34 रन देकर 2 विकेट, तन्मय ने 15 रन देकर 2, कैफ अब्बास ने 24 रन देकर 2 तथा अमन पासवान ने 36 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। प्रतीक अग्रवाल को एक सफलता हाथ लगी।

मतकमहातु पंचायत भवन प्रांगण में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विशेष शिविर का आयोजन

हमारे लिए काफी सुविधाएं उपलब्ध करा रही सरकार : उपायुक्त

मतकमहातु मुखिया जुलियाना देवगम को प्रशस्ति-पत्र देते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : सदर प्रखंड अंतर्गत मतकमहातु पंचायत भवन प्रांगण में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सरकार की ओर से जनहित में चलाई जा रही योजना एवं सुविधाओं के प्रति जागरूक करने संबंधी बातें बताई गई। शिविर के मुख्य अतिथि उपायुक्त अनन्य मित्तल ने कहा कि सरकार हमारे लिए काफी सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। लेकिन जानकारी के अभाव में बहुत-सी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। सरकार स्वच्छता, वित्तीय सेवाएं, एलपीजी कनेक्शन, आवास, खाद्य सुरक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, पेयजल, शिक्षा आदि सुविधाएं उपलब्ध करा रही हैं। उपायुक्त ने कहा कि पश्चिमी सिंहभूम जिले ने डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकरण को लेकर पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं। चूंकि यहां लोग अब अपनी भूमि संबंधी अभिलेख ऑनलाइन जानकारी प्राप्त करने में सक्षम हो गए हैं। यह कार्य यहां के लोग और संबंधित पदाधिकारी व कर्मचारियों एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से संभव हो पाया है। मौके पर इस कार्य में विशेष उपलब्धि हासिल होने पर पंचायत के लोगों को अभिनंदन प्रदान करते हुए उपायुक्त ने मतकमहातु मुखिया जुलियाना देवगम को प्रशस्ति-पत्र सौंपा। मौके पर उपायुक्त ने हमारा संकल्प विकसित भारत का संदेश के साथ सभी को शपथ दिलाया।

कार्यक्रम में पंचायत की आवास और पेंशन की सुविधा प्राप्त करने वाली सपनी तुबिद और सुखमती मुंडा ने मंच से अतिथियों के समक्ष खुशी व्यक्त किया। शिविर में दो किसानों को सरसों के बीज उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम में एसडीओ शशीद्र बड़ाईक,अपर उपायुक्त संतोष सिन्हा, पंचायत मुखिया जुलियाना देवगम ने भी योजनाओं के प्रति जागरूक रहने संबंधी बातें बताई। मौके पर पंसस दीनबंधु देवगम, मंजू देवगम, उपमुखिया गंगा मुंडा, वार्ड सदस्य सविता देवगम, जेएसएलपीएस की महिला समूह, आंगनबाड़ी सेविकाएं, एएनएम, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी प्रमिला कुमारी, सदर प्रखंड कार्यालय के मोयका बिरुवा, कारु मांझी, रघु राम रवि, विकास कुमार, शिबू गुप्ता, सावित्री कुंकल, रंजन साव, यार्मियाह पुरती, गोविंद पुरती, राजरानी मेलगंडी, शुभम कुमार समेत सभी कर्मचारी व काफी संख्या में पंचायत के महिला-पुरूष उपस्थित थे।

इससे पूर्व सभी अतिथियों का सामु देवगम और सोमय देवगम की अगुवाई में कमारहातु के पारंपरिक वाद्य दल व जेएसएलपीएस नृत्य मंडली द्वारा पारंपरिक तरीके से अभिनंदन किया गया। मंच का संचालन सदर बीडीओ अमिताभ भगत ने किया।

जोड़ापोखर में विधायक दीपक बिरुवा ने लगाया जनता दरबार

सुनी लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को समस्याओं के समाधान का दिया निर्देश

जनता दरबार में लोगों की समस्या सुनते विधायक दीपक बिरुवा। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS CHAIBASA : झींकपानी प्रखंड के जोड़ापोखर में विधायक दीपक बिरुवा का अपना कार्यालय खुलने के बाद जनता दरबार लगना शुरू हो गया। चूंकि यहां कार्यालय खुलने के बाद निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक शनिवार को विधायक दीपक बिरुवा मौजूद रहेंगे और जनता की समस्या को सुनेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार को विधायक दीपक बिरुवा झींकपानी प्रखंड स्थित अपने कार्यालय पहुंचे हुए थे। यहां लोगों की समस्याएं सुनी और कई समस्याओं का समाधान ऑन द स्पॉट कराया। इस दौरान ग्रामीणों ने विधायक के समक्ष स्वास्थ्य, पेयजल व बिजली से संबंधित समस्याएं रखते हुए उनका समाधान करने की मांग की। विधायक ने फोन कर संबंधित विभाग के अधिकारियों को समस्याओं का समय पर समाधान करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि वे लोगों की सामूहिक समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करें। इसके अलावा विधायक जी ने झामुमो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। बैठक में कार्यकर्ताओं को कई दिशा निर्देश दिए। मौके पर मुखिया चरण मुंडा समेत झामुमो के गुरु चरण मुंडा, शिवा चौधरी, राजेंद्र कालिंदी, चमरा मुंडा, कोंद्रो लुगुन, मोरा मुंडा, हरीलाल करजी, झींगीलाल मछुआ, रमाय मुंडा, सोना बलमुचू, हरीश गोप, कुशनू गोप, विपिन खंडाईत, अखिलेश कुम्हार समेत अन्य मौजूद थे।

अब धार्मिक जुलूस के दौरान इन हथियारों के प्रदर्शन पर पाबंदी, बिहार सरकार का यह आदेश पढ़ें

पटना। पर्व त्योहार के दौरान किसी तरह की हिंसा को रोकने के लिए बिहार सरकार ने कई कड़े नियम बनाए हैं। बिहार सरकार के विशेष सचिव के. सुहिता अनुपम की ओर से सभी जिलाधिारी और पुलिस अधीक्षक के लिए एक पत्र जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि अब धार्मिक शोभा यात्रा और जुलूस के दौरान लाठी, भाल, तलवार, बंदूक या अन्य हथियार के प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई है। इतना ही नहीं सरकार का मानना है कि शोभा यात्रा और धार्मिक जुलूस के दौरान काफी तेज आवाज में लाउडस्पीकर, डीजे बजाने और धार्मिक नारे लगाने से साम्प्रदायिक तनाव फैसला है। इससे विधि व्यवस्था बिगड़ती है। बिहार सरकार के विशेष सचिव के. सुहिता अनुपम की ओर से सभी जिलाधिारी और पुलिस अधीक्षक के लिए एक पत्र जारी की गई है। बिहार सरकार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि धार्मिक जुलूसों की स्वीकृति एवं उनके लिए दिए जाने वाली अनुज्ञप्ति में यह शर्त निश्चित रूप से शामिल किया जाए कि धार्मिक जुलूसों में माइक्रोफोन या पब्लिक एड्रेस सिस्टम या अन्य ध्वनि विस्तारक के शोर का स्तर उस क्षेत्र के लिए निर्धारित मानक स्तर से अधिक न हो और जुलूस नेतृत्व द्वारा मात्र जुलूस के नियंत्रण

हेतु ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग किया जायेगा। इस हेतु प्रत्येक ध्वनि विस्तारक के उपयोग के लिए अलग से अनुज्ञप्ति निर्गत किया जायेगा। प्रत्येक अनुज्ञप्ति में डेसीबल स्पष्ट रूप से अंकित हो। सभी ध्वनि विस्तारक यंत्र का डेसीबल से मिलान किया जायेगा। इसके लिए मोबाइल ऐप का सहारा लिया जाएगा। पत्र में कहा गया है कि जुलूस या शोभायात्राओं के दौरान कई लोगों द्वारा समूह में लाठी, भाला, तलवार, आग्नेयास्त्र एवं अन्य हथियारों का उत्तेजक प्रदर्शन किया जाता है। कुछ खास परिस्थिति यथा सिख समुदाय द्वारा धारित कृपाण को छोड़कर किसी भी जुलूस या शोभायात्रा में हथियार ले जाना अथवा प्रदर्शन किया जाना आर्म्स एक्ट के तहत प्रतिबंधित है। यदि किसी कारण से तलवार इत्यादि ले जाना आवश्यक हो तो उसके लिए अलग से प्रत्येक वैसे व्यक्ति जो तलवार इत्यादि धारित करेंगे, को अनुमति लेना आवश्यक होगा। बिहार सरकार की ओर से स्पष्ट कहा गया है कि जुलूस या शोभायात्राओं में भाग ले रहे कम से कम 10 से 25 लोगों से अंडरटेकिंग लिया जाय कि विधि व्यवस्था जुलूस में संधारित करेंगे। और, 10 से 25 लोगों का नाम, पता तथा आधार कार्ड का नंबर भी प्राप्त कर लिया जाय। इसके अलावा जो मजिस्ट्रेट अथवा पुलिस पदाधिकारी इस गुलूस में प्रतिनियुक्त रहेंगे, उपरोक्त कडिकाओं में उल्लेखित शर्तों की जांच कर सुनिश्चित होने एवं कंडिका-5 के अन्तर्गत अंडरटेकिंग होने के पश्चात ही प्रारम्भिक स्थल से जुलूस के प्रस्थान की अनुमति देंगे। संबंधित थाना के थाना प्रभारी को इसकी सूचना प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकारी द्वारा तुरंत दी जाएगी। बिहार सरकार की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि जुलूस या शोभायात्रा के लिए दी जाने वाली अनुज्ञप्ति में अनुज्ञप्तिधारक के पूर्व इतिहास के शर्त को भी शामिल किया जाए। साथ ही जुलूस में उत्तेजक, भड़काउ गाने, नारेबाजी और प्रतिबंधित हथियार पूरी तरह से बैन रहेंगे।

संक्षिप्त डायरी

चिराग पासवान ने कहा- मुख्यमंत्री से ज्यादा मुझे इन पर है गुस्सा, जानिए किस पर कही यह बात

पटना। चिराग पासवान शुक्रवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि बिहार में लगातार आपराधिक घटनाएं घट रही है लेकिन हमारे सीएम को कुछ फर्क ही नहीं पड़ रहा है कि कौन जी रहा है और कौन मर रहा है। बिहार सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता है। जिस तरह से सब इंस्पेक्टर प्रभात रंजन की हत्या हुई है, उसका मुख्य कारण बालू माफिया हैं। बिहार के हर एक जिले में अवैध बालू का खनन हो रहा है। हमलोग ने भी चिंता जताई थी कि बालू टेंडर की प्रक्रिया में भ्रष्टाचार हो रहा है, उसपर ध्यान देने की जरूरत है, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। मुख्यमंत्री आज हैं कल नहीं रहेंगे सीएम पद पर। मेरे सीएम को होश है? बिहार कृषि प्रधान प्रदेश है लेकिन आने वाले दिनों में बिहार सुखाड़ प्रदेश बन जायेगा। बालू खनन खुले आम हो रहा है, प्रशासन के संरक्षण में हो रहा है, लेकिन सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता है। सभी सरकारी और प्राइवेट अस्पतालों का भी यही हाल है। कल डॉक्टरों के अभाव में जान गई है। बालू माफिया के लोगों ने अस्पताल के साथ मिलकर मिलीभगत की थी इसीलिए युवक की जान चली गई लेकिन हमारे सीएम को कोई फर्क ही नहीं पड़ता है।

छठ पूजा पर कचरे से बदसूरत हुआ भागलपुर शहर, बना डाला डंपिंग स्थल

भागलपुर। छठ पूजा से पहले भागलपुर की अधिकतर सड़कों पर कूड़े का अंबार देखा जा रहा है। सफाई एजेंसी मनमानी पर उतर आई है। वह गली-मोहल्ले के कचरे को ट्रांसफर स्टेशन पहुंचाने के बजाए सड़क किनारे ही डंप कर रही है। इससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महापर्व छठ के दौरान भी तरीके से साफ-सफाई नहीं किए जाने से लोगों का आक्रोश भड़क रहा है।दरअसल, नाथनगर क्षेत्र का कचरा भूतनाथ ट्रांसफर स्टेशन पहुंचाना है। लेकिन निगम के जोनल प्रभारी ने स्कूल के आसपास के क्षेत्र में भी कचरा गिराना शुरू करा दिया। नाथनगर-भागलपुर मुख्य पथ पर रेशम संस्थान के पास भी आटो टिपर और ठेले से कचरा सड़क पर गिराया जा रहा है। शहरी क्षेत्र की अधिकांश सड़कों पर गुरुवार की देर शाम तक कचरे का अंबार लगा हुआ था। दिवाली में नगर निगम के कर्मचारियों ने एजेंसी के सफाई कार्य की सीधी निगरानी की। लेकिन, त्योहार समाप्त होने के बाद सफाई एजेंसी की व्यवस्था चरमरा गई है। सराय से आदमपुर व खंजरपुर मार्ग तक कचरे का ढेर लगा रहा। खलीफाबाग चौक से बूढ़ानाथ चौक तक चार स्थानों पर आधे सड़क पर कचरा पसरा रहा। खरमनचक मार्ग, मोक्षदा स्कूल मार्ग, जिला स्कूल मार्ग, भीखनपुर, मिरजानहाट मार्ग व अलीगंज में कचरे का उठाव नहीं किया गया। इससे गंगा स्नान व छठ के लिए पूजन सामग्री की खरीदारी करने वालों को आवागमन के क्रम में गंदगी का सामना करना पड़ा। कचरे की बदबू के कारण राहगीरों को नाम पर रुमाल रखकर गुजरना पड़ा। दुर्गा पूजा से लेकर दिवाली तक सफाई एजेंसी सीबीएस ने गैंग मजदूरों से दो शिफ्ट में कार्य कराकर मानदेय का भुगतान नहीं किया। एक शिफ्ट के राशि में कटौती कर दी गई। गुरुवार को सफाई मजदूरों ने अपना हिसाब मांगा तो कंपनी के लोग कन्नी काटने लगे। इस अवसर पर महिला सफाई मजदूर ने कहा कि मेहनत किए है उसका मानदेय नहीं देंगे तो छठ संबंधी सामग्री कैसे खरीदेंगे। दिन रात कार्य किए है। 33 सौ रुपये दिया है जबकि 55 सौ रुपये होता है। बिरजू कुमार ने बताया कि पांच दिन का मानदेय नहीं दिया है। इसे लेकर तातारपुर स्थित निगम गोदाम में कंपनी के आपरेशन इंचार्ज का घेराव किया। इसके बाद इंचार्ज राजेश कुमार मिश्रा ने बताया कि कंपनी के वरीय पदाधिकारी को समस्या से अवगत कराया गया है। जिन्होंने दो शिफ्ट कार्य किया है उसकी उपस्थित बनाकर रिपोर्ट भेज दी गई है।

जनशताब्दी एक्सप्रेस के ठहराव पर ठनी, बिहिया के लिए हां, तो डुमरांव को ना क्यों?

बक्सर। ट्रेनों के ठहराव और स्टेशनों के विकास के मामले में बक्सर जिले की उपेक्षा का मामला अब गर्म होने लगा है। बनारस-पटना जनशताब्दी एक्सप्रेस का ठहराव गाजीपुर जिले के अंतर्गत करहिया हाल्ट पर देने के बाद भोजपुर जिले के बिहिया में भी स्वीकृति मिल गई है। दूसरी तरफ डुमरांव रेलवे स्टेशन पर इस ट्रेन के ठहराव के मसले पर रेलवे के जिम्मेदार अधिकारी अब तक कुंडली मारे बैठे हैं। हाल के दिनों को जो दो नए ठहराव इस ट्रेन के लिए चिह्नित किए गए, वे राजस्व के मामले में डुमरांव के सामने कहीं नहीं टिकते। बिहिया स्टेशन से केवल एक जिले के यात्री लाभान्वित होते हैं, जबकि डुमरांव से ट्रेन पकड़ने के लिए रोहतास जिले के बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के लोग भी आते हैं। बक्सर जिले के कम से कम सात प्रखंडों के लोग इस रेलवे स्टेशन से लाभ लेते हैं। बिहिया स्टेशन की अपेक्षा डुमरांव से रेलवे को होनी वाली आमदनी करीब 30 प्रतिशत अधिक है। बीते वित्तीय वर्ष में रेलवे को बिहिया से केवल 6,60,93,739 रुपए जबकि डुमरांव से 8,65,77,708 रुपए की आमदनी हुई थी। चाहे अनारक्षित हो या आरक्षित, दोनों तरह के टिकट से डुमरांव रेलवे स्टेशन की आमदनी अधिक है।

इस बार छठ व्रतियों को मौसम का मिलेगा साथ

पटना। लोक आस्था का महापर्व शुक्रवार को नहाय-खाय से आरंभ हो गया। इसके साथ ही प्रदेश में मौसम का मिजाज भी बदल गया। दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री वृद्धि की संभावना है। ऐसे में छठ व्रतियों व श्रद्धालुओं को मौसम का साथ मिलेगा। हालांकि, पटना सहित शेष भागों में सुबह-शाम धुंध की स्थिति बनी रहेगी। ऐसे में छठ व्रतियों को सूर्य देव के दर्शन के लिए थोड़ी प्रतीक्षा करनी होगी। धूप निकलने के साथ ही मौसम सामान्य बना रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को राजधानी के अधिकतम व न्यूनतम तापमान में सामान्य से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि दर्ज की गई। पटना का न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस व अधिकतम तापमान 32.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम में बदलाव का क्रम जारी है। दिन में धूप तो शाम ढलते ही ठंड का एहसास हो रहा है। पूवार्नुमान के मुताबिक, उत्तर बिहार में अगले कुछ दिनों तक आसमान साफ रहेगा। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है। डा. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा ने 22 नवंबर तक के लिए पूवार्नुमान जारी किया है।

वरीय मौसम विज्ञानी डा ए. सत्तार ने कहा कि इस अवधि में अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 17 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। शुक्रवार का अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह सामान्य से 2.1 डिग्री सेल्सियस अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 18.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस अधिक है। पूवार्नुमानित अवधि में अगले एक-दो दिन पुरवा तथा उसके बाद पछुआ चलने का अनुमान है।

बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस मर्डर केस का जल्द होगा खुलासा

नवगछिया। बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस (15633) के शौचालय में पश्चिम बंगाल निवासी यात्री दिनेश्वर वर्मन की हत्या मामले में शुक्रवार को बिहार के कटिहार रेल एसपी डा. संजय कुमार भारती व डिप्टी कमांडेंट जीएस सेनोनी नवगछिया पहुंचकर जांच की। रेल पुलिस प्रशासन ने राजेंद्र नगर स्टेशन से नवगछिया स्टेशन के बीच कोच संख्या एस आठ, एस नौ, एस 10 व एस 11 के यात्रियों की सूची मांगी है। हत्याकांड के खुलासा के लिए पुलिस टीम गठित की जाएगी। एक पुलिस टीम को जयपुर भेजा जाएगा, जहां वर्मन काम करता था। नवगछिया जीआरपी थाना के पुलिस जवान मीर कासिम के बयान पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही उसके स्वजन से भी लिखित आवेदन लिया गया है। बता दें कि गुरुवार को बरौनी-कटिहार रेलखंड पर बीकानेर एक्सप्रेस (15633) के शौचालय में कांच घोंप कर अधेड़ की हत्या कर दी गई। ट्रेन बीकानेर से गुवाहाटी जा रही थी। नवगछिया रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने अधेड़ का शव उतारा। इस दौरान करीब आधे घंटे तक ट्रेन स्टेशन पर खड़ी रही। दिनेश्वर पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के छोटा नाल धधार गांव का रहने वाला था। वह जयपुर में काम करता था। जांच के दौरान दोनों पदाधिकारियों ने मृतक दिनेश्वर वर्मन के भतीजा सारुह ससोधर वर्मन, साला मिथुन वर्मन, गौरांग, पड़ोसी कुंदेश मियां व भागो लाल से जानकारी ली। स्वजन ने बताया कि दिनेश्वर का किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। उसे गांव के भाई ने जयपुर में ही वेटिंग टिकट देकर ट्रेन पर चढ़ाया था और 1500 रुपये भी दिए थे। रेल एसपी डा. संजय कुमार भारती ने बताया कि इलेक्ट्रानिक एविडेंस के साथ जयपुर से गुवाहाटी के बीच के सभी तरह के रिकार्ड की जांच की जाएगी। दिनेश्वर वर्मन पर बाथरूम में धारदार हथियार व नुकीली कांच से वार कर हत्या किए जाने के प्रमाण मिले हैं। मृतक के शरीर पर कई जगह जख्म के निशान थे। इससे यह भी प्रतीत हुआ कि यह हत्या है, लेकिन कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। वहीं सहायक कमांडेंट जीएस सेनोनी ने कहा कि रेल पुलिस जांच कर रही है। जल्द ही मामले का उद्भेदन किया जाएगा। मालूम हो कि बरौनी-कटिहार रेलखंड पर गुरुवार को खगड़िया-नवगछिया स्टेशन के बीच यात्री दिनेश्वर वर्मन की बीकानेर-गुवाहाटी एक्सप्रेस के शौचालय में कांच के टुकड़े से प्रहार कर हत्या कर दी गई थी।

मां-बेटी की धारदार हथियार से काटकर हत्या

बक्सर । औद्योगिक थाना क्षेत्र अंतर्गत बालापुर गांव में बीती रात घर में सोई मां -बेटी की हत्या कर दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसपी मनीष कुमार और एसडीपीओ धीरज कुमार समेत पुलिस का पूरा अमला पहुंचकर जांच में जुट गया है। हत्यारों की पहचान के लिए पुलिस ने डॉग स्क्वाड के साथ ही एफएसएल की टीम को बुलाया है। मिली जानकारी के अनुसार औद्योगिक थाना क्षेत्र के बालापुर गांव निवासी बबलू यादव उर्फ लड्डू यादव की पत्नी अनीता देवी (35वर्ष) अपनी चार वर्षीय पुत्री सोनी कुमारी के साथ रात में अपने कमरे में सोई थीं। हत्या के बाद अपराधी मौके से भाग निकला। पुलिस की पूछताछ में देर रात घरवालों ने किसी व्यक्ति को जाते देखा था, पर उन्हें अपने ही घर में घटना होने का आभास नहीं हुआ। सब लोग घर के ही किसी के सदस्य होने का अनुमान लगा रहे थे। सुबह जगने के बाद मां- बेटी को कमरे से निकलने में देर होने पर जब उनके कमरे में गए, तब हत्या की जानकारी मिली। मौके पर पुलिस को एक अपराधी की चप्पल बरामद हुई है। पुलिस ने चप्पल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतका के ससुर लाल यादव ने बताया कि उनका या उनके परिवार की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है, ऐसे में दोहरे हत्याकांड का उद्भेदन पुलिस के लिए एक चुनौती बन गई है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की तैयारी में जुट गई है। घटना की पुष्टि करते एसडीपीओ धीरज कुमार ने बताया कि अपराधी की पहचान के लिए डॉग स्क्वाड और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है।

छठ का खरना पूजा, यह गलतियां न करें

पटना। नहाय खाय के साथ छठ महापर्व की शुरूआत हो चुकी है। चार दिन तक चलने वाले महापर्व को काफी नियम से करना पड़ता है। यह प्रकृति को चलाने वाले सूर्यदेव की उपासना का पर्व है। यह देवी कात्यायनी से आशीर्वाद मांगने का पर्व है। आज खरना है। इसमें महिलाएं उपवास रखती हैं। शाम को मिट्टी के नए चूल्हे पर गुड़ की खीर का महाप्रसाद बनाती हैं। इस प्रसाद को ग्रहण करने के बाद से ही निर्जला व्रत की शुरूआत हो जाती है। इसका पारण (व्रत खोलना) अगले दिन सूर्य देने के बाद ही किया जाता है। छठ पर्व में शुद्धता का विशेष महत्व माना जाता है। अधिकतर छठवर्ती खरना का प्रसाद मिट्टी के बने नये चूल्हे पर ही बनातीं हैं। खरना पूजा के समय और प्रसाद ग्रहण करते समय बाहर से तेज आवाज नहीं आना चाहिए। इस दौरान घर से सदस्यों को तेज आवाज में बोलने या बम-फटाका फोड़ने या कोई अन्य तेज आवाज काम करने से मना किया जाता है। क्यों कि मान्यता है कि खरना पूजा के समय या खरना प्रसाद ग्रहण करते समय तेज आवाज सुनने या शोर-शराबा व्रत में बाधा उत्पन्न करती है। मान्यता यह भी है प्रसाद ग्रहण करते समय व्रती के कान में तेज आवाज आने से वह तत्काल भोजन छोड़ देती हैं। इसलिए तेज आवाज न हो, इसका खास ध्यान रखा जाता है। इधर, आज बाजार में मिट्टी का चूल्हा भी बिक रहा है। आज मिट्टी के चूल्हे की कीमत 100 से 200 के बीच है। वहीं, जलावन के लिए आम की लकड़ी का भी बाजार सजकर तैयार है। आम की लकड़ी 20 से 50 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है।छठ व्रती रूबी झा ने कहा कि खरना के पूजा के बाद हमलोग 36 घंटे का उपवास रखकर रविवार को अस्ताचल गामी भगवान भास्कर को अर्घ देने के बाद सोमवार की सुबह उदयाचल गामी भगवान भास्कर को अर्घ देने के बाद इस छठ व्रत के अनुष्ठान का समापन हो जाएगा। ज्योतिष-कर्मकांड विशेषज्ञ पंडित अरुण कुमार मिश्रा के अनुसार, किसी एक बात का ज्यादा या किसी का कम महत्व नहीं है। लेकिन, सबसे ज्यादा ध्यान शुद्धता और सात्विकता का रखना पड़ता है। कार्तिक मास शुरू होते ही लहसुन-प्याज खाना अमूमन बंद हो जाता है। धनतेरस या दीपावली से ज्यादातर लोग सेंधा नमक खाना शुरू करते हैं। यह एक तरह से शुद्धता का माहौल बनाने का प्रयास होता है। छठ के लिए अनिवार्य शुद्धता का मानक पूरा करने के लिए पूर्ण सात्विक होना पड़ता। नहाय खाय से छठ व्रत की शुरूआत होती है। मन-कर्म और वचन से शुद्ध होना पड़ता है। नहाय खाय का मतलब तामसी प्रवृत्तियों की सफाई है। शारीरिक रिश्तों में दूरी रखनी होती है। कम और सुपाच्य भोजन ग्रहण करना होता है ताकि शरीर का भीतरी हिस्सा भी साफ हो जाए। नहाय खाय में अरवा चावल का भात और चने की दाल के साथ कद्दू डालकर बने दलकद्दू को हर कोई खाता है। यह पूजा के लिए अलग रखे बर्तन में बनता है और यथासंभव मिट्टी के चूल्हे पर लकड़ी की आग पर। यह भोजन शुद्ध घी में ही बनता है। नहाय खाय के साथ ही व्रती की परीक्षा शुरू होती है। नहाय खाय में शुद्ध-सात्विक भोजना मिला, लेकिन उसमें सेंधा नमक रहेगा। खरना के दिन, मतलब सूर्यादय से शाम में पूजा होने तक जल भी ग्रहण नहीं करना है। खरना पूजा 18 नवंबर को है। सूर्यास्त के बाद शाम में भोजन ग्रहण करने से पहले एकाग्रता से छठी मैया का पूजन किया जाता है। छठी मैया का विधिवत पूजन यानी दीप प्रज्वलन, पुष्प अर्पण, सिंदूर अर्पण इत्यादि क्रम से पूजन किया जाता है। इसके बाद मीठा भोजन ग्रहण करना है। मुख्यतः खीर, घी लगी रोटी अथवा घी में तली पूड़ी एवं फल ग्रहण किया जाता है। इस दिन व्रती यही सब भोजन करते हैं। पूजा के समय उसी कमरे में खाने के साथ जो पानी पी सके, उसके बाद सुबह के अंतिम अर्घ्य के बाद ही अन्न-जल ग्रहण का विकल्प होता है। मतलब, 18 नवंबर को एक बार शाम में मीठा खाना और पानी। फिर, सीधे 20 नवंबर को अर्घ्य देने तक निर्जला।

पूरे जिले में 21 से 24 नवंबर तक मजदूर-किसान संघर्ष यात्रा निकालेगा माले, बैठक में लिया गया निर्णय

नवादा/काशीचक। भाकपा माले कार्यकताओं की बैठक शुक्रवार को अकबरपुर प्रखंड के बरेव गांव में हुई। अध्यक्षता जिला सचिव भोला राम ने की।इस दौरान मोदी सरकार द्वारा लाए गए तीन कानूनों के खिलाफ 13 माह चले किसान आंदोलन व मजदूरों को गुलाम बनाने वाली मजदूर विरोधी चार श्रम कोड के खिलाफ, संविधान बचाओ-लोकतंत्र बचाओ राज्यव्यापी किसान-मजदूर संघर्ष यात्रा 21 से 24 नवंबर तक पूरे जिला में भ्रमण कर अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। साथ ही कहा गया कि राजभवन पटना के समक्ष 26-28 नवंबर तक आयोजित होने वाले महापड़ाव में नवादा से सैकड़ों किसान-मजदूर भाग लेंगे। इस अवसर पर भाकपा माले राज्य स्थायी समिति सदस्य सह नवादा के पार्टी प्रभारी निरंजन कुमार ने कहा कि केंद्र सरकार देश में घृणा-नफरत फैलाने में लगी है, जबकि देश में महंगाई से किसान-मजदूरों को जीना मुहाल हो गया है। किसान आंदोलन के एक साल पूरा होने पर पटना राज्य भवन के समक्ष तीन दिवसीय महापड़ाव की तैयारी को लेकर चार दिवसीय मजदूर-किसान संघर्ष यात्रा जन-जन तक पहुंचकर केंद्र सरकार की नाकामियों को जनता को बताने का काम किया जाएगा।

गया के इस इलाके में बड़ी संख्या में बुखार और जोड़ों के दर्द से बेहाल हो रहे लोग

मेडिकल टीम कर रही इलाज

गया। शहर के मानपुर पटवा टोली में 200 लोग बीमार हो गए हैं। इन्हें बुखार आता है और फिर महीनों तक ज्वाइंट पेन होता है। इसकी सूचना के बाद मेडिकल टीम तीन दिनों से कैंप कर इलाज व जांच कर रही है। मेडिकल टीम में शामिल चिकित्सकों की टीम भी हैरान है कि इतनी तादाद में लोग बीमार पड़ रहे हैं। फिलहाल मेडिकल की टीम बीमार लोगों के इलाज में जुट गई है। शुक्रवार को हेल्थ कैंप में ज्यादातर लोग दर्द या बुखार के मरीज के रूप में सामने आ रहे हैं। कैंप में 60 लोगों की इलाज व जांच हुई। इससे पूर्व में करीब डेढ़ सौ लोग की इलाज किया गया है। लोगों की सूचना पर सिविल सर्जन डा. रंजन कुमार सिंह ने इस पर संज्ञान लिया और तुरंत मेडिकल टीम को वहां भेजा है। मेडिकल टीम पटवा टोली पहुंची है। बीमार लोगों की जांच कर उन्हें दवाई दी जा रही है। सिविल सर्जन ने बताया कि पटवा टोली में काफी संख्या में लोग बीमार हो रहे हैं। डेंगू चिकनगुनिया के लक्षण ज्यादातर लोगों में पाए जा रहे हैं। सीबीसी जांच करवाई जा रही है। समाजसेवी गोपाल पटवा बताते हैं कि 200 से अधिक लोग बीमार हैं। उनका इलाज चल रहा है। वे लोग जानना चाहते हैं कि आखिर यह बीमारी का निराकरण क्या है। सिविल सर्जन के सूचना के बाद मेडिकल टीम आई है। हम लोग चाहते हैं कि पटवा टोली को बीमारी से मुक्त किया जाए और सभी का सही इलाज हो सकें।

यात्रीगण ध्यान दें

अगले तीन-चार वर्षों में हर यात्री को कन्फर्म टिकट देने की योजना को लेकर अगर रेलवे सचमुच गंभीर है तो यह अच्छी बात है। रेल मंत्री की ओर से मीडिया को दी गई सूचनाओं के मुताबिक न केवल देश की तमाम कोच फैक्ट्रियों में दिन-रात काम किया जा रहा है बल्कि ट्रेन की स्पीड बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। यह खबर ऐसे समय में आई है, जब पर्व-त्योहारों के कारण रेलगाड़ियां ठसाठस भरी हुई हैं और लोग अमानवीय हालात में यात्रा करने को मजबूर हैं। और, यह कोई नई या अनोखी बात नहीं। गर्मी की छुट्टियों या त्योहारों के आसपास ऐसे दृश्य अक्सर दिख जाते हैं। साफ है कि ट्रेन आज भी अपने देश में आम लोगों की यात्रा का सबसे सरल और सहज साधन है। ऐसे में रेलवे को सबके लिए सुलभ, आसान और सुविधाजनक बनाना एक ऐसा लक्ष्य है, जो हर सरकार की प्राथमिकता में होना चाहिए। मगर सचाई यह है कि प्रायः सभी सरकारें इसे चलताऊ ढंग से लेती रही हैं। ऐसे में जब रेलवे की ओर से इतने बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए काम करने की बात आई है तो इसका स्वागत करते हुए भी यह नहीं भुलाया जा सकता कि यह बेहद कठिन है। इसके लिए न केवल ट्रेनों की संख्या में भारी इजाफा करना होगा बल्कि रेल पटरियों का भी अप्रत्याशित तेजी से विस्तार करना होगा। हालांकि रेलवे की इस योजना पर एक गौर करने से यह जरूर साफ होता है कि इसमें मौजूदा स्थिति और टारगेट के बीच के अंतर पर अच्छी तरह से विचार किया गया है। ऐसे में सवाल सिर्फ यह है कि इस अंतर को भरने की दिशा में पर्याप्त तेजी दिखाई जा सकेगी या नहीं। यानी अगर तय लक्ष्य तक चार साल में पहुंचना है तो इस बीच हर साल 4000-5000 किलोमीटर की नई पटरियां बिछाई जा सकेंगी या नहीं। ट्रेनों की संख्या के मामले में यह हिसाब ज्यादा स्पष्ट रूप में सामने आता है। चार साल में 3000 नई ट्रेनें शुरू करने का मतलब है रोज दो नई ट्रेनें शुरू करनी होंगी। देखना होगा कि यह सिलसिला कितनी जल्दी शुरू होता है और कब तक चलता है। ऐसे ही रेलवे ने हिसाब लगाया है कि इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए गाड़ियों की रफ्तार में भी इजाफा करना होगा ताकि सफर का वक्त बचे। गाड़ियों के ठहरने और गति पकड़ने का टाइम पुल और पुश टेक्नॉलजी के जरिए बचाया जा सकता है और कहते हैं कि उस पर काम भी हो रहा है। मगर दो दिन पहले आई एक रिपोर्ट बताती है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल देश में ट्रेनों की औसत गति बढ़ने के बजाय पांच किलोमीटर प्रति घंटा कम हो गई। ऐसे में यही उम्मीद की जा सकती है कि रेलवे की यह नई योजना चुनावी सब्जबाग का हिस्सा न हो, इसे ठोस रूप में अमली जामा पहनाया जाए।

रिश्तों की मीनार में एक मंजिल जोड़ना

सन फ्रांसिस्को में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच इस सप्ताह हुई शिखर बैठक से दुनिया की दो सबसे बड़ी शक्तियों के बीच रिश्तों को प्रभावित करने वाले किसी भी बड़े मतभेद के सुलझने की संभावना नहीं है। लेकिन, इस बैठक ने हाल ही में जबरदस्त गिरावट से रूबरू और बढ़ती चिंता का सबब बनी इस रिश्ते में स्थिरता लाकर दुनिया के लिए बहुत जरुरी राहत का वादा किया है। एपेक की बैठक के मौके पर हुई इस शिखर बैठक के दो महत्वपूर्ण नतीजे निकले। पहले नतीजे के रूप में कई ठोस समझौते सामने आए, जिनमें सैन्य स्तर की सीधी बातचीत को फिर से शुरू करना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस) से जुड़े जोखिम और सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा करना शामिल है। दूसरा नतीजा वह है जिसे दोनों पक्षों ने रिश्ते की मीनार में एक मंजिल जोड़ने के रूप में वर्णित किया है। यही वो लक्ष्य था, जब दोनों नेता आखिरी बार 2022 में बाली में मिले थे। हालांकि, बाली में हुई सहमति जासूसी गुब्बारे की घटना से गुम हो गई। इस बार सतर्क आशावाद यह है कि रिश्तों में स्थिरीकरण का यह प्रयास कहीं ज्यादा ठोस आधार पर किया गया है। लेकिन यह कब तक चलेगा यह एक खुला प्रश्न बना हुआ है, खासकर तब जब खलल पैदा करने वाली दो संभावित राजनीतिक घटनाएं सामने आने वाली हों। अगले साल जनवरी में ताइवान में चुनाव होंगे तथा इसके नतीजों के बाद इस पूरे जलडमरूमध्य में तनाव और बढ़ सकता है। ताइवान के मसले पर, दोनों पक्षों ने अपना रुख दोहराया। चीन ने जहां हस्तक्षेप के खिलाफ चेताया, वहीं अमेरिका ने कहा कि वह यथास्थिति में किसी भी बदलाव का विरोध करता है। इस बीच, अमेरिका नवंबर 2024 में होने वाले चुनावों से पहले अगले साल चुनावी रंग में सराबोर हो जाएगा और चुनाव प्रचार के दौरान अनिवार्य रूप से चीन को लेकर तीखी बयानबाजियां देखने को मिलेंगी। एक दीर्घकालिक चिंता - और जो इस मामूली स्थिरीकरण की सीमाओं को रेखांकित करती है - मतभेद का वह एक बुनियादी बिंदु है कि दोनों देश अपने रिश्तों के भविष्य को कैसे देखते हैं। जैसा कि श्री शी ने कहा, सबसे पहला सवाल यह है कि क्या दोनों देश प्रतिद्वंद्वी हैं या साझीदार। उन्होंने अमेरिका द्वारा रिश्तों को मौलिक रूप से प्रतिस्पर्धी बताए जाने की आलोचना करते हुए कहा कि इससे गलत जानकारी पर आधारित नीति निर्माण, गुमराह करने वाली कार्रवाइयां और अवांछित नतीजों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने अमेरिका से ताइवान और निर्यात नियंत्रण सहित विभिन्न मुद्दों पर उलट-पलट करने, ... और सीमाओं को लांघने से बचने को कहा। हालांकि, बाइडेन ने अमेरिका और चीन के प्रतिस्पर्धी होने की बात पर जोर दिया और इस प्रतिस्पर्धा को जिम्मेदारी के साथ प्रबंधित किए जाने की तत्कालिक चुनौती का जिक्र किया।

Social Media Corner

सच के हक में...

राजस्थान में भाजपा की जीत की जिम्मेदारी माताओं-बहनों और युवाओं समेत हर वर्ग के लोगों ने संभाल रखी है। नागौर में अपने परिवारजनों के दर्शन कर भावविभोर हूं।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

टिकाऊ जेट ईंधन का विकास अर्थव्यवस्था को कार्बन मुक्त करने के लिए बहुत जरूरी कदमों में से एक है, लेकिन इसे हासिल करना सबसे कठिन है क्योंकि पारंपरिक ईंधन बहुत अधिक घनत्व वाले होते हैं। गैर-जीवाश्म टिकाऊ संसाधनों को ढूंढना जो इन पारंपरिक ईंधनों की जगह ले सकें, प्राथमिकता का उद्देश्य होना चाहिए क्योंकि हम जलवायु परिवर्तन के चरम बिंदु पर पहुंच रहे हैं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

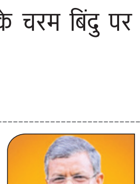

गिरिडीह में एक यात्री वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण पांच लोगों के मृत्यु की सूचना से मन व्यथित है। ईश्वर मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिजनों को विकट परिस्थिति का सामना करने की शक्ति दें।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

क्यों देश को इंतजार है नोएडा एयरपोर्ट शुरू होने का

ANALYSIS

आर.के. सिन्हा

नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन-तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल-दर-साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग-अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की मानें तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं।

अगर सब कुछ योजना के चलता रहा तो उत्तर प्रदेश के जेवर में तेजी से बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से पहली उड़ान अगले साल मार्च के महीने में अपने सफर पर चली जाएगी। यानी अब छह से भी कम महीनों का वक्त बचा है, इसे शुरू होने में। पहले कहा जा रहा था कि यहां से पहली फ्लाइट साल 2024 के अंत में ही उड़ान भरेगी। नोएडा एयरपोर्ट जितना जल्दी शुरू हो जाए उतना ही भारत आने और यहां से जाने वाले करोड़ों मुसाफिरों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर होगी। भारत सरकार का उड्डयन एवं गृह मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार मिल कर कोशिश कर रहे हैं ताकि नोएडा एयरपोर्ट वक्त से पहले ही शुरू हो जाए। नोएडा एयरपोर्ट का तुरंत बनना इसलिए भी जरूरी है ताकि इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआई) को यात्रियों की भीड़ से बचाया जा सके। इधर भीड़ के चलते बदइंतजामी और अराजकता के हालात बने रहते हैं। यात्रियों को तीन-तीन घंटे लाइन में लगना पड़ना आज के दिन आम बात हो गई है। आईजीआई एयरपोर्ट पर साल-दर-साल यात्रियों की भीड़ बढ़ती ही चली जा रही है। आप जानते हैं कि आईजीआई से प्रतिदिन हजारों भारतीय सात समंदर पार यात्रा के लिए जा रहे हैं तो इतने ही दुनिया के अलग-अलग भागों से दिल्ली आ भी रहे होते हैं। पिछले साल 2022 में तो यह दुनिया के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट की रैंकिंग में नौवें स्थान पर पहुंच गया। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) की रिपोर्ट की मानें तो आईजीआई एयरपोर्ट से साल 2022 में लगभग 5.95 करोड़ लोगों ने यात्रा की। यह भारत का सबसे व्यस्त एयरपोर्ट भी है। शायद यही वजह है कि

आईजीआई एयरपोर्ट की वृहद् सुविधाएं भी भीड़ के सामने अब बौनी साबित होने लगी हैं। क्या कुछ साल पहले 31 मार्च, 2006 को जब आईजीआई शुरू हुआ था तो किसी ने भी यह सोचा था कि इधर मुसाफिरों की भारी भीड़ से सारी व्यवस्थाएं चरमराने लगेंगी? अगर इतिहास के पन्नों को पलटें तो पता चलेगा कि राजधानी दिल्ली में सबसे पहले 10 मार्च, 1931 को सफदरजंग एयरपोर्ट का विधिवत उद्घाटन हुआ था। हालांकि इससे दो बरस पहले 1929 में ही इसकी सांकेतिक स्थापना भी हो गई थी। तब इसका नाम विलिंग्डन एयर फील्ड था। फिर इसका कुछ समय के बाद नाम कर दिया गया विलिंग्डन एयरपोर्ट। देश के आजाद होते ही विलिंग्डन एयरपोर्ट का नाम हो गया सफदरजंग एयरपोर्ट। बताते हैं, इधर कुछ विमान 1927 से ही उतरने लगे थे। दूसरे विश्व युद्ध में इसका मित्र देशों की सेनाओं ने भरपूर इस्तेमाल भी किया था। दिल्ली का यही 1962 तक मुख्य हवाई अड्डा रहा। उसके बाद पालम एयरपोर्ट बना। सफदरजंग एयरपोर्ट को सुरक्षा कारणों से 2002 में बंद कर दिया गया। इसे अमेरिका में 26/11 की भयंकर घटना को देखते हुए बंद किया गया क अब भी यहीं से राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और अन्य अति विशिष्ट हस्तियां अपने सफर पर निकलते हैं। फिर वर्तमान में लौटते हैं। आईजीआई के शुरू होने के 20 साल के भीतर ही देश को एक नए विश्व स्तरीय एयरपोर्ट की जरूरत महसूस हुई। यह सुबूत है कि देश के एविएशन सेक्टर का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। इसलिए ही ग्रेटर नोएडा में जेवर एयरपोर्ट को बनाने पर निर्णय लिया गया। जान लें कि तीस हजार करोड़ रुपये की लागत से 1334 हेक्टेयर में बन रहा जेवर एयरपोर्ट भारत का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा। फिलहाल यात्रियों की आवाजाही के लिहाज से आईजीआई देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट है। एक बात और। जेवर एयरपोर्ट की टिकटें आईजीआई के मुकाबले सस्ती होंगी। ऐसा दिल्ली और यूपी में एटीएफ (एविएशन टर्बाइन फ्यूल) शुल्क में अंतर के कारण संभव होगा। आईजीआई की तुलना में यात्रियों को प्रति टिकट 1,500 रुपये की बचत होगी। एविएशन मंत्रालय ने अनुमान लगाया है कि जब जेवर एयरपोर्ट से विमानों का परिचालन शुरू हो जाएगा तो यहां से सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों की आवाजाही होने लगेगी। यहां से देश के विभिन्न शहरों के लिए विमान सेवा शुरू होंगी। उदाहरण के रूप में दिल्ली-मुंबई के बीच में प्रतिदिन लगभग 100 उड़ानें हैं। उनमें से करीब आधे को जेवर से संचालित किया जा सकता है। इसी तरह से बेंगलुरु, चेन्नई, काशी, पटना, रांची, लेह, गोवा और देश के दूसरे भागों में यहां से विमान उड़ सकते हैं। इसके अलावा लंदन, दुबई, ज्यूरिख या अमेरिका के शहरों को जाने वाली कुछ उड़ानें भी यहां से शुरू की जा सकती हैं। जेवर एयरपोर्ट से नोएडा और ग्रेटर नोएडा में रहने वाले हजारों विदेशी नागरिकों को भी लाभ होगा जो ऑफिस के काम से लगातार हवाई सफर करते रहते हैं। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में बड़ी तादाद में दक्षिण कोरिया और जापान के नागरिक रहते हैं। इनमें पेशेवर, इंजीनियर, उद्यमी आदि शामिल हैं। आईजीआई की भीड़ कम करने, यात्रियों की सहूलियत बढ़ाने के लिए इसे जेवर एयरपोर्ट से जोड़ा जाएगा। इसके लिए 74 किलोमीटर लंबा मेट्रो कॉरिडोर बनना भी तय है, जिस पर 120 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से मेट्रो दौड़ेगी। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार जेवर एयरपोर्ट को एयर कार्गो का हब भी बनाना चाहती है। इसके साथ ही एयरपोर्ट पर 40 एकड़ में एमआरओ (मेंटीनेंस रिपेयरिंग एंड ओवर हॉलिंग) की सुविधा दी जाएगी। यानी यहीं देश विदेश के विमानों की सर्विसिंग भी इसी एयरपोर्ट पर होगी। वर्तमान में भारत के 85 प्रतिशत विमानों को एमआरओ के लिए विदेश भेजना पड़ता है, जिसपर प्रतिवर्ष 15 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं। कई बडी एयरलाइंस कंपनियों ने जेवर एयरपोर्ट को एशिया पैसिफिक ट्रांजिट हब बनाने में भी दिलचस्पी दिखाई है। इसमें एयर इंडिया, एयर एशिया, विस्तारा, इंडिगो आदि शामिल है। इससे एयरपोर्ट में यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली राज्य सरकार जेवर एयरपोर्ट को कनेक्टिविटी के मॉडल के रूप में विकसित कर रही है। यहां आने-जाने के लिए टैक्सी, मेट्रो और रेल तक की कनेक्टिविटी सुगम होगी। एयरपोर्ट से निकलते ही यात्री सीधे यमुना एक्सप्रेस-वे और नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे तक जा सकते हैं। यूपी, दिल्ली, हरियाणा कहीं भी जाना है तो थोड़ी सी देर में पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पहुंच सकते हैं। इससे यह तो साफ है कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने से आईजीआई की भीड़ काफी हद तक छंट जाएगी।

लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।

छठ महापूजा है सूर्योपासना का महापर्व

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है। इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीघार्यु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। छठ पूजा इस वर्ष 17 नवंबर से

20 नवंबर तक मनाई जा रही है। नहाय-खाय 17 नवंबर को और खरना 18 नवंबर को है जबकि छठ की मुख्य पूजा संध्या अर्ध्य के साथ 19 नवंबर को होगी। उगते सूर्य को अर्ध्य 20 नवंबर को दिया जाएगा और उसी के साथ छठ महापूजा का समापन होगा। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है। सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है। सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है। छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया। इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पांडव जब अपना सारा राजपाट जुआ में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निदेर्शानुसार द्रौपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पांडवों को राजपाट वापस मिला। पांडवों की पत्नी द्रौपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्योहार माना जाता है।

मतदान का दूसरा चरण

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में मतदान का दूसरा चरण भी संपन्न हो गया। शुक्रवार को मध्य प्रदेश की सभी 230 सीटों पर एक साथ और छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण की 70 सीटों पर मतदान हुआ। इसके बाद अब राजस्थान में 25 नवंबर को और तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान शेष है, 3 दिसंबर को जनता का फैसला सामने आ जाएगा। बहरहाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 7.20 करोड़ से अधिक लोगों ने कुल 300 सीटों के लिए मतदान किया है। छत्तीसगढ़ में 7 नवंबर को पहले चरण के मतदान में 70 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हुआ था और शुक्रवार को भी अंतिम मतदान प्रतिशत उसके ज्यादा दूर नहीं रहेगा। मध्य प्रदेश में तो मतदाताओं के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोपहर तीन बजे तक 60 प्रतिशत से ज्यादा मतदान हो चुका था। उम्मीद है, दोनों ही राज्यों में मतदान में सुधार का सुखद का अनुभव होगा। वैसे, मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं हिंसा दुखद है। ऐसे इलाकों में भविष्य में सावधानी बरतना जरूरी है। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ में भी भाजपा और कांग्रेस के बीच ही मुख्य मुकाबला है। मध्य प्रदेश में भाजपा अपनी सरकार बचाने की कोशिश में है, तो छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता अपने पास बनाए रखने के लिए प्रयासरत है। मध्य प्रदेश के साथ ही छत्तीसगढ़ भी एक ऐसा प्रदेश है, जहां भाजपा और कांग्रेस के मतदान प्रतिशत के बीच ज्यादा अंतर नहीं रहता है और अनेक बार तो सीटों का अंतर भी बहुत कम होता है। जमीनी आधार पर अगर देखें, तो जितनी मजबूत भाजपा है, लगभग उतनी ही मजबूत कांग्रेस है। मतदान प्रतिशत में थोड़ा भी अगर इधर-उधर हुआ, तो सीटों में बड़ा अंतर दिख सकता है। राजस्थान में भी पिछली बार सीटों का अंतर ज्यादा नहीं था। खैर, अगर राजस्थान, मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में कांग्रेस का वर्चस्व दिखा, तो इससे विपक्षी गठबंधन को मजबूती मिलेगी और इसका फायदा कांग्रेस के साथ पूरे विपक्षी गठबंधन को अन्य राज्यों में भी होगा। अगर भाजपा मध्य प्रदेश में फिर जीत जाए और कांग्रेस से एक राज्य भी छीन ले, तो यह विपक्षी गठबंधन के लिए बुरा संकेत होगा। विधानसभा चुनाव के चाहे जो नतीजे हों, लोकसभा चुनाव में तीखा मुकाबला तय है। भाजपा ने इन विधानसभा चुनावों में पूरा जोर लगा रखा है, क्योंकि उसे पता है कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ में जीतना कितना महत्वपूर्ण है। आमतौर पर कहीं भी भारी मतदान की स्थिति नहीं है, और भारी मतदान की स्थिति में यह सामान्य आकलन किया जाता है कि सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ लोग नाराज हैं। वास्तव में, चुनावों के प्रति लोगों को जितना स्वाभाविक लगाव होना चाहिए, उतना नहीं है। मतदान के लिए खूब प्रेरित करने के बावजूद मतदान 80 प्रतिशत को नहीं छू पा रहा है। लोक-लुभावन घोषणाओं की भरमार भी एक संकेत है कि जीत के प्रति कोई भी दल आश्वस्त नहीं है और इसीलिए मतदाताओं को रिझाने का कोई भी प्रयास हाथ से जाने नहीं देना चाहता। खास बात यह भी है कि इन चुनावों में घोषणा की जगह गारंटी शब्द का इस्तेमाल ज्यादा हुआ है। शुक्रवार को तेलंगाना में कांग्रेस ने चुनावी घोषणापत्र जारी करते हुए कहा है कि सभी छह गारंटी को पहली कैबिनेट बैठक में ही लागू कर दिया जाएगा। निस्संदेह, हमारी राजनीति अब कोरे कागजी वादों-आश्वासनों से आगे निकलकर ठोस गारंटी तक पहुंच गई है। अब लोगों ने किस पर विश्वास किया, यह तो 3 दिसंबर को पता चलेगा, सबको इंतजार है।

फाइनल मुकाबला

विश्वकप का कारवां आखिरकार उसी अहममदाबाद में लौट आया है जहां से 5 अक्टूबर को इसकी शुरूआत हुई थी। इस रविवार को खचा-खच भरा नरेंद्र मोदी स्टेडियम, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच शिखर मुकाबले का गवाह बनेगा। मेजबान टीम बेहतरीन फॉर्म में है और लगातार 10 जीत दर्ज कर चुकी है। इसमें मुंबई में हुए सेमीफाइनल मुकाबले में न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ हासिल की गई शानदार जीत भी शामिल है। वहीं, शुरूआत में दो मैच हारकर ऑस्ट्रेलिया ने टूनामेंट में खराब शुरूआत की थी, लेकिन उसके बाद वह लगातार आठ जीत हासिल कर चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने पांच बार विश्वकप ट्रॉफी पर कब्जा किया है। ऐसे में, पैट कमिंस और उनकी टीम इस महान विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उतरेगी। कोलकाता के ईडन गार्डन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उसने कम स्कोर वाले मुकाबले को रोमांचक अंदाज में जीता। इससे पहले साल 2003 में दक्षिण अफ्रीका के जोहांसबर्ग में जब भारत और ऑस्ट्रेलिया विश्वकप के फाइनल मुकाबले में भिड़ी थीं, तो रिकी पोंटिंग की टीम ने भारत को 125 रनों से शिकस्त दी थी। दो दशक बाद, उस प्रतिष्ठित मैच में भारत की ओर से मैदान में उतरे प्रमुख खिलाड़ी राहुल द्रविड अब इसी टीम के कोच हैं। इस पूर्व भारतीय कप्तान का जोर निश्चित तौर पर ड्रेसिंग रूम के भीतर जज्बाती माहौल को कम करके व्यावहारिक पहलुओं पर ध्यान देने पर होगा। पिछली बार जहीर खान, मैथ्यू हेडन और ऐडम गिलक्रिस्ट के साथ जुबानी तकरार में फंसकर अपना ध्यान गंवा बैठे थे और जल्द ही मुकाबला विरोधी टीम के पाले में चला गया। इस बार, द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा हर मैच को एक अलग मैच मानने के नजरिए से चल रहे हैं। विश्वकप का फाइनल मुकाबला खेल की एक बहुत बड़ी प्रतिस्पर्धा है, जहां सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को भी अपनी ताकत का हर कतरा इस्तेमाल करना होता है, वरना विरोधी टीम के सामने उसे घुटने टेकने पड़ सकते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सुपरस्टार निवेशक कम या बिना कर्ज वाली कंपनियों को दे रहे प्राथमिकता

नई दिल्ली।

ट्रेंडलाइन के एक विश्लेषण के अनुसार, सुपरस्टार निवेशकों के बीच एक दिलचस्प प्रवृत्ति कम या बिना कर्ज वाली कंपनियों को प्राथमिकता देना है। उदाहरण के लिए, विजय केडिया की शीर्ष तीन होल्डिंग्स, अतुल ऑटो, तेजस नेटवर्क और एलेकॉन इंजीनियरिंग, जो उनके पोर्टफोलियो का आधा हिस्सा हैं, पर या तो न्यूनतम ऋण है या ऋण-मुक्त हैं। कम ऋण को उच्च राजस्व वृद्धि के साथ संयोजित करने की रणनीति ने उनके लिए रिजल्ट दिए हैं। मिड और स्मॉल-कैप स्टॉक, जो अपने उच्च जोखिम-इनाम अनुपात के लिए जाने जाते हैं, ने केडिया जैसे निवेशकों को उच्च रिटर्न दिया है। उनकी शीर्ष तीन में से दो होल्डिंग्स में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केडिया की कुल संपत्ति वित्तीय वर्ष 24 की पहली और दूसरी तिमाही में क्रमशः 65 प्रतिशत और 40 प्रतिशत बढ़ी। ट्रेंडलाइन के अनुसार, कुल मिलाकर, पिछले वर्ष में उनके पोर्टफोलियो में 88 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे वह रेखा झुनझुनवाला के बाद दूसरे सबसे अच्छे प्रदर्शन करने वाले शख्स बन गए हैं। रेखा झुनझुनवाला अपनी नेटवर्थ में 209 प्रतिशत की वृद्धि के साथ इस सूची में सबसे आगे हैं। यह तीव्र वृद्धि काफी हद तक उनके दिवंगत पति राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो को विरासत में मिलने और टाइटन में उनकी हिस्सेदारी लगातार बढ़ने के कारण है। इसके अलावा, टाइटन और टाटा मोटर्स, उनकी शीर्ष दो होल्डिंग्स में पिछले वर्ष के दौरान 24 प्रतिशत और 57 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 23 की तीसरी और चौथी तिमाही में उच्च अस्थिरता के बावजूद, अधिकांश सुपरस्टार निवेशकों की कुल संपत्ति में एक साल के बदलाव से कुल मिलाकर काफी वृद्धि हुई है। विश्लेषण में कहा गया है कि निवेश में बने रहने और बाजार गिरने पर निवेश जोड़ने की उनकी रणनीति ने पिछले साल अधिकांश सुपरस्टार निवेशकों की शुद्ध संपत्ति बढ़ाने में मदद की है। पिछले तीन वर्षों में आशीष कचोलिया और अनिल कुमार गोयल की शीर्ष होल्डिंग्स की औसत राजस्व वृद्धि 100 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

मस्क के यहूदी विरोधी पोस्ट के बाद एप्पल व अन्य प्रमुख कंपनियों ने एक्स से विज्ञापन लिए वापस

सैन फ्रांसिस्को।

टेक प्रमुख आईबीएम के बाद, आईफोन निर्माता एप्पल ने भी कथित तौर पर एक्स से विज्ञापन वापस ले लिया है क्योंकि इसके मालिक एलन मस्क लगातार उन पोस्ट से सहमति जता रहे हैं जो यहूदी विरोधी भावना को बढ़ावा देते हैं। एक्सियोस ने शुक्रवार देर रात रिपोर्ट दी कि मस्क द्वारा यहूदी विरोधी साजिश सिद्धांतों के समर्थन के बाद एप्पल मस्क द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म पर सभी विज्ञापन रोक रहा है। एप्पल एक्स पर एक प्रमुख विज्ञापनदाता रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि डिज्नी, वार्नर ब्रदर्स, डिस्कवरी, पैरामाउंट और कॉमकास्ट/एनबीसीयूनिवर्सल भी अपने विज्ञापन रोक रहे हैं। कम से कम दो अन्य संगठनों, लायंसगेट और यूरोपीय आयोग ने भी कथित तौर पर दुष्प्रचार के प्रसार से संबंधित व्यापक चिंताओं के कारण एक्स पर विज्ञापन रोक दिया है। गैर-लाभकारी संगठन मीडिया मैटर्स ने इस विषय पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि मस्क श्वेत राष्ट्रवादी और यहूदी विरोधी षड्यंत्र के सिद्धांतों पर आगे बढ़ रहा है, उनका सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एडॉल्फ हिटलर और उनकी नाजी पार्टी का समर्थन करने वाले कंटेंट के आसपास एप्पल, ब्रावो (एनबीसीयूनिवर्सल), आईबीएम, ओरेकल और एक्सफिनिटी (कॉमकास्ट) जैसे प्रमुख ब्रांडों के लिए विज्ञापन दे रहा है।मीडिया मैटर्स ने एक रिपोर्ट में कहा, एक्स ने अपने निर्माता विज्ञापन राजस्व साझाकरण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में कट्टरपंथियों के कई अकाउंट्स को भी बहाल किया है और दूर-दराज चरमपंथियों को भुगतान किया है, जिसमें जाहिर तौर पर हिटलर-समर्थक और होलोकॉस्ट डेनियर अकाउंट भी शामिल है।रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्क द्वारा प्रेरित इस अराजकता के दौरान, हिटलर समर्थक, होलोकॉस्ट डेनियल, श्वेत राष्ट्रवादी, हिंसा समर्थक और नव-नाजी अकाउंट्स पर कॉर्पोरेट विज्ञापन भी दिखाई दे रहे हैं। मस्क ने शनिवार को एक्स पर पोस्ट किया: मीडिया मैटर्स पूरी तरह से नुकसानदायक है।

अमेजन अपनी एलेक्सा डिवीजन में सैकड़ों कर्मचारियों की छंटनी करेगी

मुंबई।

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन अपनी एलेक्सा डिवीजन में कई कर्मचारियों की छुट्टी करने की योजना बना रही है। अमेजन ने ये फैसला एआई पर नए सिरे से काम करने के बीच लिया है। अमेजन के एलेक्सा और फायर टीवी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में लिखा है कि कंपनी कुछ भूमिकाओं को समाप्त करने जा रही है। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम लगातार आविष्कार कर रहे हैं और हम अपनी व्यावसायिक प्राथमिकताओं के साथ बेहतर तालमेल बिठाने के लिए अपने कुछ प्रयासों को स्थानांतरित कर रहे हैं। हम जानते हैं कि यह आविष्कार ग्राहकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है, जिसमें हमारे संसाधनों को अधिकतम करना और एआई पर केंद्रित प्रयास शामिल हैं। दरअसल, अमेजन को एआई के क्षेत्र में दूसरी कंपनियों से कड़ी टक्कर मिल रही है। इसके चलते कंपनी लगातार एआई के क्षेत्र में अपनी पकड़ को मजबूत करना चाहती है। कंपनी द्वारा पिछले कुछ महीनों में एआई से संबंधित कई कदम भी उठाए गए हैं। सितंबर में अमेजन ने एलेक्सा में एआई को लेकर अपडेट किया था। अमेजन द्वारा जारी आदेश का का असर अमेरिका, कनाडा और भारत में देखने को मिलेगा। कंपनी के अनुसार भारत-कनाडा और अमेरिका के कर्मचारियों पर कटौती का असर पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने पिछले साल के आखिर में और इस साल की शुरुआत में 27,000 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

इस कटौती में भी अमेजन की एलेक्सा डिवीजन प्रभावित हुई थी।

नोएडा और लखनऊ में सस्ता हुआ पेट्रोल

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में अचानक तेजी देखी गई है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 4 फीसदी उछलकर 75.86 प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड भी 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 80.62 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। शनिवार को कुछ शहरों में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के भाव में बदलाव किया है। आंध्र प्रदेश में पेट्रोल 0.53 पैसे और डीजल 0.49 पैसे महंगा हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपये (0.33 पैसे सस्ता) और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.34 रुपये और डीजल 89.52 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.80 रुपये (0.32 पैसे सस्ता) और डीजल 89.99 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.59 रुपये और डीजल 94.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

इस वर्ष भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले केवल सात स्टार्टअप को फंडिंग

नई दिल्ली।

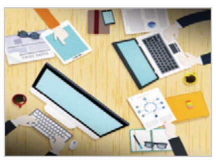

एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप में फंडिंग 2014 में 183 स्टार्टअप से घटकर इस साल अब तक केवल 7 रह गई है। महिलाओं के नेतृत्व वाली कंपनियों के लिए फंडिंग परिदृश्य में राउंड की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 2014 में 171 से बढ़कर 2022 में 460 हो गई। हालांकि, अग्रणी मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारी गिरावट आई और राउंड की संख्या घटकर 185 रह गई। ज़ोमैटो, बायजू लेंसकार्ट और ज़ेरोधा भारत के शीर्ष 10 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप में से हैं।आंकड़ों से पता चलता है कि बेंगलुरु में 1783 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप हैं, जो अहमदाबाद के बिल्कुल विपरीत है, जहां 181 महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप हैं।इस बीच, भारत में इस साल एक तिमाही में तकनीकी फंडिंग में लगातार तीसरी गिरावट देखी गई, जुलाई-सितंबर अवधि में पिछले पांच वर्षों में सबसे कम फंड वाली तिमाही बन गई। ट्रैक्सन के अनुसार, 2023 की तीसरी तिमाही में फंडिंग में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई, कुल 1.5 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जो पिछली तिमाही से 29 प्रतिशत की कमी और 2022 तीसरी तिमाही की तुलना में 54 प्रतिशत की भारी गिरावट है। अंतिम चरण के दौर में 33 प्रतिशत की कमी देखी गई, जबकि प्रारंभिक चरण और प्रारंभिक चरण की फंडिंग में पिछले वर्ष की समान तिमाही की तुलना में क्रमशः 74 प्रतिशत और 75 प्रतिशत की गिरावट आई।

कतर ने एलएंडटी पर 239 करोड़ रुपये का कर जुर्माना लगाया

मुंबई। भारत की निर्माण और इंजीनियरिंग दिग्गज लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) पर कतर के आयकर अधिकारियों ने कंपनी द्वारा घोषित आय और विभाग के आकलन में कथित भिन्नता के लिए 111.31 करोड़ रुपये और 127.64 करोड़ रुपये के अलग-अलग दो जुर्माने लगाए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को शेयर बाजारों को यह जानकारी दी।एलएंडटी ने नियामक बयान में कहा, अप्रैल 2016 से मार्च 2017 और अप्रैल 2017 से मार्च 2018 के बीच कर निर्धारण अवधि के लिए जुर्माने लगाये हैं जिनकी कुल राशि 238.9 करोड़ रुपये है। कंपनी का मानना है कि यह मनमाना और अनुचित है। इस जुर्माने के खिलाफ एक अपील दायर की गई है। कंपनी ने कहा कि वह अपीलीय स्तर पर अनुकूल परिणाम को लेकर पूरी तरह आश्वस्त है और इससे कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। खाड़ी क्षेत्र एलएंडटी के लिए एक प्रमुख बाजार है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-सितंबर छमाही में उसके ऑर्डर प्रवाह में 41 प्रतिशत का योगदान इसी क्षेत्र का है। सितंबर के अंत तक कंपनी के 4,50,700 करोड़ रुपये के ऑर्डर बुक का 32 प्रतिशत ऑर्डर पूरा हो गया।

सॉफ्टबैंक ने डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। जापानी समूह सॉफ्टबैंक ने खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से एकीकृत लॉजिस्टिक्स प्रदाता डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी 739 करोड़ रुपये में बेच दी। एनएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार, सॉफ्टबैंक ने अपने सहयोगी एसवीएफ डोरबेल (केमैन) लिमिटेड के माध्यम से 1,83,05,480 शेयर बेचे, जो डेल्हीवरी में 2.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों का निपटान औसतन 403.51 रुपये की कीमत पर किया गया, जिससे कुल सौदे का आकार 738.64 करोड़ रुपये बैठता है। इस लेनदेन के बाद डेल्हीवरी में सॉफ्टबैंक की हिस्सेदारी 14.46 प्रतिशत से घटकर 11.96 प्रतिशत रह गई है। मार्च में सॉफ्टबैंक ने खुले बाजार लेनदेन के माध्यम से 954 करोड़ रुपये में डेल्हीवरी में 3.8 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची थी।

आरबीआई ने रिलायंस कैपिटल के हिंदुजा समूह इकाई के अधिग्रहण को दी मंजूरी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कर्ज में डूबी रिलायंस कैपिटल के लिए समाधान योजना को मंजूरी दे दी। इस कदम से अंततः हिंदुजा समूह की इकाई - इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड (आईआईएचएल) के लिए कंपनी के अधिग्रहण का रास्ता साफ हो गया है। कंपनी की ओर से कहा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि रिलायंस कैपिटल लिमिटेड के प्रशासक को भारतीय रिजर्व बैंक से 17 नवंबर, 2023 के पत्र के माध्यम से 'अनापत्ति' प्राप्त हुई है। लंबी लड़ाई के बाद, आईआईएचएल इस अप्रैल में संपन्न नीलामी के दूसरे दौर में रिलायंस कैपिटल का अधिग्रहण करने के लिए 9,650 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ सबसे अधिक बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी।आरबीआई ने 29 नवंबर, 2021 को भुगतान चूक और गंभीर शासन संबंधी मुद्दों को देखते हुए रिलायंस कैपिटल के बोर्ड को भंग कर दिया। आरबीआई ने कंपनी के कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के संबंध में नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया। रिलायंस कैपिटल तीसरी बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है,जिसके खिलाफ आरबीआई ने दिवाला और दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत दिवालियापन की कार्यवाही शुरू की थी। अन्य दो श्रेई ग्रुप एनबीएफसी और दीवान हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन (डीएचएफएल) थे। बाद में केंद्रीय बैंक ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की मुंबई पीठ में कंपनी के खिलाफ सीआईआरपी शुरू करने के लिए एक आवेदन दायर किया।

टाइम मैगजीन की सूची में वर्ल्ड बैंक अध्यक्ष अजय बंगा समेत 9 शामिल

न्यूयॉर्क।

टाइम पत्रिका की जलवायु के क्षेत्र में योगदान को देखते हुए विश्व के 100 सबसे प्रमुख लोगों की सूची में 9 भारतीय और भारतीय मूल के नागरिक जगह बनाने में कामयाब रहे हैं। इनमें विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा और ओला इलेक्ट्रिक के सह-संस्थापक भाविश अग्रवाल भी शामिल हैं। टाइम 100 जलवायु सूची में दुनियाभर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ), संस्थापक, परोपकारी, संगीतकार, नीति निर्माता और सरकारी अधिकारी शामिल हैं। यह सूची संयुक्त अरब अमीरात में 30 नवंबर से शुरू हो रहे संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन से पहले जारी हुई है। टाइम मैगजीन की इस सूची में बंगा और अग्रवाल के अलावा द रॉकफेलर फाउंडेशन के अध्यक्ष राजीव जे. शाह, बोस्टन कॉमन एसेट मैनेजमेंट की संस्थापक और अध्यक्ष गीता अय्यर, अमेरिकी ऊर्जा विभाग ऋण कार्यक्रम कार्यालय के निदेशक जिगर शाह, हस्क पावर सिस्टम्स के सीईओ और सह-संस्थापक मनोज सिन्हा, कैसर परमानेंट के लिए पर्यावरण प्रबंधन की कार्यकारी निदेशक सीमा वाधवा और महिंद्रा लाइफस्पेसेज के प्रबंध निदेशक और सीईओ अमित कुमार सिन्हा भी शामिल हैं। टाइम ने एक बयान में कहा कि जून में विश्व बैंक के अध्यक्ष बने बंगा (64) संस्था के लिए जलवायु परिवर्तन से लड़ते हुए गरीबी उन्मूलन के एक नए मिशन की शुरुआत कर रहे हैं।

सप्ताह में दो दिन गिरावट और दो दिन तेजी रही

मुंबई।

बीते सप्ताह मंगलवार को दिवाली प्रतिप्रदा के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच कारोबारी दिनों की बजाय केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 0.28 फीसदी और निफ्टी 0.17 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बाजार के प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स कमजोर दिखे। इससे पहले दिवाली दिन मुहुर्त ट्रेडिंग के दौरान शेयर बाजार में मजबूती दिखी थी। सोमवार को सेंसेक्स 271.41 अंकों की गिरावट के साथ 64,987.34 पर खुला और 325.58 अंक की गिरावट के साथ 64,933.87 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स करीब 600 अंक चढ़कर 65,500 पर खुला और 742.06 अंकों की बढ़त के साथ 65,675.93 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी करीब 150 अंकों की मजबूती के साथ 19600 पर खुला और 231.91 अंकों की बढ़त के साथ 19,675.45 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन गुरुवार को शेयर बाजार की शुरूआत थोड़ी नरमी के साथ हुई थी. हालांकि दोपहर बाद सेंसेक्स और निफ्टी में काफी तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स 400 अंक बढ़कर 66,156.30 हजार पर खुला और 306.55 अंक यानी 0.47 फीसदी की तेजी में रहा और 65,982.48 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 0.67 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 19 हजार के पार खुला और 87.10 अंक की बढ़त के साथ 19,762.55 पर बंद हुआ। शेयर बाजार शुक्रवार को कमजोरी के साथ खुले। बाजार के प्रमुख इंडेक्स दो दिनों के अंतराल के बाद लाल निशान में कारोबार करते दिखे। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 140 अंक गिरकर 65,850 पर खुला और 187.75 (-0.28 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 65,794.73 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 20 अंकों की गिरावट के साथ 19,750 पर खुला और 33.41 (0.17 फीसदी) अंकों की गिरावट के साथ 19,731.80 पर बंद हुआ।

ऑल्टमैन को भारी नुकसान, वर्ल्डकॉइन का क्रिप्टो टोकन 12 फीसदी गिरा

सैन फ्रांसिस्को।

ओपनएआई के सीईओ पद से बर्खास्त होने के बाद सैम ऑल्टमैन को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उनके द्वारा सह-स्थापित क्रिप्टो प्रोजेक्ट वर्ल्डकॉइन का टोकन शनिवार को क्रैश हो गया। कॉइन मार्केट कैप डेटा के अनुसार, डब्ल्यूएलडी नामक टोकन 12 प्रतिशत से अधिक गिरकर 1.91 डॉलर पर आ गया। ऑल्टमैन के क्रिप्टो प्रोजेक्ट ने मई में ब्लॉकचेन कैपिटल के नेतृत्व में सीरीज सी राउंड में 115 मिलियन डॉलर जुटाए। जुलाई में, ऑल्टमैन ने ऑनलाइन एआई से एक विश्वसनीय समाधान बनाने, वैश्विक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सक्षम करने और आर्थिक अवसर में भारी वृद्धि करने में मदद करने के लिए आईबॉल-स्कैनिंग क्रिप्टोकरेंसी स्टार्टअप वर्ल्डकॉइन लॉन्च किया।

उस दौरान ऑल्टमैन ने कहा था कि सफल होने पर हमारा मानना है कि वर्ल्डकॉइन आर्थिक अवसरों में भारी वृद्धि कर सकता है, गोपनीयता बनाए रखते हुए ऑनलाइन एआई से ह्यूमन को अलग करने के लिए एक विश्वसनीय समाधान का पैमाना बना सकता है, वैश्विक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को सक्षम कर सकता है, और अंततः एआई-फंडिंग यूबीआई के लिए एक संभावित रास्ता दिखा सकता है। गौरतलब है कि वर्ल्डकॉइन में एक गोपनीयता-संरक्षण डिजिटल पहचान (वर्ल्ड आईडी) शामिल है और एक डिजिटल मुद्रा (डब्ल्यूएलडी) केवल प्राप्त की जाती है। वर्ल्डकॉइन के एप्लिकेशन के चार मिलियन से अधिक डाउनलोड हैं और इसके एक्टिव यूजर्स विश्व स्तर पर दोगुने से भी अधिक हैं। इस बीच, ऑल्टमैन को एआई चैटबॉट चैटजीपीटी के डेवलपर ओपनएआई के सीईओ के पद से हटा दिया गया और कंपनी के बोर्ड ने कहा कि उसे अब ओपनएआई का नेतृत्व जारी रखने की उनकी क्षमता पर भरोसा नहीं है।

सेबी ने बिना पैन, केवाईसी वाली भौतिक प्रतिभूतियों पर रोक का आदेश वापस लिया

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शुक्रवार को अपने पहले के आदेश को रद्द कर दिया जिसमें पैन, केवाईसी विवरण और नामांकन के बिना भौतिक प्रतिभूतियों के धारकों के फोलियो को फ्रीज करने का प्रावधान था।सेबी के सर्कुलर के मुताबिक, यह बदलाव तत्काल प्रभाव से लागू होगा। पहले के नियम के तहत, सूचीबद्ध कंपनियों में भौतिक प्रतिभूतियों के सभी धारकों के लिए पैन, नॉमिनेशन, कॉन्टेक्ट डिटेल, बैंक खाता विवरण और उनके संबंधित फोलियो नंबरों के लिए नमूना हस्ताक्षर प्रस्तुत करना अनिवार्य था। सेबी ने मई में कहा था कि जिन फोलियो में ऐसे दस्तावेजों में से कोई भी 1 अक्टूबर 2023 को या उसके बाद उपलब्ध नहीं है, उन्हें इश्यू और शेयर ट्रांसफर एजेंटों (आरटीए) के रजिस्ट्रार द्वारा फ्रीज करना आवश्यक है। सेबी ने अपने नए संशोधन में कहा है कि फ्रीजिंग/फ्रोजन शब्द का संदर्भ हटा दिया गया है। सेबी ने कहा, रजिस्ट्रार एसोसिएशन ऑफ इंडिया से प्राप्त अभ्यावेदन, निवेशकों से फीडबैक के आधार पर, और बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 और/या रोकथाम के तहत फोलियो को फ्रीज करने और फ्रीज फोलियो को प्रशासन प्राधिकारी को संदर्भित करने के कारण अनपेक्षित चुनौतियों को कम करने के लिए मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम, 2002 के उपरोक्त प्रावधानों को खत्म करने का निर्णय लिया गया है।

हुंडई समूह के प्रमुख ने एलिवेटर इकाई में बोर्ड के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया

सोल। कंपनी के प्रबंधन ढांचे को बेहतर बनाने के लिए हुंडई समूह की अध्यक्ष ह्यून जियोंग-यूं अगले महीने समूह की एलिवेटर इकाई में निदेशक मंडल के अध्यक्ष के रूप में पद छोड़ देंगी। कंपनी ने एक बयान में बताया कि ह्यून ने कंपनी की बोर्ड बैठक में हुंडई एलिवेटर कंपनी के अध्यक्ष पद से अपना इस्तीफा दे दिया। समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, ह्यून ने बयान में कहा, व्यवसायों में एक एडवांस सरकारी संरचना की बढ़ती मांग का सामना करते हुए, मुझे लगता है कि हुंडई एलिवेटर को भी निदेशक मंडल-केंद्रित प्रबंधन निर्णयों के लिए जवाबदेह बनाने की जरूरत है। बयान में कहा गया है कि हुंडई एलिवेटर 29 दिसंबर को एक असाधारण शेयरधारकों की बैठक में एक नया निदेशक मंडल बनाएगी और नया निदेशक मंडल एक नए अध्यक्ष का चयन करेगा।

दिवाली के ठीक छह दिन बाद मनाए जाने वाले छठ महापर्व का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बडे नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमे तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है । इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पडता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पडता है । षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन प्रातःकाल नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

सूर्योपासना का पर्व है छठ पूजा

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भारत वर्ष में छठ पूजा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्योपासना का विशेष महत्व है, लेकिन इसे छठ पूजा के नाम से ही जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं छठ गीतों और भजनों के साथ प्रार्थना करती हैं और संतान सुख की प्राप्ति करती हैं। छठ मैया की आराधना करने से श्रद्धालुओं को निरोग रहने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सभी सुखों और सुविधाओं को प्रदान करने वाले सूर्य देव के कारण ही धरती पर जीवन संभव है और संतति प्रदाता और जीवनदाता सूर्य देव को रिझाने के लिए छठ पूजा को मान्यता मिली हुई है।

'देवी भागवत पुराण' में उल्लेखित एक कथा के अनुसार राजा प्रियव्रत को विवाह के कई वर्ष बीतने के बाद भी संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। संतान प्राप्त करने के लिए उन्होंने सूर्योपासना की। सूर्योपासना से राजा के घर पुत्र का जन्म तो हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। इससे राजा और उनका पूरा परिवार शोकाकुल हो गया। जब राजा अपने नवजात पुत्र को लेकर श्मशान पहुंचे तो अपने ही हाथों से अपने पुत्र की अंतिम क्रिया करने की विवशता के कारण अत्यंत भावुक हो गए और जीवन के प्रति उनका मोहभंग हो गया।

दुखी राजा जब अपनी देह त्यागने का विचार कर ही रहे थे, उसी दौरान उनके समक्ष एक देवी प्रकट हुई। राजा ने देवी की आराधना की और अपने बालक को जीवीत करने की प्रार्थना की। राजा प्रियव्रत की भक्ति और पूजा से प्रसन्न होकर देवी माता ने सूर्य देव की कृपा से राजा के पुत्र को पुनर्जीवित कर दिया। राजा ने कहा कि वे ब्रह्माजी की मानस पुत्री देवसेना हैं और कुमार कार्तिकेय उनके पति हैं। मूल प्रकृति के छठवें अंश से उत्पन्न होने के कारण उन्हें षष्ठी माता के नाम से भी संबोधित किया जाता है।

देवी माता ने राजा के पुत्र को जिस तिथि पर पुनर्जीवित किया था वह कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी की तिथि ही थी। देवी मां ने राजा से कहा कि तुम मेरी पूजा करो और अपनी प्रजा से भी मेरी उपासना करने को कहो। इसके बाद राजा प्रियव्रत ने विधिवत और नियमित रूप से माता की पूजा आरंभ कर दी और इस दिन को छठ पर्व के रूप में सभी के साथ मिलकर मनाने लगे। चूंकि, सूर्यदेव की कृपा से माता ने राजा के पुत्र को पुनर्जीवन प्रदान किया, इसलिए इस दिन सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उनकी भी छठी माता के साथ पूजा किए जाने की परंपरा है। एक अन्य कथा के अनुसार शिव–पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय का जन्म होने के बाद उन्हें असुरों से सुरक्षित रखने के लिए अग्निदेव ने कुमार कार्तिकेय को गंगा की गोद में रख दिया था। गंगा मैया ने कार्तिकेय को सरकंडे के वन में रख दिया। इस वन में छह कृतिकाएं निवास करती थीं। कृतिकाएं कुमार कार्तिकेय को पाकर काफी प्रसन्न हो गईं और कार्तिकेय को पुत्र मानकर उसका लालन–पालन करने लगीं। ऐसी मान्यता है कि ये छह कृतिकाएं ही कालांतर में छठी माता के रूप में पुजन लगी। ऐसा कहा जाता है कि जब तक छोटे बच्चे अपने पैरों के अंगूठों को मुंह में नहीं डालते तब तक छठी माता बच्चों के साथ रहती हैं और खेल–खेल में कभी उन्हें हंसाती हैं और कभी रुलाती हैं।

सूर्य षष्ठी व्रत पूजा

सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है. इस पर्व का आयोजन कार्तिक माह के आरंभ के साथ ही शुरू हो जाता है इस पर्व के उपलक्ष में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व होता है. सूर्य षष्ठी व्रत में भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है इस दिन व्रती अपने सभी कार्यों को पूर्ण कर भगवान आदित्य का पूजन करता है. उन्हें जल द्वरा अर्घ्य दिया जाता है. पूजा की विधी में फल, विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिष्ठान को शामिल किया जाता है इस दिन सूर्य की किरणों को अवश्य ग्रहण करना चाहिए. पूजन तथा अर्घ्य देने के समय सूर्य की किरणें अवश्य देखनी चाहिए.

सूर्य षष्ठी व्रत महत्व

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर परिवार के सभी सदस्य स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हैं. सूर्य षष्ठी पर्व के दिन पूजा का सामान तैयार किया जाता है जिसमें सभी प्रकार के फल, केले की पूरी गौर, नारियल, मूली, सुथनी, अखरोट, बादाम इत्यादि को रखा जाता है. इस व्रत का बहुत महत्व रहा है इसे करने से घर में धन धान्य की वृद्धि होती है. तथा परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है. इस व्रत को करने से चर्म तथा नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है.

सूर्योपासना का यह पर्व अत्यंत प्राचीन है। महाभारत काल में माता कुंती ने सूर्योपासना के द्वारा अत्यंत तेजस्वी पुत्र कर्ण की प्राप्ति की थी। इससे भी पूर्व इस व्रत को च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने जराजीर्ण पति के लिए किया था। स्कन्द पुराण के अनुसार राजा शर्याति की प्रिय कन्या सुकन्या अपने पिता के साथ सैनिकों सहित वन में गई और वहां अपनी सखियों सहित उपवन में क्रीड़ा करते हुए वहां तपस्यारत च्यवन मुनि के दोनों नेत्रों को फोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप राजा शर्याति व उनके सैनिकों पर भारी विपत्ति आई। अस्वस्थ हो सभी मरणासन्न की स्थिति को प्राप्त होने लगे। च्यवन मुनि से क्षमा याचना कर उनका अभिप्राय जानकर राजा ने अपनी पुत्री सुकन्या का विवाह उनसे कर दिया। अंधे, अस्वस्थ अपने पति को प्राप्त कर वह अश्विनी कुमारों का आवाहन कीं और उनकी प्रेरणा से 12 वर्ष तक सूर्य षष्ठी व्रत का पालन कीं। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन मुनि को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई और वे वृद्धावस्था से युवावस्था को प्राप्त हो गए। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने राज्याभिषेक के उपरान्त माता सीता सहित इस व्रत को किया था। यदि कोई इस व्रत को नियमपूर्वक 12 वर्ष तक करता है तो वह सौभाग्यशाली हो जाता है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ करें छठ पूजा

भगवान सूर्य जिन्हें आदित्य भी कहा जाता है वास्तव एक मात्र प्रत्यक्ष देवता हैं. इनकी रोशनी से ही प्रकृति में जीवन चक्र चलता है. इनकी किरणों से ही धरती में प्राण का संचार होता है और फल, फूल, अनाज, अंड और शुक्र का निर्माण होता है. यही वर्षा का आकर्षण करते हैं और ऋतु चक्र को चलाते हैं. भगवान सूर्य की इस अपार कृपा के लिए श्रद्धा पूर्वक समर्पण और पूजा उनके प्रति कृतज्ञता को दर्शाता है. सूर्य षष्टी या छठ व्रत इन्हीं आदित्य सूर्य भगवान को समर्पित है. इस महापर्व में सूर्य नारायण के साथ देवी षष्टी की पूजा भी होती है. दोनों ही दृष्टि से इस पर्व की अलग अलग कथा एवं महात्मय है. सबसे पहले आप षष्टी देवी की कथा सुनिये.

छठ व्रत कथा

एक थे राजा प्रियव्रत उनकी पत्नी थी मालिनी. राजा रानी निःसंतान होने से बहुत दुःखी थे. उन्होंने महर्षि कश्यप से पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया. यज्ञ के प्रभाव से मालिनी गर्भवती हुई परंतु न महीने बाद जब उन्होंने बालक को जन्म दिया तो वह मृत पैदा हुआ. प्रियव्रत इस से अत्यंत दुःखी हुए और आत्म हत्या करने हेतु तत्पर हुए.

प्रियव्रत जैसे ही आत्महत्या करने वाले थे उसी समय एक देवी वहां प्रकट हुईं. देवी ने कहा प्रियव्रत मैं षष्टी देवी हूं. मेरी पूजा आराधना से पुत्र की प्राप्ति होती है, मैं सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण करने वाली हूं. अतः तुम मेरी पूजा करो तुम्हे पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी. राजा ने देवी की आज्ञा मान कर कार्तिक शुक्ल षष्टी तिथि को देवी षष्टी की पूजा की जिससे उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई. इस दिन से ही छठ व्रत का अनुष्ठान चला आ रहा है.

एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान श्रीरामचन्द्र जी जब अयोध्या लटकर आये तब राजतिलक के पश्चात उन्होंने माता सीता के साथ कार्तिक शुक्ल षष्टी तिथि को सूर्य देवता की व्रतोपासना की और उस दिन से जनसामान्य में यह पर्व मान्य हो गया और दिनानुदिन इस त्यहार की महत्ता बढ़ती गई व पूर्ण आस्था एवं भक्ति के साथ यह त्यहार मनाया जाने लगा.

छठ व्रत विधि

इस त्यहार को बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश एवं भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हर्षोल्लास एवं द्धनयम निष्ठा के साथ मनाया जाता है. इस त्यहार की यहां बड़ी मान्यता है. इस महापर्व में देवी षष्टी माता एवं भगवान सूर्य को प्रसन्न करने के लिए स्त्री और पुरूष दोनों ही व्रत रखते हैं. व्रत चर दिनो का होता है पहले दिन यानी चतुर्थी को आत्म शुद्धि हेतु व्रत करने वाले केवल अरवा खाते हैं यानी शुद्ध आहार लेते हैं. पंचमी के दिन नहा खा होता है यानी स्नान करके पूजा पाठ करके संध्या काल में गुड़ और नये चावल से खीर बनाकर फल और मिष्ठान से छठी माता की पूजा की जाती है फिर व्रत करने वाले कुमारी कन्याओं को एवं ब्रह्मणों को भोजन करवाकर इसी खीर को प्रसाद के तर पर खाते हैं. षष्टी के दिन घर में पवित्रता एवं शुद्धता के साथ उत्तम पकवान बनाये जाते हैं. संध्या के समय पकवानों को बड़े बडे बांस के डालों में भरकर जलाशय के निकट यानी नदी, तालाब, सरोवर पर ले जाया जाता है. इन जलाशयों में ईख का घर बनाकर उनपर दीया जालाया जाता है.

व्रत करने वाले जल में स्नान कर इन डालों को उठाकर डूबते सूर्य एवं षष्टी माता को अर्घ्य देते हैं. सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने अपने घर वापस आ जाते हैं. रात भर जागरण किया जाता है. सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पुनः संध्या काल की तरह डालों में पकवान, नारियल, केला, मिठाई भर कर नदी तट पर लोग जमा होते हैं. व्रत करने वाले सुबह के समय उगते सूर्य को आर्घ्य देते हैं. अंकुरित चना हाथ में लेकर षष्टी व्रत की कथा कही और सुनी जाती है. कथा के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है और फिर सभी अपने अपने घर लट आते हैं. व्रत करने वाले इस दिन परायण करते हैं.

इस पर्व के विषय में मान्यता यह है कि जो भी षष्टी माता और सूर्य देव से इस दिन मांगा जाता है वह मुराद पूरी होती है. इस अवसर पर मुराद पूरी होने पर बहुत से लोग सूर्य देव को दंडवत प्रणाम करते हैं. सूर्य को दंडवत प्रणाम करने का व्रत बहुत ही कठिन होता है, लोग अपने घर में कुल देवी या देवता को प्रणाम कर नदी तट तक दंड देते हुए जाते हैं. दंड की प्रक्रिया इस प्रकार से है पहले सीधे खडे होकर सूर्य देव को प्रणाम किया जाता है फिर पेट की ओर से ज़मीन पर लेटकर दाहिने हाथ से ज़मीन पर एक रेखा खींची जाती है. यही प्रक्रिया नदी तट तक पहुंचने तक बार बार दुहरायी जाती है.

क्यूं मनाते हैं छठ महापर्व

भारत की विविध संस्कृति का एक अहम अंग यहां के पर्व हैं. भारत में ऐसे कई पर्व हैं जो बेहद कठिन माने जाते हैं और इन्हीं पर्वों में से एक है छठ पर्व. छठ को सिर्फ पर्व नहीं महापर्व कहा जाता है. चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती को लगभग तीन दिन का व्रत रखना होता है जिसमें से दो दिन तो निर्जली व्रत रखा जाता है. आइए आज के इस अंक में जानें छठ के बारे में कुछ विशेष बातें.

क्या है छठ– छठ पर्व छठ और षष्ठी का अपभ्रंश है. कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली मनाने के तुरंत बाद मनाए जाने वाले इस चार दिवसीय व्रत की सबसे कठिन है और महत्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी की होती है. इसी कारण इस व्रत का नामकरण छठ व्रत हो गया.

यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है. पहली बार चैत्र में और दूसरी बार कार्तिक में. चैत्र शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ व कार्तिक शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है.

मार्कण्डेय पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया है और इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी के रूप में जाना जाता है, जो ब्रह्मा की मानस पुत्री और बच्चों की रक्षा करने वाली देवी हैं. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को इन्हीं देवी की पूजा की जाती है. शिशु के जन्म के छह दिनों के बाद भी इन्हीं देवी की पूजा करके बच्चे के स्वस्थ, सफल और दीर्घ आयु की प्रार्थना की जाती है. पुराणों में इन्हीं देवी का नाम कात्यायनी मिलता है, जिनकी नवरात्र की षष्ठी तिथि को पूजा की जाती है. छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है. यह परंपरा कैसे शुरू हुई, इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है. इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी. संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उन्हे पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया. यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किंतु वह शिशु मृत था. इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया. तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी. आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, 'मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं.' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्श किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा. इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी.

बढेगी व्हाट्सऐप की सिक्योरिटी और प्राइवेसी, व्हाट्सऐप लेकर आया नया फीचर

नई दिल्ली । मेटा कंपनी अपने व्हाट्सऐप की सिक्योरिटी और प्राइवेसी को बढ़ा रही है। व्हाट्सऐप एक 'प्राइवेसी चेकअप' फीचर लेकर आया है। यूजर्स के पास इस फीचर की मदद से कंट्रोल आ जाएगा कि कौन उनकी जानकारी को देख सकता है और कौन नहीं। मालूम हो कि यह फीचर एंड्रॉयड और आईओएस, दोनों के लिए उपलब्ध है। एक डेडीकेटेड प्राइवेसी चेकअप पेज के माध्यम से, व्हाट्सएप यूजर्स को यह चुनने की परमिशन देता है कि कौन उनसे कॉन्टैक्ट कर सकता है। इसके अलावा यूजर अपनी पर्सनल जानकारी के लिए ऑडिएंस को भी सिलेक्ट कर सकता है, दूसरों के लिए अपने मैसेजेस और मीडिया तक एक्सेस को भी लिमिटेड कर सकता है। व्हाट्सऐप यूजर्स सेटिंग में जाकर प्राइवेसी वाले ऑप्शन को क्लिक करें। जैसे ही इस फीचर पर क्लिक करेंगे, प्राइवेसी मेन्यू पर सबसे ऊपर 'स्टार्ट चेकअप' बटन के साथ एक पॉप अप बैनर दिखेगा। इसके बाद आपको मल्टिपल प्राइवेसी कंट्रोल ऑप्शन्स मिल जाएंगे। आप खुद से ही यह चुन सकते हैं कि आपसे कौन कॉन्टैक्ट कर सकता है। इस सेक्शन के तहत, यूजर्स यह तय कर सकते हैं कि उन्हें ग्रुप में कौन जोड़ सकता है, अन-नोन कॉल करने वालों को साइलेंट कर सकता है और उनकी ब्लॉक्ड कॉन्टैक्ट लिस्ट भी मैनेज कर सकता है। यूजर्स इस सेक्शन से डिसअपियरिंग मैसेजेस और व्हाट्सएप के लिए नोटिफिकेशन को कंट्रोल करने का ऑप्शन सेट कर सकते हैं। इस सेक्शन के जरिये यूजर्स अपने व्हाट्सऐप पर और ज्यादा प्रोटेक्शन ऐड कर सकते हैं। इस फीचर के जरिये आप फेसियल रिकग्निशन, फिंगरप्रिंट और पिन के साथ स्क्रीन लॉक सेट कर सकते हैं। आप अपनी पर्सनल जानकारी को कंट्रोल कर सकते हैं। यह ऑप्शन यूजर्स को यह चुनने का परमिशन देता है कि उनकी प्रोफाइल फोटो, लास्ट सीन और ऑनलाइन स्टेटस और रीड रिसीट कौन देख सकता है। प्राइवेसी चेकअप फीचर के तहत यूजर्स अपनी चैट में ज्यादा प्राइवेसी ऐड कर सकते हैं।

भाजपा छोड़ कांग्रेस आई अभिनेत्री विजयशांति को मिला अहम पद

हैदराबाद । पूर्व सांसद और अभिनेत्री विजयशांति कांग्रेस में शामिल हो गई हैं। हाल ही में भाजपा से इस्तीफा देने वाली विजयशांति ने शुक्रवार को हैदराबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ली। कांग्रेस ने विजयशांति के पार्टी में शामिल होते ही उन्हें प्रचार और योजना समिति का प्रमुख समन्वयक बनाया है।

क्रिकेट विश्व कप में भारत की जीत के लिये छठ मैया से प्रार्थना

बस्ती । 19 नवम्बर को अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट विश्व कप का फाइनल मैच है। भारत की इस मैच में जीत हो और वह विश्वकप अपने नाम करे, इसके लिए पूरे भारतवासी प्रार्थना कर रहे हैं। शनिवार को विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के संयोजन में अमहट घाट पर छठ मैया का पूजा करके भारत की अजेय विजय की प्रार्थना की गई। छठ मैया से प्रार्थना के बाद अखिलेश सिंह ने कहा कि इससे पहले साल 2011 में भारत में विश्व कप अपने नाम किया था. उस समय भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी थे। जबकि, इस बार भारतीय टीम की बागडोर रोहित शर्मा के हाथ है, टीम के सभी खिलाड़ियों ने अब तब बेहतरीन प्रदर्शन किया है. बता दें, भारत इस विश्व कप में एक बार भी नहीं हारा है। हम सभी भारतीयों को पूरी उम्मीद है कि इस बार का विश्व कप भारत के ही नाम होगा। भारत की इस मैच में जीत हो इसके लिये छठ मैया की प्रार्थना करने वालों में युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी ,जिला संत प्रमुख बाबा जयप्रकाश दास, भजन गायक अमरेश पाण्डेय अमृत, आशीष तिवारी ,अभिषेक सिंह ,उपेंद्र सिंह ,दीपक सिंह, प्रदीप कसौधन, अंकुर कुमार सहित संगठन की मातृशक्ति सुमन सिंह, रागिनी सिंह, अंकिता सिंह, रेनू मिश्रा, दिव्या सिंह, अंजनी सिंह के साथ ही बड़ी संख्या में जनसमूह उपस्थित रहा।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास दो ड्रोन, हेरोइन बरामद

तरनतारन । पंजाब के तरनतारन, अमृतसर और फिरोजपुर जिलों में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास दो ड्रोन के साथ ही एक किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद हुई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई कर सीमा सुरक्षा बल और पंजाब पुलिस के जवानों ने तरनतारन के कलश हवेलियां गांव के बाहरी इलाके में तलाशी अभियान चलाया। अधिकारी ने बताया कि अभियान के दौरान एक खेत से चीन निर्मित क्वाडकॉप्टर (एक प्रकार का ड्रोन) बरामद हुआ। अधिकारी ने कहा कि अमृतसर में बीएसएफ के जवानों ने रतन खुर्द गांव के पास एक खेत से एक और टूटा हुआ ड्रोन और 550 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट बरामद किया।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अगले एक साल तक कोर्ट में पेश नहीं होगा, केंद्र ने लिया फैसला

अमृतसर । गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अगले एक साल तक कोर्ट में पेश नहीं होगा। यह फैसला केन्द्र सरकार ने उसकी सुरक्षा के मद्देनजर लिया है। हालांकि लारेंस विश्नोई का मुद्दा शुरू से अहम रहा है। जब मूसेवाला हत्याकांड में पुलिस उसे पंजाब लेकर आई थी, तब उसके वकीलों ने उसकी सुरक्षा को लेकर अदालत में याचिका दायर की थी। इसके बाद कड़ी सुरक्षा व बुलेट प्रूफ गाड़ियों में उसे पंजाब लाया गया है। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड का मास्टर माइंड व कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई अब पंजाब समेत विभिन्न राज्यों में दर्ज केसों में फिजिकल रूप में पेश नहीं होगा। गुजरात की अहमदाबाद स्थित सेंट्रल जेल से वह ऑनलाइन या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेशी भुगतेगा। केंद्र सरकार ने उनकी सुरक्षा को देखते हुए उस पर सीआरपीसी की धारा 268 लगा दी है। यह बात उस समय सामने आई है जब नशा तस्करी से जुड़े एक केस में लॉरेंस को अमृतसर अदालत ने तलब किया था। उस दौरान गुजरात की जेल की तरफ से उसकी पेशी को लेकर यह जानकारी ईमेल के माध्यम से अदालत को भेजी गई है। अमृतसर की अदालत ने एनडीपीएस से जुड़े केस में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को पेश करने के लिए बठिंडा जेल में समन भेजे थे। इसके बाद बठिंडा जेल अथॉरिटी ने इस समन को ईमेल के माध्यम से अहमदाबाद जेल अथॉरिटी को भेजा था। इसके बाद 6 नवंबर को अहमदाबाद जेल से अमृतसर अदालत को जवाब भेजा गया। इसमें बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से इस मामले में सीआरपीसी 268 लगा दी है। ऐसे में अगले एक साल तक लॉरेंस बिश्नोई ऑनलाइन अपनी पेशी करेगा। निजी रूप में वह पेशी के लिए अदालत नहीं आएगा। यहां गौरतलब है कि तीन महीने पहले 23 अगस्त को लॉरेंस बिश्नोई को सेंट्रल जेल बठिंडा से गुजरात शिफ्ट किया गया था। इस दौरान उसे जहाज से गुजरात भेजा गया था। वहां पर उस पर नशा तस्करी से जुड़ा केस दर्ज है। असल में जब किसी मामले में राज्य या केंद्र सरकार दंड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 268 का प्रयोग करती है, तो उसकी तीन वजह हो सकती हैं। एक तो यह है कि ऐसा व्यक्ति जेल में बंद है, जिसने कोई जघन्य अपराध किया हुआ है। साधारण भाषा में कहें तो राज्य सरकार जेल में बंद ऐसे व्यक्ति को न्यायालय के समक्ष पेश होने पर रोक लगा सकती है जिसके कारण लोकशांति, लोक-व्यवस्था भंग होने की संभावना हो।

पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में नई जानकारियों से हमेशा अवगत रहना होगा: मुर्मू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपराधियों के कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल 'डीप फेक' बनाने संबंधी समस्या पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में नई जानकारियों से हमेशा अवगत रहना होगा।

मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन में उनसे मुलाकात करने आए 2022 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) परिवीक्षाधीन अधिकारियों के एक समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पुलिस बलों के सामने साइबर अपराध, मादक पदार्थ, वामपंथी उग्रवाद और आतंकवाद जैसी कई चुनौतियां हैं। राष्ट्रपति ने कहा, 'नई तकनीक और सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण परिस्थितियां तेजी से बदलती हैं। 'जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' का इस्तेमाल अपराधी करते हैं और 'डीप फेक' जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं।' उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों को तकनीक के क्षेत्र में हमेशा नई जानकारियों से अवगत रहना होगा।

'डीप फेक' तकनीक शक्तिशाली कंप्यूटर और शिक्षा का उपयोग करके वीडियो, छवियों, ऑडियो में हेरफेर करने की एक विधि है। राष्ट्रपति ने कहा कि पुलिस प्रशासन और कानून व्यवस्था की मुख्य जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है। मुर्मू के हवाले से राष्ट्रपति भवन द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है, 'लेकिन, आईपीएस अधिकारी राज्य सरकारों द्वारा नियुक्त पुलिसकर्मियों को नेतृत्व प्रदान करते हैं। इस प्रकार देश की पुलिस व्यवस्था को एक अखिल भारतीय सूत्र में पिरोने का कार्य भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी करते हैं।' राष्ट्रपति ने कहा कि आर्थिक एवं सामाजिक विकास के लिए सुदृढ़ कानून-व्यवस्था आवश्यक शर्त है। उन्होंने कहा कि पुलिस बलों ने देश में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और देश की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अमूल्य योगदान दिया है। मुर्मू ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक नागरिक की प्रतिभा और क्षमता के विकास के लिए मौका प्रदान करना है। उन्होंने कहा, 'यह हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकता है कि सभी नागरिक विकास यात्रा में भागीदार बनें।' उन्होंने कहा कि 'अमृत काल' में देश को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को पूरा करने में पुलिस अधिकारी भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

ज्ञानवापी परिसर का सर्वे पूरा,रिपोर्ट जमा करने के लिए मिला 10 और दिन का वक्त

वाराणसी। वाराणसी जिला अदालत ने शनिवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की वैज्ञानिक सर्वेक्षण रिपोर्ट जमा करने के लिए 10 और दिन का समय दिया। एएसआई को पहले रिपोर्ट सौंपने के लिए 17 नवंबर तक का समय दिया गया था लेकिन शुक्रवार को उसके वकील ने अदालत से 15 दिन और मांगे। हिंदू पक्ष के वकील मदन मोहन यादव के मुताबिक, तकनीकी रिपोर्ट नहीं आने के कारण एएसआई ने और समय मांगा है। मामले की सुनवाई करते हुए जिला न्यायाधीश एके विश्वेश ने एएसआई को 28 नवंबर तक अपनी रिपोर्ट सौंपने को कहा। 2 नवंबर को एएसआई ने अदालत को बताया कि उसने सर्वेक्षण पूरा कर लिया है, लेकिन सर्वेक्षण कार्य में उपयोग किए गए उपकरणों के विवरण के साथ रिपोर्ट संकलित करने में कुछ और समय लग सकता है। इसके बाद अदालत ने दस्तावेज़ जमा करने के लिए 17 नवंबर तक का अतिरिक्त समय दे दिया। 5 अक्टूबर को कोर्ट ने एएसआई को चार हफ्ते का और वक्त दिया और कहा कि सर्वे की अवधि इससे ज्यादा नहीं बढ़ाई जाएगी।

यूपी बनेगा एक्सप्रेसवेज राज्य, सीएम योगी ने दो और एक्सप्रेसवे बनने को मंजूरी दी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में एक्सप्रेसवेज निर्माण की स्थिति की समीक्षा कर प्रदेश में दो नए एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। विशेष बैठक में सीएम योगी ने फर्रूखाबाद को गंगा एक्सप्रेस वे से जोड़ने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए हैं।

साथ ही, सीएम योगी ने आदेश दिया कि गंगा एक्सप्रेसवे, बलिया लिंक और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे की कार्यवाही को पूरी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा के भीतर पूरा करा लिया जाए। इसके अलावा, बुंदेलखंड एक्सप्रेस की राइडिंग क्वालिटी को और बेहतर करने के लिए जारी अनुरक्षण कार्य को समय से पूरा करने के आदेश सीएम योगी ने दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ने के एक लिंक एक्सप्रेस-वे की जरूरत है। इस एक परियोजना से सभी एक्सप्रेस-वे आपस मे जुड़ जाएंगे। सीएम योगी ने लगभग 60 किलोमीटर के इस लिंक एक्सप्रेस-वे के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर प्रस्तुत करने के लिए कहा है।

वहीं मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को सौर एक्सप्रेस-वे के रूप में विकसित करने की गति तेज करने के लिए कह दिया। इसी तरह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उत्तरी स्लोप पर पौधारोपण और दक्षिणी स्लोप पर सौर ऊर्जा प्रकल्पों को विकसित करने के निर्देश दिए।

साथ ही, मुख्यमंत्री ने बताया कि चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के लिए बजट भी दिया जा चुका है। प्रारंभिक अध्ययन के अनुसार 04 लेन (06 लेन तक विस्तारणीय) चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे लगभग 14 किमी का होगा। सीएम योगी ने आदेश दिया कि इसके लिए विकासकर्ता का चयन यथाशीघ्र कर लिया जाए।

पूर्वांचल, बुंदेलखंड, गंगा, आगरा-लखनऊ और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस के दोनों ओर औद्योगिक क्लस्टर के विकास की प्रक्रिया तेज करें। बता दें, गंगा एक्सप्रेस वे के किनारे 11, बुंदेलखंड में 06, आगरा-लखनऊ में 05, पूर्वांचल में 06 और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे में 02 औद्योगिक गलियारे विकसित करने की तैयारी की जा रही हैं।

बैठक में बताया गया कि मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने वाली गंगा एक्सप्रेसवे के लिए आवश्यक भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। नवंबर 2022 से इसका कार्य प्रारंभ हो चुका है। यह एक्सप्रेसवे प्रत्येक दशा में दिसंबर 2024 तक आम जनता के लिए उपलब्ध कराने का लक्ष्य योगी सरकार द्वारा रखा गया है, ताकि प्रयागराज कुंभ 2025 में देश-दुनिया के श्रद्धालुगण गंगा एक्सप्रेसवे पर यात्रा का लाभ उठा सकें।

नीतीश कुमार बिहार में आपातकाल जैसे हालात बना रहे हैं: सुशील मोदी

-शिक्षकों को संघ या मंच बनाने से रोकना गलत

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने शुक्रवार को कहा कि बीपीएससी के शिक्षकों को संघ या मंच बनाने से रोकने की कार्रवाई कर नीतीश कुमार राज्य में आपातकाल-जैसी स्थिति बना रहे हैं।

सुशील मोदी ने बयान जारी कर कहा कि बीपीएससी के शिक्षक अभ्यर्थियों और नवनियुक्त शिक्षकों के लोकतंत्रिक अधिकार कुचले जा रहे हैं। कल अन्य कर्मचारियों पर यही सख्ती होगी और फिर विपक्ष की आवाज दबाई जाएगी। उन्होंने कहा कि बीपीएससी नवनियुक्त शिक्षक संघ गठित करने के आरोप में मधुबनी की शिक्षिका बबीता चौरसिया की नियुक्ति आनन-फानन में रद्द करना अतिपिछड़ा समाज का अपमान है। सरकार को यह आदेश वापस लेना चाहिए।

उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार ने यूट्यूबर पत्रकार मनीष कश्यप को फर्जी मामले में गिरफ्तार कर पहले ही अपना तानाशाही चेहरा दिखा दिया था। मीडिया पर भी सरकार विरोधी सामग्री न छापने का दबाव बढ़ता जा रहा है और अब इनके निशाने पर हैं युवा शिक्षक हैं। उन्होंने कहा कि जो सरकार बालू-शराब माफिया के आगे घुटने टेक चुकी है वह आयोग की शिक्षक भर्ती परीक्षा पर सवाल उठाने वाले करीब 6 युवा अभ्यर्थियों को नोटिस देकर उन्हें डराना चाहती है। मोदी ने चुनौती देते हुए कहा कि शिक्षक अभ्यर्थियों के नाम-फोटो सार्वजनिक करने वाली सरकार में यदि हिम्मत है तो वह जमुई में दारोगा की हत्या के आरोपियों के नाम भी फोटो के साथ सार्वजनिक करे। उन्होंने कहा कि जब आपातकाल का विरोध करने वाले लालू प्रसाद यादव और नीतीश कुमार ही आपातकाल थोपने वाली कांग्रेस की गोद में चले गए हैं तो वे लोकतंत्र का गला दबाएंगे। भाजपा सांसद ने कहा कि जब इंदिरा गांधी की तानाशाही नहीं चली तो इस सरकार की तानाशाही भी नहीं चलेगी।

राजनाथ सिंह ने सिंगापुर में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंडोनेशिया से लौटते समय शनिवार को सिंगापुर का संक्षिप्त दौरा किया। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सिंह ने सिंगापुर में आजाद हिंद फौज (आईएनए) स्मारक में नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पुष्पांजलि अर्पित की। रक्षा मंत्री ने 10 देशों वाले आसियान समूह और उसके कुछ संवाद भागीदारों की बैठक में भाग लेने के लिए इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता की दो दिवसीय यात्रा की। मंत्रालय ने कहा, 'इंडोनेशिया की अपनी यात्रा पूरी करने के बाद, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने देश लौटते समय 18 नवंबर को सिंगापुर का संक्षिप्त दौरा किया।' मंत्रालय ने कहा कि आईएनए के 'अज्ञात योद्धाओं' की स्मृति में एक स्मारक के निर्माण का प्रस्ताव खुद नेताजी ने किया था और उन्होंने जुलाई 1945 में इसकी आधारशिला रखी थी। सिंह ने 'एक्स' पर कहा, 'सिंगापुर में आईएनए स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। आईएनए के अज्ञात योद्धाओं को मेरी हार्दिक श्रद्धांजलि।' मंत्रालय ने कहा कि रक्षा मंत्री ने भगवान विष्णु को समर्पित श्री श्रीनिवास पेरुमल मंदिर में भी पूजा-अर्चना की, जो सिंगापुर के सबसे पुराने हिंदू मंदिरों में से एक है।

पूर्व पीएम राजीव गांधी के हत्यादोषियों ने परिवार के साथ रहने की याचना की

-विशेष शिविर में रह रहे पायस नीदरलैंड्स जबकि जयकुमार चेन्नई में रहने की अपील की

-राजीव गांधी की हत्या रिहाई के बाद भी नरक भोग रहे हैं, के दोषियों ने हाई कोर्ट से लगाई गुहार

चेन्नई (एजेंसी)। त्रिची के स्पेशल कैंप में रह रहे पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या के दोषियों ने विसंगतियों का हवाला देते हुए मद्रास हाई कोर्ट से रिहाई की मांग करते हुए अपने परिवार के साथ रहने की अपील की है। याचक रॉबर्ट पायस नीदरलैंड्स जबकि एस जयकुमार चेन्नई स्थित अपने परिवार के साथ रहना चाहता है। गौरतलब है कि नवंबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट के इस संबंध में दिये आदेश के बाद जेल में बचे सभी 6 दोषियों को रिहा कर दिया गया था जबकि 2 लोगों को त्रिची के स्पेशल कैंप में रखा गया है।

याचिका में कहा गया है कि कैंप की स्थिति जेल से भी बदतर है। उन्हें अपने कमरों से निकलकर वहां के ही लोगों से मिलने नहीं दिया जाता है। उन्हें बाहर घूमने टहलने भी नहीं जाने दिया जाता है। उनका कहना है, अगर स्थिति ऐसी ही बनी रही तो वे मानसिक रोग का शिकार हो जाएंगे। त्रिची डीएम के साल 2022 के एक साक्षात्कार में बताया गया था कि उन्हें श्रीलंका डीपोर्ट किया जाएगा और 10 दिन में ही आदेश आने वाला था। हालांकि कई महीने बीत जाने के बाद भी कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। इसका मतलब है कि श्रीलंका उन्हें नहीं बुलाना चाहता है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीलंका वापस जाना उनके लिए मौत जैसा होगा।

रॉबर्ट पायस ने कहा कि वह अपने वकील के माध्यम से ऐसे संगठनों से संपर्क कर रहे हैं जो कि उन्हे नीदरलैंड भेजने में मदद करें। बता दें कि पायस का परिवार इस वक्त नीदरलैंड्स में ही रहता है। उनका कहना है कि कैंप में हिरासत में होने की वजह से वह प्रशासन के सामने कोई प्रक्रिया पूरी करने के लिए पेश भी नहीं हो पाते। वहीं जयकुमार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें आंख की सर्जरी करवाने को कहा है अन्यथा उनकी रोशनी जा सकती है।

इन दोनों का कहना है कि उन्हें आंख के इलाज के लिए चेन्नई और मदुरै ले जाया गया था लेकिन डिटेंशन कैंप में होने की वजह से उनका ठीक से इलाज नहीं हो पाया। जस्टिस जीआर स्वामिनाथन ने जयकुमार की याचिका पर सुनवाई 21 नवंबर तक के लिए टाली है।

गौरतलब है कि 21 मई 1991 को एक चुनावी रैली के दौरान तत्कालीन पीएम राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 41 लोगों को आरोपी बनाया गया था जिनमें से 12 की मौत हो गई थी जबकि तीन पोट्टू ओम्मान, अकीला और प्रभाकरण फरार हो गए थे। 26 लोग पकड़ में आए थे जिनमें से कुछ श्रीलंका के नागरिक थे। साल 1998 में टाडा कोर्ट ने 26 आरोपियों को मौत की सजा सुनाई थी।

टाडा कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने 26 में से 19 आरोपियों को रिहा कर दिया। सात दोषियों की सजा को बरकरार रखा गया जिसे बाद में बदलकर उम्रकैद कर दिया गया।

तूफान का असर: पश्चिम बंगाल, ओडिशा समेत पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश के आसार

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी से उठा तूफानी चक्रवात मिधिली के कारण पश्चिम बंगाल,ओडिशा सहित कई राज्यों में भारी बारिश के आसार बन रहे हैं। तूफान के खतरे को देखते हुए मछुआरों को बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तटों के पास नहीं जाने की सलाह दी गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, चक्रवाती तूफान मिधिली शनिवार सुबह कमजोर होकर त्रिपुरा और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर एक गहरे दबाव में बदल गया है। इसके अगले छह घंटों में दक्षिण असम और उससे सटे मिजोरम और त्रिपुरा के ऊपर उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है। बता दें कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को एक चक्रवाती तूफान में बदल गया। इसके कारण पश्चिम बंगाल, ओडिशा समेत पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान 'मिधिली' 17 नवंबर की रात या 18 नवंबर की सुबह बांग्लादेश तट को पार कर सकता है। मछुआरों को 18 नवंबर तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल के तटों के पास समुद्र में न जाने के लिए कहा है। मौसम विभाग ने पहले कहा था कि चक्रवाती तूफान बांग्लादेश तट पर पहुंचने से पहले सुंदरबन से आगे बढ़ेगा। आईएमडी ने अपने बुलेटिन में कहा, चक्रवाती तूफान मिधिली कमजोर होकर त्रिपुरा और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर मैजडीकोर्ट (बांग्लादेश) से लगभग 50 किमी उत्तर-पूर्व और अगरतला से 60 किमी दक्षिण-पूर्व में गहरे दबाव में बदल गया है।पूर्वोत्तर राज्यों (मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा और असम) में भारी बारिश हुई है। बंगाल की खाड़ी के ऊपर गहरे दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को चक्रवाती तूफान में बदल गया। आईएमडी के मुताबिक शनिवार को भी मौसम की यही स्थिति बनी रहने की संभावना है।

मिजोरम के जिला प्रशासन और जिला आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने नोटिस जारी कर लोगों को सतर्क रहने और बारिश के कारण होने वाली किसी भी घटना के खिलाफ एहतियाती कदम उठाने को कहा है।इस बीच आईएमडी ने त्रिपुरा के चार जिलों में रेड अलर्ट जारी कर दिया है। आईएमडी ने आइजोल जिले में 17 से 18 नवंबर की सुबह के बीच 51 मिमी बारिश का अनुमान लगाया है। अन्य जिलों- चम्फाई (52 मिमी), कोलासिब (58 मिमी), लॉन्टलाई (52 मिमी) और ममित (56 मिमी) में भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। इस तूफान को 'मिधिली' नाम मालदीव द्वारा दिया गया है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी के चक्रवातों से प्रभावित देश बारी-बारी से एक क्रम में चक्रवातों के नाम देते हैं। चक्रवात 'मिधिली' का ओडिशा पर कोई बड़ा प्रभाव पड़ने के आसार न के बराबर हैं, क्योंकि यह राज्य के तट से 150 किलोमीटर ऊपर से गुजरेगा।

हालांकि, आईएमडी वैज्ञानिक उमाशंकर दास ने कहा कि केंद्रपाड़ा और जगतसिंहपुर जैसे कुछ जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। इस बीच, ओडिशा के विशेष राहत आयुक्त (एसआरसी) ने चक्रवात के मद्देनजर सभी जिला अधिकारियों को सतर्कता बरतने को कहा है। एसआरसी सत्यव्रत साहू ने कहा, हम किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतना चाहते और सतर्कता बरती जा रही है। मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवाती तूफान से पश्चिम बंगाल के तटीय जिलों और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश होने का अनुमान है। इस मौसमी गतिविधि के कारण शुक्रवार को पूर्वोत्तर राज्यों मिजोरम और त्रिपुरा, नगालैंड, मणिपुर, दक्षिण असम और पूर्वी मेघालय में शनिवार तक बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। इस मौसम के दौरान दूसरी बार गहरे दबाव का क्षेत्र बना है।

दो दशक पुराना ओसामा बिन लादेन का खत बना अमेरिका के लिए मुसीबत

-सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर वायरल होते ही मची खलबली, बताया 9/11 हमले का कारण

वॉशिंगटन। दो दशक बाद ओसामा बिन लादेन का एक खत सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इससे अमेरिका की नींद उड़ गई है। जानकारी के अनुसार आतंकी संगठन अल कायदा के पूर्व प्रमुख ओसामा बिन लादेन का यह खत टिकटॉक पर वायरल हो रहा है, जिसकी चर्चा अमेरिका तक पहुंच चुकी है।

ओसामा के इस खत को कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया और इसे एक्स पर फिर से साझा किया। इस पत्र में बिन लादेन ने बताया था कि उसने 9/11 हमले को क्यों अंजाम दिया और साथ ही उसने अमेरिका के खिलाफ जेहाद छेड़ने का ऐलान किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लादेन के 2002 के 'लेटर टू अमेरिका' के बाद हमास के साथ मौजूदा संघर्ष में इजरायल को अमेरिकी समर्थन के बारे में बहस छिड़ने के बाद टिकटॉक ने अपनी सर्च से हटा दिया है। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स ने कहा कि अल कायदा फाउंडर का दस्तावेज मिडिल ईस्ट में संघर्षों में अमेरिका की भागीदारी के बारे में एक वैकल्पिक दृष्टिकोण देता है, जिसकी व्हाइट हाउस ने कड़ी निंदा की है। यह मामला तब सुर्खियों में आया जब यूजर्स ने एक खत की प्रतिलिपि का लिंक साझा किया। यह खत 11 सितंबर, 2001 के हमलों के एक साल बाद लिखा गया था। इस हमले में 3,000 से अधिक लोग मारे गए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक खत की भाषा यहूदी विरोधी है। पत्र में, बिन लादेन ने अमेरिकी लोगों से कुछ सवालों के जवाब मांगे, जिनमें हम आपसे क्यों लड़ रहे हैं, और आपका विरोध कर रहे हैं? और हम आपको किस लिए बुला रहे हैं, और हम आपसे क्या चाहते हैं? हालांकि इसने बिन लादेन के खत की वैधता और नैतिकता के बारे में सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है। कुछ लोगों ने सहानुभूति भी व्यक्त की, जबकि अन्य ने इसकी निंदा की या इसका मजाक उड़ाया। वायरल खत पर चर्चा करने वाले लोगों ने कहा कि इससे उन्हें इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी युद्धों के बारे में अपनी मान्यताओं का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ा। उन्होंने यह भी कहा कि वे 9/11 के हमले के लिए बिन लादेन की साजिश की प्रशंसा या बचाव नहीं कर रहे हैं। टिकटॉक के आलोचकों ने तर्क दिया कि यह सबूत है कि चीनी तकनीकी दिग्गज बाइटडांस के स्वामित्व वाला ऐप गुप्त रूप से अमेरिकी युवाओं के बीच प्रोपेगेंडा को बढ़ावा दे रहा था। बिन लादेन के पत्र में इजरायल के लिए अमेरिकी समर्थन की भी आलोचना की गई और अमेरिका पर फिलिस्तीनी लोगों के उत्पीड़न में सहायता करने का आरोप लगाया गया।

बेशकीमती पेंटिंग को फेंकने जा रही थी महिला, कीमत पता चली तो महिला के उड़े होश!

पेरिस। एक महिला अपने ही घर में मौजूद खज़ाने को पहचान नहीं पाई और इसे फेंकने जा रही थी। महिला अपने घर की रसोई में सालों से इस पेंटिंग को टंगा हुआ देख रही थी। उसने हमेशा इसे एक मामूली पेंटिंग के तौर पर ही देखा लेकिन उसे नहीं पता था कि वाकई ये किसी खज़ाने से कम नहीं है। साल 2019 में साफ-सफाई का काम करने के दौरान उसने इसे कूड़े में फेंकने का भी मन बना लिया था, तभी उसकी किस्मत चमक गई। जिस महिला के घर पेंटिंग मिली, उसकी उम्र 90 साल से ज्यादा है। उसे 4 साल पहले ये पेंटिंग मिली थी, जिसकी कीमत नीलामी के दौरान 25 मिलियन डॉलर यानि 208 करोड़ रुपये लगी है। इसे चिली के अरबपति अलवारो सैह बेंडेक और उनकी पत्नी एना गुजमैन अह्नफेल्ट ने अपने प्राइवेट कलेक्शन के लिए खरीदा था। हालांकि फ्रांस की सरकार ने पेंटिंग को जब निर्यात लाइसेंस देने से इनकार कर दिया तो परेशानी खड़ी हो गई। अब म्यूज़ियम को पेंटिंग अपने पास रखने के लिए ज़रूरी फंड जमा करने के लिए 30 महीने का वक्त दिया गया है। म्यूज़ियम इस पेंटिंग के लिए सरकार को कितना फंड दे रही है, इसके बारे में जानकारी नहीं है। इसके पेंटर का नाम सिमाबू है और उनकी एक और पेंटिंग मिस्टा म्यूज़ियम में मौजूद है। फिलहाल इसकी मरम्मत का काम हो रहा है। 208 करोड़ में नीलाम होने वाली पेंटिंग क्रिस्ट मॉक्ड को साल 2025 में स्प्रिंग एग्ज़ीबिशन में पेश किया जाएगा। मालूम हो कि कई बार हमारे घर में ही कुछ ऐसी चीज़ें होती हैं, जिनके बारे में हमें जानकारी नहीं होती है। हम उन्हें मामूली समझने की भूल कर देते हैं लेकिन वो बेशकीमती होती हैं।

टोरंटो के इतिहास की सबसे बड़ी ड्रग खेप बरामद, 7 गिरफ्तार

टोरंटो। कनाडा की टोरंटो पुलिस ने इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी नशीली दवाओं की खेप बरामद की है। टोरंटो पुलिस का कहना है कि जीटीए में सक्रिय नशीली दवाओं की तस्करी नेटवर्क की जांच के परिणामस्वरूप 7 गिरफ्तारियां हुई हैं। मामले में कई पंजाबी भी फंसने की आशंका है। पुलिस ने कहा कि प्रोजेक्ट फिनिटो के तहत 3.5 महीने की जांच के दौरान 551 किलोग्राम कोकीन और 441 किलोग्राम क्रिस्टल मेथमफेटामाइन जब्त हुआ है। टोरंटो पुलिस ने कहा कि दवाओं की अनुमानित सड़क कीमत 90 मिलियन डॉलर है। जांच के दौरान जब्त की गई अन्य वस्तुओं में एक बन्दूक, एक वाहन और कनाडाई मुद्रा में लगभग 95,000 शामिल हैं। यह दवा मुख्य रूप से अमेरिका से कनाडा में आई है। उन्होंने कहा कि मामले के संबंध में गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध जीटीए के निवासी हैं और कथित तौर पर मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क में काम कर रहे हैं। इस मामले के संबंध में अजाक्स के दो लोगों, 20 वर्षीय कैमरून लॉन्गमोर और 25 वर्षीय जुबायुल हक पर आरोप लगाया गया है। लॉन्गमोर को तस्करी के दो मामलों का सामना करना पड़ सकता है। हॉक पर तस्करी के उद्देश्य से 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय को कब्जे में लेने का आरोप लगाया गया है। उस पर अवैध रूप से आग्नेयास्त्र रखने, भरी हुई प्रतिबंधित या प्रतिबंधित बंदूक रखने का एक मामला और मोटर वाहन में अवैध हथियार रखने का एक मामला दर्ज किया गया है। एटोबिकोक निवासी 37 वर्षीय ब्रायन शेरिट और 30 वर्षीय अबुबकर मुहम्मद पर दुष्कर्म के इरादे और साजिश के साथ तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। मुहम्मद पर 5,000 डॉलर से अधिक की अपराध आय रखने का भी आरोप है। मिसिसॉगा के 25 वर्षीय तेनजिन पाल्डेन पर तस्करी और साजिश रचने और अभियोग योग्य अपराध करने के इरादे का आरोप लगाया गया है। मामले में टोरंटो के दो लोगों, बशीर हसन आब्दी (34) और लूचो लोडर (43) को गिरफ्तार किया गया था।

लाहौर की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब रही

लाहौर। भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान की हवा भी बेहद जहरीली हो गई है। दिल्ली हो या लाहौर, यहां का प्रदूषण बेहद समान है। रिपोर्ट के अनुसार, गुरुवार (16 नवंबर) को पूरे दिन लाहौर अस्वास्थ्यकर वायु गुणवत्ता स्तर के साथ वैश्विक प्रदूषण रैंकिंग में टॉप पर रहा। पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा शहर स्मॉग संकट से जूझ रहा है। लाखों लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका इससे प्रभावित हो सकती है। स्विस वायु गुणवत्ता प्रौद्योगिकी कंपनी के अनुसार, लाहौर की वायु गुणवत्ता दुनिया में सबसे खराब रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) खतरनाक 470 पर रहा, इसके बाद दिल्ली में 302 और कराची में 204 पर पहुंचा। अखबार के अनुसार, वाहन उत्सर्जन, औद्योगिक प्रदूषण और फसल जलाने के कारण होने वाला धुआं खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। सबसे हानिकारक कण पीएम 2.5 की सांद्रता डब्ल्यूएचओ की वार्षिक वायु गुणवत्ता दिशानिर्देश मूल्य से 15 गुना से अधिक है। धुंध के कारण शहर में दृश्यता कम हुई और उड़ान संचालन बाधित हो गया है। लाहौर के कई निवासियों ने जहरीली हवा के कारण सांस समस्याओं, आंखों में संक्रमण और त्वचा रोगों की शिकायत की है। कुछ लोगों ने धुंध से बचने के लिए शहर भी छोड़ दिया है।

फिनलैंड ने रूसी सीमा पर 4 क्रॉसिंग प्वॉइंट बंद किए

हेलसिंकी। फिनलैंड सरकार ने शरण चाहने वालों की वृद्धि को रोकने के प्रयास में रूस के साथ लगाने वाली सीमा पर चार क्रॉसिंग प?वॉइंट को बंद करने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, फिनिश बॉर्डर गार्ड के अनुसार, इस सप्ताह लगभग 300 शरण चाहने वाले देश में पहुंचे। सिर्फ शुक्रवार को 100 आगमन हुए। हेलसिंकी द्वारा मॉस्को पर नॉर्डिक राष्ट्र के नाटो में शामिल होने के प्रतिशोध में प्रवासियों को क्रॉसिंग पर भेजने का आरोप लगाने के बाद दक्षिण-पूर्व फिनलैंड में वलीमा, नुइजामा, इमात्रा और नीराला सीमा चौकियों को बंद कर दिया गया।

केन्या के मोम्बासा के किसौनी जिले में भारी बारिश के बाद लोग सड़क पर बाढ़ के पानी से होकर गुजरता हुए।

संयुक्त राष्ट्र ने गाजा में भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी रोकी

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा कि ईंधन की कमी के कारण एन्क्लेव में इंटरनेट और टेलीफोन सेवाएं ध्वस्त होने के बाद गाजा में भोजन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा। संयुक्त राष्ट्र ने भी इजराइल और हमास के बीच बढ़ते युद्ध के बीच व्यापक भुखमरी के बढ़ते खतरे की चेतावनी दी है। इस बीच, इजराइल संयुक्त राष्ट्र और दूरसंचार प्रणालियों के लिए ईंधन के दो टैंकर ट्रकों की अनुमति देने पर सहमत हुआ, हालांकि, कहा जाता है कि यह राशि गाजा में नागरिकों के जीवन रक्षक कार्यों के लिए आवश्यक मात्रा से आधी होगी। फिलिस्तीनी दूरसंचार कंपनी पालटेल ने कहा कि जनरेटर को फिर से शुरू करने के लिए ईंधन मिलने के बाद सेवाएं आंशिक रूप से बहाल कर दी गईं। वहीं इजरायली सेना ने सबसे बड़े अल शिफा अस्पताल पर कब्जा कर दावा किया है कि उस स्थान पर हमास का प्रमुख कमांड सेंटर मौजूद है, इजरायली रक्षा बल (आईडीएफ) प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें भूमिगत बुनियादी ढांचे और बंधकों के बारे में जानकारी मिली है। संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने कहा कि खाद्य आपूर्ति की कमी के कारण नागरिकों को तत्काल भुखमरी की संभावना का सामना करना पड़ा। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि हाल ही में दक्षिण गाजा के खान यूनिस शहर में इजरायली सेना के हवाई हमले में लगभग 26 फिलिस्तीनी मारे गए। मानवीय विराम के लिए नए सिरे से आह्वान कर संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादी प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ्स ने कहा, आप जो चाहें कहें, लेकिन मानवीय दृष्टिकोण से आवश्यकता सरल है।

पुतिन के एक दर्जन से अधिक विरोधियों की मौत, बेड पर मिली पूर्व जनरल और उनकी पत्नी की लाश

मॉस्को (एजेंसी)। रुस के राष्ट्रपतित ब्लामिर पुतिन के विरोधियों की एक-एक कर रहस्यमय तरीके से मौत हो रही है। अब तक एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। देखने में आ रहा है कि यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध के बीच पुतिन के फैसलों को लेकर आए दिन आलोचना हो रही है। हालांकि एक दिलचस्प बात यह है कि पुतिन का जिसने भी विरोध किया उनमें से कई लोगों की रहस्यमयी तरीके से मौत हो गई। इसी कड़ी में एक नया नाम जुड़ गया है पूर्व रूसी जनरल व्लादिमीर स्विरिडोव का, जिनकी हाल ही में उनकी पत्नी के साथ बेड पर लाश मिली है। एयर फोर्स की ट्रेनिंग को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन की आलोचना करने वाले पूर्व रूसी जनरल व्लादिमीर स्विरिडोव संदिग्ध अवस्था में मृत पाए गए हैं।

अमेरिका से आ रहीं खबरों के मुताबिक 68 वर्षीय स्विरिडोव का शव बुधवार को एक अज्ञात महिला के साथ मिला था। हालांकि बाद में बताया गया मृतक महिला स्विरिडोव की पत्नी थी।पति-पत्नी की लाश उनके एंडजिएव्स्की गांव स्थित घर में बिस्तर पर एक साथ मिली। स्विरिडोव ने रूस की छठी वायु सेना और वायु रक्षा बल सेना की कमान संभाली थी। साल 2007 में स्विरिडोव ने एक इंटरव्यू में पुतिन की आलोचना करते हुए पायलटों की ट्रेनिंग को लेक चिंता जाहिर की थी, युद्ध की तैयारी के लिए हर साल 100 घंटों के मुकाबले में सेना की औसत उड़ान का समय 25 से 30 घंटे था। हालांकि स्विरिडोव की मौत में हिंसा का कोई सबूत नहीं मिला है। क्रेमलिन ने पूर्व रूसी जनरल के निधन पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

इससे पहले ओडिशा में रूसी बिजनेसमैन पावेल एंतोव की होटल में लाश मिली थी। उन्होंने भी यूक्रेन हमले को लेकर पुतिन का विरोध किया था। हालांकि यही एक-दो नाम नहीं है। बल्कि पुतिन के विरोधियों के मरने की फेहरिस्त लंबी है। साल 2015 में रूस के नेम्तसोव की हत्या हो गई थी। वो पोस्ट-सोवियत के एक पॉलिटिकल स्टार माने जाते थे। वो डिप्टी पीएम तक बन गए थे। वहीं कुछ लोग उन्हें राष्ट्रपति के पद के लिए अच्छा उम्मीदवार मानने लगे थे। लेकिन पुतिन चुनाव जीत गए।

इसके बाद साल 2011 में उन्होंने चुनाव में हुए घोटाले को लेकर रैली निकाली. करीब 4 साल बाद यूक्रेन में रूस की सैन्य भागीदारी के खिलाफ एक मार्च में शामिल होने के कुछ घंटों बाद ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। स्टैनिस्लाव मार्केलोव और अनास्तासिया बाबूरोवा की हत्या की दी गई। मार्केलोव एक मानवाधिकार वकील थे, जिन्होंने उन पत्रकारों का भी प्रतिनिधित्व किया, जिन्होंने पुतिन के खिलाफ लेख लिखा था। मार्केलोव की साल 2009 में अज्ञात बंदूकधारी ने हत्या कर दी। सर्गेई युशेनकोव की मास्को में उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। युशेनकोव सबूत एकत्रित कर रहे थे। क्योंकि उनका मानना था कि 1999 में एक अपार्टमेंट बम विस्फोट के पीछे पुतिन सरकार का हाथ था। सर्गेई मैग्निटस्की, एलेक्जेंडर, नतालिया एस्टेमिरोवा, अन्ना पोलितकोवस्काया, अलेक्जेंडर लिट्विनेंको, यूरी शेकोचिखिन और वैग्नर चीफ की भी हत्या हो चुकी है।

अरब देशों के साथ मिलकर गाजा में प्रशासन चला सकता है इस्राइल

– संयुक्त राष्ट्र में इस्राइली राजनयिक गिलाड एरदान ने संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों पर पदों के दुरुपयोग का लगाया आरोप

वाशिंगटन (एजेंसी)। हमास के खात्मे और ऑपरेशन पूरा होने के बाद इस्राइल अरब देशों के साथ मिलकर गाजा के भविष्य पर बात करेगा। संयुक्त राष्ट्र में इस्राइली राजनयिक गिलाड एरदान ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि गाजा में मिलकर अरब देशों से इस संबंध में अभी इस्राइल ने बात शुरू नहीं की है लेकिन जल्द ही अरब देशों के साथ मिलकर गाजा में प्रशासन चलाना संभव होगा। गिलाड ने कहा मुझे विश्वास है कि कई अरब देश ये जानते हैं कि हमास जितना हमारा दुश्मन है, उतना ही वह कई नरमपंथी मुस्लिम देशों का भी दुश्मन है। गिलाड ने ये भी कहा कि इस्राइल गाजा में संयुक्त राष्ट्र के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय बलों की तैनाती को स्वीकार नहीं करेगा। गिलाड ने इस्राइल हमास युद्ध को लेकर संयुक्त राष्ट्र के बयान की तीखी आलोचना करते हुए गाजा के मौजूदा संकट का ठीकरा संयुक्त राष्ट्र पर फोड़ा। गिलाड ने कहा कि हमास द्वारा गाजा पट्टी को युद्ध की मशीन में बदलने में संयुक्त राष्ट्र की बड़ी भूमिका है। गिलाड ने कहा कि मौजूदा युद्ध को जीतने के बाद इस्राइल, संयुक्त राष्ट्र के साथ अपने संबंधों पर गंभीरता से विचार करेगा। गिलाड ने आरोप लगाया कि संयुक्त राष्ट्र के कुछ अधिकारियों ने अपने पदों का गलत दुरुपयोग किया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की नाक के नीचे 16 साल तक हमास अपनी गतिविधियां चलाता रहा। अंतरराष्ट्रीय दबाव को लेकर गिलाड ने साफ किया कि जब तक इस्राइल हमास का खात्मा नहीं कर देता तब तक नहीं रुकेगा। गिलाड ने हमास के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका राष्ट्रपति के समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

इजरायली सेना ने ढूंढ निकाला हमास के लड़ाकों का अहम ठिकाना

-अल शिफा अस्पताल के पास बनी सुरंग में मिला हथियारों का जखीरा

तेल अवीव (एजेंसी)। इजरायल-हमास जंग के दौरान इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) को हमासा का मुख्य ठिकाना मिल गया है। आईडीएफ ने कहा है कि गाजा के अल शिफा अस्पताल परिसर में हमास के आतंकियों की सुरंग का पता चला है। यहां पर जवानों को रान्तिसी अस्पताल में आतंकवादी की एक और सुरंग मिली है। अल-कुद्स अस्पताल में बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद पाए गए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, इजरायली सेना ने कहा कि गाजा के तीन सबसे बड़े अस्पतालों में हमें हमास आतंकियों के ठिकाने का पता चला है। शाल्डैग एसएफ यूनिट 7वीं ब्रिगेड ने अल शिफा अस्पताल के अंदर हमास के सुरंग निर्माण बुनियादी ढांचे को उजागर किया था। उन्होंने 7 अक्टूबर के नरसंहार के लिए तैयार किए गए एक फंसे हुए वाहन की भी खोज की, जिसमें बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद थे। इजरायली वायु सेना ने इसकी तस्वीर भी पोस्ट की है।

गौरतलब है कि अल-कुद्स अस्पताल में पाए गए हथियारों और गोला-बारूद की तस्वीरें भी शेयर हुई हैं। यह सब पिछले 24 घंटों में हुआ है। इस बीच, इजरायल रक्षा बलों ने कहा कि लड़ाकू विमानों ने दक्षिणी लेबनान में हिज़्बुल्लाह के कई और ठिकानों पर हमला किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने कहा कि ये हमले उत्तरी सीमा पर हुए हमलों के जवाब में किए गए थे। बिरानिट बेस और रोश हानिकरा के उत्तरी समुदाय के पास सीमा पर कई सेना चौकियों पर एंटी टैंक गाइडेड मिसाइलें दागी गईं। हालांकि इन हमलों में अब तक किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। इजरायल रक्षा बल के लेफ्टिनेंट कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने वीडियो में कहा कि हम अल शिफा अस्पताल के एमआरआई सेंटर के अंदर हैं। इजरायली सैनिकों ने कुछ घंटे पहले यहां घुसपैठ की थी और हमने क्षेत्र को खाली कर दिया है, यह सुरक्षित है।

जिन हथियारों को एक्सपोर्ट करने वाला हैं इजराइल उनकी गाजा में टेस्टिंग कर रहा

-हर जंग के बाद इजराइली हथियारों की मांग बढ़ जाती

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध को 40 से ज्यादा दिन बीत चुके हैं। करीब 11 हजार फिलिस्तीनी मारे गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मारे गए लोगों में 4500 के करीब बच्चे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि इजरायल जिन हथियारों को एक्सपोर्ट करने वाला है, वह उनकी टेस्टिंग गाजा में कर रहा है। इसमें कई खतरनाक हथियार शामिल हैं। आयरन स्टिंग के नाम से जाने जाने वाले खतरनाक प्रेसीजन गाइडेड 120 एमएम मोर्टार बम का इस्तेमाल गाजा में तबाही मचाने के लिए खूब हो रहा है। इतना ही नहीं हाइफा के मैन्युफैक्चरर एलबिट सिस्टम ने अपनी वेबसाइट पर इसका प्रचार भी किया है। इजरायल की सेना के साथ कंपनी ने करार किया है।

इजरायली पीएम नेतन्याही की वॉर कैबिनेट का हिस्सा और रक्षामंत्री बेनी गैंट्ज ने कहा है कि आयरन स्टिंग का इस्तेमाल खुले इलाकों के साथ शहरों में हो सकता है। इससे मासूमों को छोड़कर आतंकी ठिकानों को तबाह किया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि इजरायल जिन हथियारों का इस्तेमाल गाजा में तबाही मचाने के लिए कर रहा है, उन हथियारों को खरीदने वाले बहुत हैं। दुनिया के कई देश इन सर्जिकल किलिंग मशीन को खरीदना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक 2014 की लड़ाई के दौरान गाजा में इजरायल ने ड्रोन मिसाइल का इस्तेमाल किया था। इसमें 3 एमएम टंग्सटन ट्यूब का इस्तेमाल होता था जो कि 20 मीटर के दायरे में विस्फोट करती थी। इस दायरे में आने वाले लोगों के मांस में इससे निकलने वाली कीलें घुस जाया करती थीं। 2014 के बाद इजरायली कंपनी द्वारा बनाए जाने वाली ड्रोन और रॉकेटी की मांग तेजी से बढ़ी। वहीं हेरोन टीपी एइटन ड्रोन इजरायल का सबसे बड़ा यूएवी था जो कि 2007 में लांच किया गया था। इस इजरायल की सरकारी कंपनी आईएआई बनाती थी। यह इजरायल की डिफेंस कंपनी द्वारा सबसे ज्यादा निर्यात होने वाला हथियार था। यह लगातार 40 घंटे तक उड़ान भर सकता है और चार मिसाइलें से जा सकता है।

2008-09 की गाजा वॉर के वक्त इसका सबसे पहले इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया कि इससे मासूमों की जान गई थी। ऑपरेशन कास्ट लीड के दौरान गाजा में 353 बच्चे मारे गए थे। ड्रोन से चली मिसाइल ने 116 लोगों की जान ली थी। इसके बाद हेरोन कैटिगरी के ड्रोन की मांग तेजी से बढ़ी। दो साल में कम से कम 100 ड्रोन निर्यात किए गए। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत इजरायल से सबसे ज्यादा हथियार खरीदता है। भारत ने 34 हेरोन ड्रोन भी खरीदे। इसके अलावा फ्रांस ने 24, ब्राजील ने 14, ऑस्ट्रेलिया ने 10 ड्रोन खरीदे। जानकारों का कहना है कि यह नहीं कहा जा सकता कि इजरायल अपने हथियारों को बेचने या फिर उनकी नुमाइश के लिए ही युद्ध लड़ता है, लेकिन इतना जरूर है कि युद्ध के बाद भी इजरायल हथियारों को एक्सपोर्ट करके फायदा कमाता है।

पाकिस्तान के 6 अस्पताल बंद होने के कगार पर, स्टॉफ की रोक दी सैलरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। आर्थिक तंगी से जूझ रहे पाकिस्तान में अब अस्पतालों के बंद होने की नौबत आ गई है। मिली जानकारी के अनुसार इस्लामाबाद के 5 पब्लिक सेक्टर के अस्पताल और लाहौर के शेख जायद अस्पताल के बंद होने की आशंका है। इसका मुख्य कारण यह है कि वित्त प्रभाग ने इन अस्पतालों के सुचारू कामकाज के लिए संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 11 बिलियन पाकिस्तानी रुपया (पीकेआर) प्रदान करने की मांग को खारिज कर दिया। पाकिस्तान के मीडिया में आई एक रिपोर्ट के अनुसार, अस्पताल के कई कर्मचारियों की सैलरी रोक दी गई है। इसके कारण पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज की नर्सें एक हफ्ते से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं। टेस्टिंग किट के स्टॉक खत्म होने के कारण इन अस्पतालों की लैब भी जल्द ही पूरी तरह से काम करना बंद कर देंगी। जानकारी के अनुसार, रेडियोलॉजी टेस्ट को भी बंद कर दिया जा रहा है क्योंकि यहां पर फिल्में उपलब्ध नहीं हैं। वहीं, मरीजों को दवाएं नहीं मिल रही है क्योंकि कंपनियों को टेंडर राशि का भुगतान नहीं किया गया है। इसके कारण जो अस्पताल और विभाग प्रभावित होंगे उनमें संघीय राजधानी के पांच अस्पताल पिम्स, पॉलीक्लिनिक, फेडरल जनरल हॉस्पिटल, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन मेडिसिन, डिस्पेंसरी, बुनियादी स्वास्थ्य यूनिट, स्वास्थ्य मंत्रालय के सहायक विभाग और संस्थान शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार लाहौर का शेख जायद अस्पताल भी बुरी तरह प्रभावित हुआ है क्योंकि यह संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के वित्त पोषण से चलता है। वित्त प्रभाग ने स्वास्थ्य मंत्रालय को लिखित रूप में सूचित किया है कि, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की पूर्व शर्तों के अनुसार, धन केवल आपदा की स्थिति में ही जारी किया जा सकता है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने पिछले महीने वित्त मंत्रालय से अस्पतालों, संगठनों और मंत्रालय के सहायक विभागों के सुचारू कामकाज के लिए 11.096 बिलियन पीकेआर का पूरक अनुदान जारी करने का अनुरोध किया था। लेकिन उसे मंजूर नहीं किया जा सका है।

क्यों आ रही ऐसी समस्या

सूत्रों के मुताबिक वित्त विभाग के इनकार से संघीय मंत्रालय द्वारा संचालित अस्पतालों में संकट पैदा हो सकता है और मरीजों को एक रुपये मूल्य की दवाएं भी नहीं मिल पाएंगी। अस्पताल के एक सूत्र ने बताया कि वर्तमान में दवाओं की भारी कमी है। क्योंकि हमारे पास निविदाओं के लिए भुगतान करने और लंबित स्टॉक जारी करने के लिए पर्याप्त राशि नहीं है। इसके अलावा, प्रयोगशालाओं में परीक्षण किट, एक्स-रे फिल्मों और अन्य की भी भारी कमी है। सूत्र ने कहा कि स्थिति और भी खराब हो सकती है क्योंकि अस्पतालों में कई डॉक्टरों, नर्सों और अन्य कर्मचारियों को या तो वेतन नहीं मिल रहा है।

आज भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच महा मुकाबला, तीसरी बार विजेता बनने उतरेगा भारत

–ऑस्ट्रेलिया के पास 7वीं बार परचम लहराने का मौका

अहमदाबाद (एजेंसी)। क्रिकेट मैच में टॉस सबसे अहम हिस्सा होता है। क्रिकेट में मैदान पर कमाल के साथ ही कई बार टीमों को किस्मत का भी साथ चाहिए होता है। कई बार ऐसी परिस्थिति होती है कि टॉस के साथ ही लगभग तय हो जाता है कि विजेता कौन होगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल होना है। इसके पहले भी पिच के साथ ही टॉस को लेकर चर्चा हो रही है। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस टॉस जीतने पर पहले क्या चुनने वाले हैं, इसकी चर्चा जोरों पर हैं।

बात दें कि दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर 11 पिचें हैं। अभी तक साफ नहीं है कि मुकाबला किस पिच पर होगा। लेकिन इतना तय हैं कि मैच वैसी पिच पर होगी, जहां स्पिनर्स को मदद मिलेगी। अच्छी खासी टर्न देखने को मिल सकती है। इसके बाद टॉस जीतने वाला कप्तान पहले बल्लेबाजी ही करेगा। क्योंकि पुराने होने के साथ पिच पर बल्लेबाज मुश्किल होती जाएगी। कोलकाता में हुए ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका के सेमीफाइनल में भी ऐसा ही हुआ था।

वैसे भी क्रिकेट को जानने वाले हमेशा कहते हैं कि बड़े मैचों में टीमों को पहले बल्लेबाजी ही करनी चाहिए। लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को हमेशा स्कोरबोर्ड प्रेशर होता है। 1983 में भारत ने 183 रन बनाकर खिताब जीत लिया था। 2019 में इंग्लैंड की विस्फोटक बैटिंग लाइनअप 242 रनों का लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई थी और अंत में मुकाबला जैसे-तैसे टाई हो पाया था। इसलिए वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में रोहित शर्मा टॉस जीते या फिर पैट कमिंस, पहले बल्लेबाजी ही चुने।

फाइनल मुकाबले में बड़े स्कार की उम्मीद कम

वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल मुकाबले का मंच सजकर तैयार है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना। इस मैच में शायद बड़ा स्कोर देखने को ना मिले। फाइनल मुकाबला भी उसी पिच पर खेला जाएगा, जहां 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान भिड़े थे। यह मैच 73 ओवर में ही खत्म हो गया था। पिच को लेकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि मैं अच्छा पिच रीडर नहीं हूं, लेकिन यह काफी ठोस लग रहा है। कुल मिलाकर विकेट अच्छा लग रहा है, लेकिन अभी मैच शुरू होने में 24 घंटे का समय बाकी है। फाइनल मैच काली मिट्टी की पिच पर होना है। अमूमन काली मिट्टी की पिच स्पिनर्स को अधिक मदद देती हैं। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की टीम पहले खेलकर सिर्फ 191 रन ही बना सकी थी। बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने 2-2 विकेट लिए थे।

फाइनल मैच से पहले कमिंस ने कहा कि इसमें शक नहीं है कि अपने देश में अपने विकेट पर खेलने के कुछ फायदे हैं। यहां पर आप लगातार खेल रहे हैं। लेकिन हमने भी यहां बहुत क्रिकेट खेली है। उन्होंने कहा कि आपको धीमी और बाउंसर गेंदों के बीच संतुलना बनाना होगा। भारतीय पिचों पर पारी के अंत में कटर गेंद का फायदा मिलता है। मालूम हो कि ग्रुप राउंड में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को हरा चुकी है।

कमिंस ने कहा कि टॉस शायद महत्वपूर्ण नहीं होगा। लेकिन हमारे पास कुछ प्लान है। वनडे वर्ल्ड कप का यह 13वां सीजन है। अब तक हुए 12 सीजन की बात करें, तब ऑस्ट्रेलिया ने 5 भारतीय टीम ने 2 खिताब जीते हैं।

दोनों टीमें

भारतः रोहित शर्मा (कप्तान), शुबमन गिल, विराट कोहली, श्रेयसअय्यर, केएल राहुल, इशान किशन, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, शार्दुल ठाकुर, जसप्रित बुमरा, कुलदीप यादव, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, रविचंद्रन अश्विन, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलियाः पैट कमिंस (कप्तान), स्टीवन स्मिथ, एलेक्स कैरी, जोश इंगलिस (विकेटकीपर), सीन एबॉट, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मिशेल मार्श, ग्लेन मैक्सवेल, मार्कस स्टोइनिस, डेविड वार्नर, एडम ज़म्पा, मिशेल स्टार्क, मार्नस लाबुशेन।

ऑस्ट्रेलिया और द.अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से बाहर हो सकते हैं हार्दिक पंड्या

मुंबई (एजेंसी)। टीम इंडिया आईसीसी विश्वकप 2023 के बाद ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज खेलेगी। सीरीज में रोहित शर्मा, विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को आराम दिया जा सकता है। पहले हार्दिक पंड्या इस सीरीज में टी20 टीम की कमान संभालने में सबसे आगे थे, लेकिन वह वर्ल्ड कप से बाहर हैं। अब खबर आ रही है कि वह नवंबर-दिसंबर में होने वाले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 सीरीज से भी बाहर हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार पंड्या ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच के दौरान वह गेंद रोकने के चक्कर में चोटिल हो गए थे, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा था। पंड्या उसके बाद भारत के लिए एक भी मैच नहीं खेले। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए नेशनल क्रिकेट एकेडमी बेंगलुरु भेज दिया गया। 2 हफ्ते पहले पंड्या ने नेट्स में गेंदबाजी की थी। पहली 3 गेंद करने पर उन्हें किसी भी तरह की तकलीफ महसूस नहीं हुई थी। लेकिन चौथी गेंद करने पर पंड्या को एकंल में दर्द महसूस हुआ। पंड्या के चोटिल होने के बाद बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में मौका दिया था। लेकिन उन्हें अब तक एक भी मैच में मौका नहीं मिला है।

रोहित के पास कपिल और धोनी की इस सूची में शामिल होने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम का वर्ल्ड कप 2023 में शानदार प्रदर्शन जारी है। टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में अब तक एक भी मैच नहीं हारी हैं। टीम इंडिया चौथी बार वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची है। इसके पहले 1983, 2003 और 2011 में भी भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रही थी। हालांकि 2003 के फाइनल में भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। बतौर कप्तान रोहित यदि फाइनल जीतने में कामयाब रहे, तब वे खास लिस्ट में शामिल हो जाएंगे। इसके पहले कपिल देव और एमएस धोनी बतौर कप्तान वनडे वर्ल्ड कप का टाइटल जीत चुके हैं। इस साल भारत और ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में आमने-सामने हुए थे। तब पैट कमिंस की अगुआई वाली कंगारू टीम को जीत मिली थी। इसके बाद रोहित के लिए फिर से कमिंस की टीम से पार पाना आसान नहीं होगा। वर्ल्ड कप का फाइनल मुकाबला 19 नवंबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाना है। मैच के दौरान एक लाख अधिक फैंस स्टेडियम में मौजूद रहने वाले हैं। पहली बार पूरा टूर्नामेंट भारत में खेला जा रहा है।

दादा ने रोहित सेना को बधाई देकर कहा, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ देना होगा 100 प्रतिशत

मुंबई (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप 2023 का फाइनल मैच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को दोपहर दो बजे से होगा है। इस मैच को शुरू होने में एक दिन का समय रह गया है, इसके बाद पूर्व खिलाड़ियों सहित क्रिकेट पंडितों द्वारा भविष्यवाणी करने का सिलसिला शुरू हो गया है। अधिकतर लोग मेजबान टीम इंडिया को प्रबल दावेदार बता रहे हैं, मगर कुछ लोगों ने 5 बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की फॉर्म को देखकर कहा है कि भारत के लिए खिताब जीतना उतना भी आसान नहीं होगा। बता दें, वर्ल्ड कप 2023 में अभी तक 10 में से 10 मैच जीतकर टीम इंडिया सेमीफाइनल में पहुंची है। 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार झेलने वाले भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा भारत इस समय दमदार दिख रहा है। मैं उन्हें अहमदाबाद के लिए शुभकामनाएं देता हूं। भारत ने टूर्नामेंट में बहुत अच्छा खेला है और केवल एक मैच और, ऑस्ट्रेलिया उनके और विश्व कप ट्रॉफी के बीच खड़ा है। अगर भारत ने अब तक टूर्नामेंट में जैसा प्रदर्शन किया है, वैसा ही खेलना जारी रखा तब उन्हें रोकना मुश्किल होगा। यह एक अच्छा मैच होगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के पास भी अच्छी टीम है।

वहीं पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कहा कि भारत वर्ल्ड कप जीतेगा। वे वर्ल्ड कप फाइनल प्रबल दावेदार के रूप में खेलेगा। उन्हें कुछ अलग नहीं करना है, उन्हें बस वही जारी रखना है जो वे पिछले दो मैचों में कर रहे हैं। मैं चाहता हूं कि टीम संयमित और शांत रहे और दबाव को संभाले। हर भारतीय क्रिकेटर टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है जो एक अच्छा संकेत है। पूर्व तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा, भारत अपराजेय है। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप 2023 में तीनों (बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण) विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत ने टूर्नामेंट में अपने सभी 10 मैचों में दबदबा बनाया है।

पूर्व ऑस्ट्रेलिया प्लेयर माइकल बेवन ने कहा वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचना एक जबरदस्त उपलब्धि है। यह कुछ ऐसा है जो अक्सर नहीं होता। हमारे सामने फाइनल में खेलने वाली दो टीमें हैं जो अपनी टॉप फॉर्म में हैं। ऑस्ट्रेलिया के पास काफी प्रतिभाशाली प्लेयर हैं। उनके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो मैच में किसी भी समय अंतर पैदा करने का माद्दा रखते हैं। हालांकि, मेरा मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरत है। भारत क्लियर फेवरेट है मगर ऑस्ट्रेलिया के लिए भी वनडे वर्ल्ड कप 2023 जीतने की संभावना है। जो भी टॉस जीतेगा वो पहले बैटिंग करेगा। ऑस्ट्रेलिया ने टूर्नामेंट में स्लो स्टार्ट किया लेकिन फिर धमाकेदार कमबैक किया।

सलामी बल्लेबाज डी कॉक ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट संन्यास ले लिया

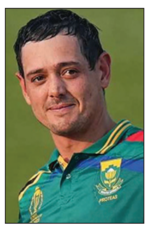

कोलकाता । दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक ने पूर्व घोषणा के अनुसार एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ले लिया है । ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल गए विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में मिली हार के बाद डीकॉक ने संन्यास लिया है, उन्होंने इसकी घोषणा पहले ही कर दी थी कि भारत में इस प्रारुप में उनके अभियान का आखिरी प्रदर्शन होगा । पूरे टूर्नामेंट में शानदार व्यक्तिगत प्रयास के बाद डीकॉक का एकदिवसीय करियर सेमीफाइनल चरण में समाप्त हुआ । सेमीफाइनल में हार के बाद डी कॉक के बारे में कहा कि वह चीजों को एक अलग तरीके से समाप्त करना चाहते थे, लेकिन एक टीम के रूप में हमने जिस तरह की पारी और लड़ाई दिखाई थी, उस हमेशा याद रखा जाएगा । बावुमा ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका में वह खेल के दिग्गजों में से एक के रूप में जाने जाएंगे । डीकॉक ने इस टूर्नामेंट की 10 पारियों में 59.40 की औसत से 594 रन बनाए, जिसमें केवल विराट कोहली ने डी कॉक से अधिक रन बनाए । टूर्नामेंट के आंकड़े दर्शाते है कि डी कॉक ने अपने एकदिवसीय करियर को बेहद प्रभावशाली आंकड़ों के साथ समाप्त किया ।

43 साल के वन डे क्रिकेट में 150 बार हो चुकी है ऑस्ट्रेलिया–भारत की भिड़ंत

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें वनडे में 150 बार अभी तक भिड़ी हैं । यह 43 साल का इतिहास रहा है । जिसमें आस्ट्रेलिया ने 83 और भारत ने 57 मैच जीते हैं । अब देखना है कि रविवार का फायनल किसके नाम रहेगा । गौरतलब है कि टीम इंडिया वर्ल्ड कप 2023 के फाइनल में पहुंच गई है । जहां उनका सामना 19 नवंबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा । दोनों टीमें इसके लिए तैयार है । मोहम्मद शमी, विराट कोहली जैसे खिलाड़ी टीम इंडिया के लिए शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं । ऐसे में इस साल भारत के वर्ल्ड कप जीतने की पूरी संभावना है । फाइनल मुकाबले से पहले यह जानना जरुरी है कि दोनों टीमें अब तक वनडे में कितनी बार आमने सामने आई है और किस टीम का पलड़ा भारी रहा है । भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें वनडे में 150 बार अभी तक भिड़ी हैं । दोनों टीमें 43 साल से वनडे क्रिकेट में आमने सामने रही हैं । ऑस्ट्रेलिया ने 83 मैच जीते हैं जबकि भारत 57 मैचों में विजयी रहा है । जबकि 10 मैचों का कोई रिजल्ट नहीं सका है । यहां भारतीय टीम की जीत का प्रतिशत 36.98 फीसदी है जबकि ऑस्ट्रेलिया की जीत फीसदी 56.16 प्रतिशत है । ऐसे में यहां पर ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी दिख रहा है । वही वर्ल्ड कप की बात करें तो दोनों टीमें अब तक वनडे विश्व कप में 13 बार आमने सामने आई है। यहां भी ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 8 तो वहीं भारत ने अब तक 5 मुकाबले अपने नाम किए हैं । अब फाइनल मुकाबले में कौन सी टीम जीतेगी यह देखना दिलचस्प होगा । गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया ने भारत को आईसीसी टूर्नामेंट्स के नॉक आउट मुकाबलों में अब तक 4 बार हराया है । साल 2003 के विश्व कप फाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीम आमने सामने हुई थी। लेकिन वहां टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में कंगारू टीम के कप्तान रिकी पोंटिंग की नाबाद 140 रन की पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 359 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था। भारतीय टीम 234 रन पर ही ढेर हो गई थी। इस तरह भारत फाइनल मुकाबला जीतने से उस दौरान चूक गया था।

बाबर तोड़ सकता है विराट का 50 शतक का रिकॉर्ड : अकमल

– वायरल वीडियो में सामने आए पाकिस्तानी दिग्गज क्रिकेटर के बड़े बोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। वर्ल्डकप 2023 में विराट कोहली ने प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में 90.68 के जबर्दस्त औसत से 711 रन बनाने के साथ ही मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 49 वनडे शतक के रिकॉर्ड को भी तोड़ा है। लेकिन अब विराट के इस रिकार्ड को भी तोड़ने का दावा किया जा रहा है। यह दावा और कोई नहीं बल्कि पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल द्वारा किया जा रहा है। उनके इस बड़बोलेनपल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भले ही विराट को 50 वनडे शतक का रिकॉर्ड बनाए एक हफ्ता भी नहीं हुआ लेकिन क्रिकेट जगत में इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि सचिन का रिकॉर्ड विराट ने तोड़ा, अब विराट का रिकॉर्ड कौन तोड़ सकता है? ईमानदारी से कहें तो हाल फिलहाल में कोई बैटर ऐसा करता नजर नहीं आता। मौजूदा समय में क्रिकेट खेल रहे बैटरों के वनडे शतक के मामले में विराट के बाद रोहित शर्मा (31 शतक), डेविड वॉर्नर (22) और क्विंटन डिकॉक (21) का स्थान आता है लेकिन रोहित और वॉर्नर का इंटरनेशनल क्रिकेट करियर जहां अंतिम दौर में है। डिकॉक तो वर्ल्डकप के बाद वनडे इंटरनेशनल से संन्यास का ऐलान भी कर चुके हैं। वैसे भी विराट और इन तीनों बैटरों के शतकों में इतना बड़ा अंतर है कि इनमें से किसी के इस रिकॉर्ड को तोड़ना बेहद मुश्किल है।

विराट का वनडे में 50 शतक का रिकॉर्ड तोड़ने को लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर कामरान अकमल ने कहा है कि बाबर आजम ऐसा कर सकते है। मीडिया से बात करते हुए अकमल ने कहा, 'वो रिकॉर्ड टॉप -3 (बैटिंग) वाले ही तोड़ सकते हैं। डिल ऑर्डर बैट्समैन नहीं तोड़ पाएगा। हमारे पास बाबर आजम है वो कर सकता है, वह टॉप 3 में खेलता है। उनके पास अभी (शुभमन) गिल है, वह इस रिकॉर्ड के पीछे लग सकता है।' 41 वर्षीय कामरान पाकिस्तान के लिए 53 टेस्ट, 157 वनडे और 58 टी 20 खेले हैं। बता दें कि कामरान भले ही बाबर और गिल को विराट के रिकॉर्ड को तोड़ने का दावेदार मान रहे हों लेकिन फिलहाल तो ऐसा संभव नहीं लगता। इसकी वजह यह है कि 29 साल के हो चुके बाबर के नाम इस समय 117 वनडे में 19 शतक हैं, विराट के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए उन्हें थोड़े बहुत नहीं बल्कि 32 शतक की और जरूरत होगी। एक तथ्य यह भी है कि विराट इस समय इंटरनेशनल क्रिकेट में खेल रहे हैं।

टीम इंडिया की नई प्रैक्टिस जर्सी देख ममता ने लगाया भगवाकरण का आरोप

कोलकाता । भारतीय क्रिकेट टीम की प्रैक्टिस जर्सी के रंग को देखकर ममता बनर्जी नाराज हैं । उन्होंने इसमें बदलाव को भाजपा का सियासी कदम करार दिया है । उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश के सबसे लोकप्रिय खेल का भगवाकरण करने का प्रयास करने का आरोप लगाया है । उन्होंने इसको लेकर अपनी असहमति व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूरे देश को भगवा रंग में रंगने की कोशिश कर रहे हैं । हमें अपने भारतीय खिलाड़ियों पर गर्व है और मुझे विश्वास है कि वे विश्व कप में विजेता होंगे, लेकिन भाजपा वहां भी भगवा रंग लेकर आए और हमारे लड़के अब भगवा रंग की जर्सी में अभ्यास करते हैं । मेट्रो स्टेशनों को भगवा रंग से रंग दिया गया है । यह अस्वीकार्य है । मध्य कोलकाता के पोस्ता बाजार में जगद्धात्री पूजा की शुरुआत के मौके पर बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने न केवल क्रिकेट टीम की जर्सी में बल्कि मेट्रो स्टेशनों की पेंटिंग में भी भगवा रंग जोड़ दिया है । इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती पर भी कटाक्ष किया जिन्होंने अपनी मूर्तियां लगवाई थी । भाजपा पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्र देश की जनता का है, न कि केवल एक पार्टी की जनता का । वहीं उनकी टिप्पणी पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है । भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि कुछ दिनों के बाद वह सवाल कर सकती हैं कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज में भगवा रंग क्यों है । हम ऐसे बयानों पर प्रतिक्रिया देना भी उचित नहीं समझते हैं । ममता ने आगे कहा कि आप चीजों का नाम गुजरात, उत्तर प्रदेश या दक्षिण भारत के दिवंगत राजनीतिक नेताओं के नाम पर रख सकते हैं । मुझे इससे कोई समस्या नहीं है । लेकिन कुर्सी आती है और चली जाती है लेकिन लोगों के दिलों में रहना चाहिए ।

काश वह उतने ही अच्छे पति-पिता होते जितने अच्छे खिलाड़ी : शमी पर पत्नी हसीन जहां ने किया कमेंट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा विश्व कप में 23 विकेट ले चुके मोहम्मद शमी पर सबकी नजरें टिकी हुई हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद के फाइनल मुकाबले के दौरान उनपर बड़ी जिम्मेदारी होगी। इसी बीच हसीन जहां की पत्नी ने एक इंटरव्यू में कहा कि काश वह उतने ही अच्छे इंसान होते, जितने अच्छे वह खिलाड़ी हैं। शमी और हसीन 2018 में अलग हो गए थे। हसीन ने शमी पर घरेलू हिंसा और व्यभिचार का आरोप लगाया था। बहरहाल, हसीन जहां ने कहा कि अगर वह भी एक अच्छा इंसान होता, उतना ही अच्छा खिलाड़ी होता, जितना वह है, तो हम एक अच्छा जीवन जी सकते थे। अगर वह एक अच्छा इंसान होता तो मेरी बेटी, मेरे पति और मैं एक खुशहाल जीवन जी सकते थे। और यह और भी सम्मान की बात होती यदि वह न केवल एक अच्छा खिलाड़ी होता बल्कि एक अच्छा पति और एक अच्छा पिता भी होता। हसीन जहां ने आगे कहा- शमी की गलतियों के कारण, लालच के कारण और उसके गंदे दिमाग के कारण हम तीनों को इसका परिणाम भुगतना पड़ा। हालांकि वह अब पैसे के माध्यम से अपने नकारात्मक बिंदुओं को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। हसीन से जब सैमीफाइनल मुकाबले में शमी द्वारा न्यूजीलैंड के खिलाफ ली गईं 7 विकेट के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि मुझे कुछ खास महसूस नहीं हुआ। लेकिन अच्छा लग रहा है कि भारत ने सेमीफाइनल मैच जीत लिया है। मैं प्रार्थना करती हूं कि भारत फाइनल भी जीते। हसीन ने इस दौरान मॉडल पायल घोष द्वारा शमी को शादी का प्रस्ताव देने के मामले पर भी अपनी चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा कि ये चीजें मशहूर हस्तियों के साथ होती रहती हैं। यह आम है। मैं इस पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहती। बता दें कि मोहम्मद शमी और हसीन जहां एक कानूनी लड़ाई में उलझे हुए हैं। शमी पर घरेलू दुर्व्यवहार और हत्या के प्रयास के गैर-जमानती आरोप लगे हैं। हसीन जहां ने दावा किया था कि जब भी क्रिकेटर और उनका परिवार उत्तर प्रदेश में उनके गृहनगर जाता था तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता था। हालांकि, शमी ने इस पर कहा था कि यह उन्हें बदनाम करने की साजिश है।

नीरज यादव डोप जांच में विफल, एशियाई पैरा खेलों के दो स्वर्ण गंवा सकता है भारत

नई दिल्ली । भारत हाल में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में जीते गये दो स्वर्ण पदक गंवा सकता है क्योंकि नीरज यादव राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (नाडा) द्वारा की गयी डोप जांच में विफल हो गये हैं । यह जांच इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट से कुछ दिन पहले की गयी थी । पता चला है कि हांगझोउ रवाना होने से छह दिन पहले बेंगलुरु में टूर्नामेंट के इतर की गयी जांच में यादव एनाबोलिक स्टेराइड के लिए पॉजिटिव आये हैं । अगर नाडा पैनल उन्हें डोपिंग का दोषी पाता है तो एफ55 भाला और चक्का फेंक स्पर्धा में यादव के दो स्वर्ण पदक गंवा देगा । इससे भारत तालिका में अपने पांचवें स्थान से एक पायदान खिसककर छठे स्थान पर पहुंच जायेगा। ऐसे में इंडोनेशिया पांचवें स्थान पर पहुंच जायेगा। भारत ने 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य पदक जीते थे जबकि इंडोनेशिया के 29 स्वर्ण, 30 रजत और 36 कांस्य पदक थे । यादव के दो स्वर्ण पदक गंवाने से भारत के पीले तमगों की संख्या 27 हो जायेगी । भारतीय पैरालंपकि समिति (पीसीआई) के एथलेटिक्स मुख्य कोच एस सत्यनारायण ने बेंगलुरु से पीटीआई से कहा, ''हमने नाडा को लिखा है कि यह नमूना शायद उनका नहीं हो । या फिर नमूना संदूषित हो सकता है । '' उन्होंने कहा, ''हमें डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन के बारे में 13 नवंबर को पता चला और उनके पास मामला पेश करने के लिए सात दिन का समय है । इसलिये उनके मामले की सुनवाई 21 नवंबर को होगी ।

शमी और गिल दोनों ही ऑस्ट्रेलिया को परास्त करने का रखते हैं दम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम की जीत को अपनी आंखों से देखने वाले कह रहें हैं कि भारत के दो खिलाड़ी शमी और गिल ऑस्ट्रेलिया को परास्त करने का दम रखते हैं। बाकी टीम तो मजबूत है ही, इसलिए वर्ल्ड कप की ट्रॉफी भारत के हिस्से में आने वाली है। गौरतलब है कि वर्ल्ड कप के पहले सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर फाइनल में एंट्री कर ली है। वहीं दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बना ली है। इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है कि कौन सी टीम इस साल की चैंपियन बनने वाली है। लेकिन कहीं ना कहीं टीम इंडिया का पलड़ा यहां भारी है। जानकार बता रहे हैं कि मोहम्मद शमी और शुभमन गिल इस मुकाबले में अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं। क्योंकि नरेंद्र मोदी स्टेडियम में अक्सर इन दो प्लेयर्स का जलवा देखने को मिलता है।

बता दें कि गुजरात टाइटंस के 2 खिलाड़ी इस साल भारत के स्क्वॉड का हिस्सा है। भले ही हार्दिक पंड्या टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं इसलिए लिस्ट में शामिल नहीं हैं। गुजरात टाइटंस की टीम का होम ग्राउंड अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम है और भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का फाइनल मैच भी यही खेला जाएगा। ऐसे में मोहम्मद शमी और शुभमन गिल इस मैदान में शानदार परफॉर्म कर सकते हैं। वह इस विश्व कप में भी लय में दिखे हैं। साल 2023 के आईपीएल की बात करें तो इस साल शमी ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 8 मैचों में 17 विकेट लिए हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 7 के आस पास की रही है। वहीं विश्व कप में भी अब तक उनके नाम सबसे ज्यादा विकेट हैं। इसी तरह शुभमन गिल ने भी फॉर्म में वापसी कर ली है। आईपीएल 2023 में गिल ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में कुल 7 मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 404 रन बनाए थे। औसत करीब 77 का रहा है।

एक्टर डांसर राघव जुयाल ने सलमान खान के साथ काम करने और उनसे अपने अच्छे रिश्ते के बारे में खास बातचीत करते हुए कहा, 'मैं भाईजान से बहुत प्यार करता हूं। मुझे लगता है कि वो भी मुझे मानते हैं। वो हमेशा मुझे एक बच्चे की तरह ट्रीट करते हैं। जब भी मेरा मन होता है उनके फार्महाउस जाकर दो-तीन रहता हूं।'

सलमान के साथ काम करना मजेदार होता है

राघव ने बताया कि सलमान खान नेचर से बहुत कनेक्टेड हैं और मुझे भी नेचर के साथ वक्त बिताना बेहद पसंद है। शायद इसलिए वो मुझे समझते भी हैं। उन्होंने बताया भाईजान मुझे केवल प्यार ही नहीं करते हैं बल्कि जहां जरुरत होती है घरवालों की तरह डांटते भी हैं।

दो फिल्मों में एक साथ काम करना कैसे बैलेंस करते थे?

मैं सलमान खान के साथ फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में काम कर रहा था। इस फिल्म की शूटिंग करने के बाद मुझे दूसरी फिल्म 'किल' के लिए भी समय देना पड़ता था। खैर, ये बात अलग है कि सलमान के साथ काम करना बहुत मजेदार होता था। सब कुछ सेट पर ऑन द स्पॉट होता था। कोई ज्यादा वर्क लोड नहीं होता। जबकि वहीं फिल्म 'किल' के लिए प्रैक्टिस और प्रिपरेशन में ही बहुत समय लगा था। क्योंकि साफतौर पर दोनों फिल्में एक दूसरे से पूरी तरह अलग हैं। जहां भाई जान के साथ काम चिल माहौल में होता था वहीं 'किल' के लिए 9 महीने हमने सिर्फ प्रिपरेशन की थी। उन्होंने कहा कि सलमान खान के साथ काम करके मजा बहुत आता है।

फिल्म 'किल' के बारे में सलमान को बताने पर उनका रिएक्शन क्या था?

मैंने उनको अपनी दूसरी फिल्म के बारे में पहले ही बता दिया था। उस वक्त उन्होंने मुझसे कहा कि ठीक है लेकिन मेरी फिल्म पर ज्यादा ध्यान देना। राघव बताते हैं कि भाईजान हंसी मजाक बहुत ज्यादा करते हैं। उनके होने से सेट का माहौल बहुत चिल होता है। फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में काम करना बहुत आरामदायक था। भाईजान बैठे हैं काम हो रहा है फिर काम के बाद सब पार्टी कर रहे हैं। उनके साथ काम करना बहुत आसान और मजेदार है।

अब ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे कपिल

स्टैंडअप कॉमेडियन के रूप में बुलंदियों तक पहुंचने वाले कपिल आज घर-घर में लोकप्रिय हैं। लोग उनकी कॉमिक टाइमिंग के कायल हैं। कपिल का सेंस ऑफ ह्यूमर और हाजिरजवाबी देखते ही बनती है। फिलहाल कपिल का शो टीवी से ऑफ एयर हो चुका है और फैंस को उसके नए सीजन का इंतजार है। माना जा रहा था कि वे नई थीम के साथ लौटेंगे, लेकिन ऐसा नहीं होगा। दरअसल कपिल अब टीवी के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दर्शकों का मनोरंजन करेंगे। एक प्रोमो के जरिये यह जानकारी दी गई है। कपिल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर नेटफ्लिक्स के साथ अपने दूसरे शो का नया प्रोमो शेयर किया है। इसमें दिखाया जाता है कि कपिल नए घर में शिफ्ट हो रहे हैं लेकिन पुरानी टीम के साथ। इस शो में कपिल के साथ अर्चना पूरण सिंह, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक, राजीव ठाकुर भी रहेंगे। कपिल पिछले 10 सालों से ऑडियंस का एंटरटेनमेंट कर रहे हैं। अब हर कोई नए शो का फॉर्मेट जानने को उत्सुक है।

नंदमुरी बालकृष्ण के शो में धमाल मचाते नजर आएंगे रणबीर कपूर

नंदमुरी बालकृष्ण उर्फ बलैया इन दिनों अनस्टॉपेबल विद एनबीके को लेकर सुर्खियों में हैं। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर स्ट्रीम हो रहा है। दक्षिण में इस शो को काफी पसंद किया जा रहा है। इस बीच निर्माताओं ने खुलासा किया है कि रणबीर कपूर एनिमल का प्रचार करने के लिए इस शो का हिस्सा बनेंगे। रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की एनिमल एक दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यही वजह है कि अभिनेता इन दिनों अपनी फिल्म के प्रचार में जोर शोर से जुटे हुए हैं। यह फिल्म कई भाषाओं में रिलीज होगी, ऐसे में फिल्म के मेकर्स देश के हर कोने में इसे पहुंचाने की योजना पर काम कर रहे हैं। हाल ही में रणबीर कपूर ने संदीप रेड्डी वांगा और रश्मिका मंदाना के साथ अनस्टॉपेबल विद एनबीके के लिए की शूटिंग की। बलैया और रणबीर की एक तस्वीर अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। शो में दर्शकों को मनोरंजना का फुल डोज मिलने वाला है। अहा वीडियो के आधिकारिक एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से विशेष एपिसोड की घोषणा की गई है। इसमें लिखा गया है, याद दिला दें कि दिवाली की आतिशबाजी कल खत्म नहीं हुई है क्योंकि जब जानवर शेर से मिलेगा तो मनोरंजन विस्फोट होगा। जल्द ही आ रहा है। बता दें कि पहले एनिमल सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन शाहरुख खान की जवान से टक्कर होने से बचाने के लिए फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया था। अब यह एक दिसंबर को बड़े पर्दे पर दस्तक देने वाली है। फिल्म में अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। थिएटर में फिल्म की टक्कर सैम बहादुर से है। विक्की कौशल अभिनीत इस फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। दोनों ही फिल्मों के लिए अभिनेताओं के फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

नेटफ्लिक्स की नई सीरीज पर बाबिल का भरोसा

दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान ने अपनी पहली ही फिल्म कला से साबित कर दिया कि अगर उन्हें सही मौके मिलते रहे, तो इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बना सकते हैं। फिल्म कला के बाद नेटफ्लिक्स की फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान में भी उनके किरदार को काफी पसंद किया गया। इन दो फिल्मों के बाद नेटफ्लिक्स पर ही बाबिल खान की पहली वेब सीरीज द रेलवे मेन स्ट्रीम होने जा रही है। यशराज फिल्म्स की इस सीरीज में बाबिल खान दमदार भूमिका में नजर आएंगे। पिता के साथ तुलना किए जाने पर बाबिल खान का कहना है कि वह उनके जैसा बिल्कुल भी बनने की कोशिश नहीं करेंगे, बल्कि अपनी अलग पहचान बनाएंगे। अभिनेता बाबिल खान वेब सीरीज द रेलवे मेन के जरिए यशराज कैंप में एंट्री कर रहे हैं। बाबिल खान कहते हैं, वाईआरएफ की पहली ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनकर काफी सम्मानित महसूस कर रहा हूं। द रेलवे मेन 2 दिसंबर 1984 की देर रात भोपाल में अमेरिकी बहुराष्ट्रीय यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन के स्वामित्व वाली फैक्ट्री से घातक मिथाइल आइसोसाइनेट गैस रिसाव पर आधरित है। इस घटना में हजारों लोग मारे गए और लाखों लोग इससे अब भी प्रभावित मिलते हैं। वेब सीरीज द रेलवे मेन की कहानी उन रेल कर्मियों के साहस की कहानी है, जिन्होंने अपनी जान पर खेलकर गैस कांड के दौरान भोपाल रेलवे स्टेशन पर फंसे लोगों को अपनी सूझ बूझ से बचाया था। इस सीरीज में आर माधवन ने सेंट्रल रेलवे के जीएम, केके मेनन ने भोपाल के स्टेशन मास्टर और बाबिल खान ने एक ऐसे लोको पायलट की भूमिका निभाई है, जिसकी नौकरी के पहले ही दिन ये हादसा हो जाता है। बाबिल खान कहते हैं, यह वेब सीरीज साल 1984 की भोपाल गैस त्रासदी के गुमनाम नायकों को श्रद्धांजलि है। वेब सीरीज द रेलवे मेन से पहले बाबिल खान की फिल्म कला और फ्राइडे नाइट प्लान नेटफ्लिक्स पर ही रिलीज हुई थी। फिल्म कला में भले ही उनका किरदार छोटा था, लेकिन उनके किरदार को काफी पसंद किया। फ्राइडे नाइट प्लान में वह अभिनय के मामले में एक कदम आगे ही दिखे लेकिन इन दोनों में उनके अभिनय में जो समानता दिखी वह यह थी कि उनका अभिनय देखकर उनके पिता इरफान खान की याद आ जाती है। बाबिल खान इन दिनों इसी प्रत्याशा से बाहर निकलने की पूरी कोशिश कर रहे हैं।

अमित त्रिवेदी ने बताया क्यों बनाया 'डू इट तिबारा' एंथम

बॉलीवुड के फेमस सिंगर अमित त्रिवेदी ने हाल ही में इंडियन क्रिकेट टीम के लिए एक एंथम सॉन्ग 'डू इट तिबारा' रिलीज किया। इस एंथम को लेकर वो काफी चर्चा में हैं। इसी दौरान अमित ने दैनिक भास्कर के साथ खास बातचीत की। उन्होंने बताया है- ये गाना बनाना के पीछे मेरा खास मकसद था। मैं इंडियन टीम के लिए एक ऐसा गाना बनाना चाहता था जिसे सुनकर टीम को जोश आए और पूरी टीम मोटीवेट हो जाए। मेरे गाने के जरिए उन्हें ताकत मिले। अमित ने कहा कि मुझे ये गाना बनाने में बहुत मजा आया। मेरे बनाए हुए गाने को लोग पसंद कर रहे हैं। ये मेरे लिए बेहद खुशी की बात है। हरभजन और श्रीकांत इस गाने में फीचर हुए हैं। अमित का क्रिकेट से पहले से कनेक्शन है अमित ने बताया कि क्रिकेट को लेकर मेरे पास जब भी कोई काम आया है उसे लोगों ने काफी पसंद किया है। मैंने पहले भी दिल्ली कैपिटल के लिए 'रोर मचा' और राजस्थान रॉयल के लिए 'हल्ला बोल' सॉन्ग बनाया था। क्रिकेट के लिए जो मैं बनाता हूं वो हमेशा दिल से निकलता है। मैं गेम के साथ-साथ अपने काम को भी मजे लेकर करता हूं। जब भी दोनों का कॉम्बिनेशन होता है तो कुछ अच्छा ही होता है। प्रोडक्शन हाउस लूसिफर सर्कस के संस्थापक और एक्टर गौरव चनाना ने डू इट तिबारा को क्रिएट किया है। गौरव चनाना ने बताया की इस गाने में हरभजन सिंह और श्रीकांत को फीचर किया है। वो अपने आप में ही काफी इंटरेस्टिंग कैरेक्टर हैं। दोनों बहुत मस्ती करते हैं, उनके साथ मिलकर बहुत शानदार वीडियो बनकर तैयार हुआ है। अमित से जब पूछा गया कि वो इंडियन टीम को कौन सा गाना डेडिकेट करना चाहेंगे... इसपर अमित ने कहा कि फिलहाल मैं इंडियन टीम को हमारा लेटेस्ट गाना 'डू इट तिबारा' ही डेडिकेट करना चाहूंगा। लेकिन जब इंडिया जीत जाएगी तो हम उस पर दूसरा गाना तैयार करेंगे। केवल इसी बार नहीं अमित त्रिवेदी ने टी-20 वर्ल्ड कप का एंथम सॉन्ग भी बनाया था जोकि काफी फेमस हुआ था। इस सॉन्ग में टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली और वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड भी नजर आए थे। एंथम में एनिमेटेड किरदारों को दिखाया गया था। गाने की टैग लाइन- लिव द गेम, लव द गेम रखी गई थी। ये गाना बहुत ज्यादा पसंद किए जाने वाले अंडररेटेड सॉन्ग में से एक माना जाता है।

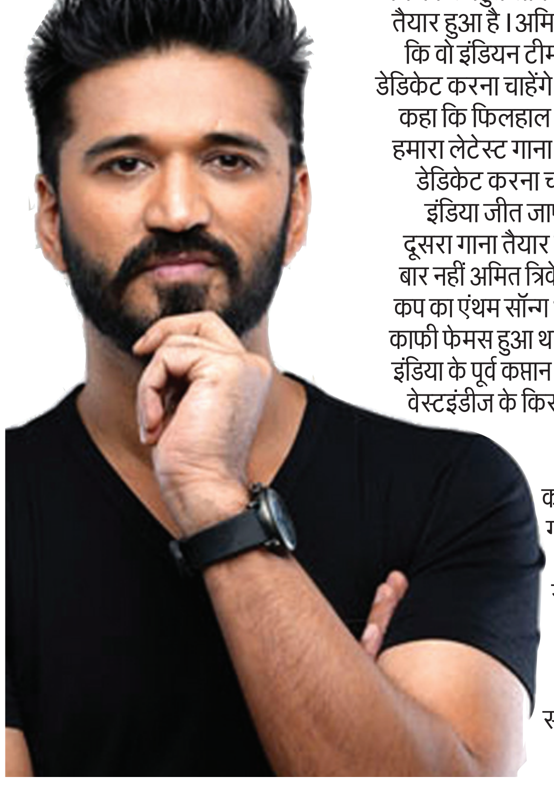

फिल्मों में कास्ट नहीं करना चाहते डायरेक्टर-प्रोड्यूसर

रिया चक्रवर्ती का कहना है कि उन्हें अभी भी इंडस्ट्री में काम मिलने में दिक्कत हो रही है। प्रोड्यूसर और डायरेक्टर उन्हें अपनी फिल्म में कास्ट करने से बचते हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ये सारी चीजें जल्द ही सामान्य हो जाएंगी। रिया ने ये भी बताया है कि सोशल मीडिया पर उन्हें बहुत ट्रोल किया जाता है लेकिन परिवार के सपोर्ट से वो इन चीजों का सामना बहादुरी से करती हैं। दरअसल, रिया की गिरफ्तारी सुशांत सिंह के सुसाइड के बाद ड्रग्स मामले में 8 सितंबर 2020 को हुई थी। उन पर सुशांत तक ड्रग्स पहुंचाने का आरोप था। उन्हें 28 दिन तक बायकुला जेल में रहना पड़ा था। जेल से बाहर आने के बाद वो फिल्म चेहरे में दिखी थीं, जिसे दर्शकों ने खासा पसंद नहीं किया था। इंटरव्यू में रिया ने बताया कि अभी भी उनके मन में डर का शक है, लेकिन उम्मीद है कि सब जल्द ठीक हो जाएगा। उनका कहना है कि पहले से काफी ज्यादा चीजें ठीक भी हो गई हैं। उन्होंने आगे कहा है कि ट्रोलर्स भी पहले की तुलना में शांत हो गए हैं। ड्रग्स केस में जमानत मिलने के बाद भी उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा था। उन्होंने ये भी स्वीकारा है कि सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा ट्रोल होने वाली शख्सियतों में से एक हैं। हालांकि वो अपनी परिवार की मदद से इसका बहादुरी से सामना करती हैं।

जेल से छूटने के बाद रोडीज 19 में गैंग लीडर के तौर पर दिखीं

जेल से छूटने के बाद रिया को फिल्म चेहरे में देखा गया था। उनके काम को लोगों ने कुछ खास पसंद नहीं किया था। इसके बाद वो रियलिटी शो रोडीज 19 में गैंग लीडर के तौर पर देखी गई थीं। वहीं उन्होंने अपने करियर की शुरुआत बतौर रेडियो जॉकी की थी।

तेलुगु फिल्मों से की एक्टिंग करियर की शुरुआत

रिया ने साल 2012 में तेलुगु फिल्म टूनेगा-टूनेगा से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। फिर उन्हें मेरे डेड की मारुति फिल्म से बॉलीवुड में एंट्री करने का मौका मिला। इस फिल्म में रिया साकिब सलीम के साथ दिखी थीं, हालांकि उन्हें फेम हासिल नहीं हो सका। इसके बाद एक्ट्रेस 2014 की फिल्म सोनाली केबल में सोनाली के रोल में अली फजल के साथ दिखीं। फिल्म के गाने जबरदस्त हिट हुए थे जिससे रिया को देश भर में पहचान मिलने लगी। फेम हासिल होने के बाद रिया यशराज फिल्म्स की बैंक चोर, हाफ गर्लफ्रेंड और दोबारा सी योर एविल जैसी फिल्मों में नजर आई हैं।

जल्द शादी करेंगी तमन्ना भाटिया! तैयारी के लिए नई फिल्में साइन नहीं कर रहीं एक्ट्रेस

साउथ और बॉलीवुड फिल्मों में काम कर रहीं एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया इन दिनों एक्टर विजय वर्मा को डेट कर रही हैं। दोनों की जोड़ी कई दिनों से सुर्खियों में है, इसी बीच अब खबर आई है कि दोनों जल्द शादी करने वाले हैं। खबर ये भी है कि शादी की तैयारियों के लिए ही तमन्ना नई फिल्म साइन नहीं कर रही हैं। हाल ही में आई तेलुगु सिनेमा की रिपोर्ट के अनुसार, तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा दोनों ही रिलेशनशिप के लिए बेहद सीरियस हैं और जल्द ही शादी करने की तैयारियां कर रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी कहा जा रहा है कि तमन्ना भाटिया के परिवार वाले उन पर लगातार शादी करने का दबाव बना रहे हैं, जिससे वो भी जल्द शादी करने की सोच रही हैं। शादी की तैयारी के लिए ही तमन्ना भाटिया ने नई फिल्में साइन करना बंद कर दी हैं। आखिरी बार वो भोला शंकर और रजनीकांत स्टारर फिल्म जेलर के गाने कावाला में दिखी थीं। नई फिल्म साइन न करने की खबर से लग रहा है कि तमन्ना वाकई जल्द शादी कर सकती हैं। 33 साल की तमन्ना भाटिया ने हाल ही में इंडिया टुडे को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि वो हमेशा से 30 साल की होने से पहले शादी करके 2 बच्चों की मां बनना चाहती थीं, लेकिन काम में व्यस्त होने के चलते ऐसा नहीं हो सका। अब 33 साल की उम्र में तमन्ना शादी कर सकती हैं। बताते चलें कि तमन्ना भाटिया और विजय वर्मा सबसे पहले लस्ट स्टोरी 2 में साथ नजर आए थे। फिल्म में दोनों की केमिस्ट्री को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद से ही दोनों के रिलेशनशिप की खबरें थीं, हालांकि इन खबरों को बाद खुद विजय और तमन्ना ने अलग-अलग इंटरव्यू में कबूल किया था।